दैनिक
लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार, झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित
RNI-UPHIN/2014/58471

अमन लेखनी

छोटा कद- बड़ी कामयाबी...... अगर आप होते हैं बार बार असफल......

वर्ष : 10 | अंक : 99 | लखनऊ, 18 मार्च, सोमवार 2024 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

मौसम

अधिकतम तापमान 18.c

न्यूनतम तापमान 12.c

बाजार

सोना 5848/ g

चांदी 75.50/ g

सेंसेक्स 72,085.63

निफ्टी 21,853.80

संक्षिप्त समाचार

पहले चरण में तीन सीट पर मतदान के लिए तैनात किए जाएंगे 25 हजार सुरक्षाकर्मी

नई दिल्ली, आगामी लोकसभा चुनाव के पहले चरण में 19 अप्रैल को उत्तरी पश्चिम बंगाल के तीन सीट पर मतदान के लिए केंद्रीय बलों के लगभग 25 हजार कर्मियों को तैनात किया जाएगा। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। पहले चरण में कूचबिहार, अलीपुरद्वार और जलपाईगुड़ी लोकसभा सीट पर मतदान होगा। अधिकारी ने बताया, उन्नीस अप्रैल को पहले चरण के चुनाव के तहत केंद्रीय बलों की लगभग 250 कंपनियां तैनात की जाएंगी। प्रत्येक जिले में एक नियंत्रण कक्ष होगा और वरिष्ठ अधिकारी उसके प्रभारी होंगे। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) की एक कंपनी में कम से कम 100 कर्मी होते हैं यानी इन तीन सीट पर मतदान के लिए लगभग 25 हजार कर्मियों को तैनात किया जाएगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी आरिज आफताब ने कहा कि राज्य में स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित करने के लिए सभी कदम उठाए जा रहे हैं।

राजस्थान की सभी 25 लोकसभा सीटों पर जीत हासिल करेगी भाजपा : मुख्यमंत्री शर्मा

नई दिल्ली, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को दावा किया कि आगामी लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) राजस्थान की सभी 25 लोकसभा सीटों पर भारी मतों के अंतर से जीत हासिल करेगी। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, भाजपा का कार्यकर्ता वर्ष के 365 दिन... 24 घंटे काम करनेवाला है। इसलिए हम पूरी तरह से तैयार हैं और हमें हमारे विकास के विजन, गरीब कल्याण की योजनाएं व हमारे कार्यकताओं के समर्पण पर पूरा विश्वास है। शर्मा ने कहा, हम 2014 और 2019 में लगातार 25 की 25 सीटों पर जीत हासिल करते हुए आ रहे हैं और अबकी बार भी हम 25 सीटें जीतेंगे। लेकिन इस बार अंतर अधिक होगा। उन्होंने कहा कि जनता पूरी तरह से जान चुकी है कि काम करने वाली, विकास करने वाली, गरीब कल्याण की योजनाओं को लागू करने वाली अगर कोई पार्टी है तो वह भारतीय जनता पार्टी ही है।

भाजपा ने श्रीनगर लोकसभा सीट के लिए चुनाव प्रचार शुरू किया

श्रीनगर। निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा चुनाव की घोषणा के 24 घंटे के भीतर ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने श्रीनगर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में प्रचार अभियान शुरू कर दिया है, यद्यपि श्रीनगर लोकसभा सीट उन 400 सीट में शामिल नहीं है जिस पर भाजपा को जीत का भरोसा है। इसके बावजूद बदलाव की उम्मीद में पार्टी ने श्रीनगर जिले के क्लस्टर और बूथ प्रमुखों की बैठक की। भाजपा की जम्मू-कश्मीर इकाई के वरिष्ठ नेता सुरिंदर अंबरदार ने जवाहर नगर नगरपालिका पार्क में रविवार को आयोजित कार्यकताओं की एक रैली में कहा कि पार्टी ने प्रभावी चुनाव अभियान के लिए दो से तीन बूथ वाले क्लस्टर बनाए हैं।

एनडीए क्षेत्रीय आकांक्षाओं को साथ लेकर देश की प्रगति के लिए काम कर रहा : पीएम मोदी

अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, अमरावती। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) क्षेत्रीय आकांक्षाओं को साथ लेकर देश की प्रगति के लिए काम कर रहा है तथा चुनाव के बाद तीसरे कार्यकाल के दौरान देश कई और बड़े फैसले लेगा। मोदी ने पलनाडु जिले के बोप्पुडी गांव में राजग की चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि राजग का लक्ष्य विकसित भारत, विकसित आंध्र प्रदेश बनाना है।

उन्होंने कहा कि पिछले दस वर्ष के दौरान देश में 25 करोड़ लोगों को गरीबी के दायरे से बाहर निकाला गया है। कांग्रेस पर हमला बोलते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि पार्टी का एजेंडा अपने गठबंधन सहयोगियों का इस्तेमाल करो और फेंक दो है। मोदी ने कहा, कल लोकसभा चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा की गई। पूरा देश कहता है कि चार जून (मतगणना के दिन) को (राजग की कुल सीटें) 400 पार हो जाएंगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि राजग का लक्ष्य विकसित भारत और विकसित आंध्र प्रदेश का निर्माण है। उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश में डबल इंजन वाली राजग सरकार राज्य का त्वरित विकास सुनिश्चित करेगी। मोदी ने कहा कि पूरी दुनिया में राजग नीत सरकार के विकास कार्यों की चर्चा हो रही है।

मोदी ने मंत्रियों से नई सरकार के पहले 100 दिन के लिए रूपरेखा तैयार करने को कहा

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को अपने कैबिनेट मंत्रियों से नई सरकार के पहले 100 दिनों और अगले पांच साल के लिए एक रूपरेखा तैयार करने को कहा। सूत्रों ने यह जानकारी दी। प्रधानमंत्री ने आज सुबह यहां केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक की अध्यक्षता करते हुए मंत्रियों से अपने-अपने मंत्रालयों के सचिवों और अन्य अधिकारियों से मुलाकात कर इस बारे में चर्चा करने के लिए कहा कि नई सरकार के पहले 100 दिन और अगले पांच साल के एजेंडे को बेहतर ढंग से कैसे लागू किया जा सकता है।

यह बैठक निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा के एक दिन बाद हुई है। मंत्रिमंडल ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को निर्वाचन आयोग की सिफारिश भेजकर सात चरण के संसदीय चुनावों की तारीखों को अधिसूचित करने की प्रक्रिया भी शुरू की। पहले चरण के तहत 19 अप्रैल को 102 सीट पर मतदान के लिए पहली अधिसूचना 20 मार्च को जारी की जाएगी। अधिसूचना जारी होने के साथ ही किसी विशेष चरण के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू हो जाती है।

पाकिस्तान के 18 हिंदु शरणार्थियों को मिली भारतीय नागरिकता

अमन लेखनी समाचार

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद में रह रहे पाकिस्तान के 18 हिंदू शरणार्थियों को शनिवार को एक शिविर में भारतीय नागरिकता प्रदान की गई। इस शिविर में राज्य के गृह राज्यमंत्री हर्ष सांघवी भी शामिल हुए। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के मुताबिक 2016 और 2018 की राजपत्र अधिसूचनाएं राज्य में अहमदाबाद, गांधीनगर और कच्छ के जिला कलेक्टर को पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश के अल्पसंख्यक समुदायों के लोगों को भारतीय नागरिकता देने का अधिकार देती हैं।

विज्ञप्ति में कहा गया कि इसी के साथ अहमदाबाद जिले में रहने वाले पाकिस्तान के कुल 1167 हिंदू शरणार्थियों को अब तक भारतीय नागरिकता दी गई है। जिला कलेक्टर कार्यालय में आयोजित शिविर में सांघवी ने शरणार्थियों को भारतीय नागरिकता प्रदान की और उनसे नए भारत के सपने को साकार करने के लिए मिलकर काम करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, उम्मीद है कि आप सभी देश की विकास यात्रा में सहभागी बनने के लिए संकल्पित होंगे।

सांघवी ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार भारतीय नागरिकता प्राप्त करने वाले सभी लोगों को समाज की मुख्यधारा में लाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अफगानिस्तान, पाकिस्तान और बांग्लादेश के पीड़ित अल्पसंख्यकों को आसानी से और जल्दी भारतीय नागरिकता दिलाने के लिए विशेष प्रयास किए हैं।

अदालत ने लेक्चरर के निलंबन को रद्द करने को चुनौती देने वाली याचिका खारिज की

अमन लेखनी समाचार

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने एक सरकारी डिग्री कॉलेज के व्याख्याता (लेक्चरर) के निलंबन को रद्द करने के फैसले को चुनौती देने वाली उत्तर प्रदेश सरकार की एक याचिका को खारिज करते हुए कहा कि कर्मचारी पर मामूली दंड भी तभी लगाया जाए जब नियोक्ता उसके खिलाफ लगाए गए आरोपों को सही पाए। प्रदेश सरकार ने एकल न्यायाधीश के आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें व्याख्याता के निलंबन को रद्द कर दिया गया था। व्याख्याता को पहले से शादीशुदा होते हुए भी दूसरा विवाह करने के आरोप में निलंबित किया गया था। राज्य सरकार की विशेष अर्जी को खारिज करते हुए न्यायमूर्ति अश्वनी कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति सैयद कमर हसन रिजवी ने 11 मार्च को सुनाए अपने फैसले में कहा, मामूली दंड जैसे अधिकार का उपयोग करने के लिए राज्य सरकार को कर्मचारी को उसके खिलाफ लगाए गए आरोप की जानकारी देनी होगी और उचित समय के भीतर उससे स्पष्टीकरण मांगना होगा। पीठ ने कहा, राजकीय कर्मचारी अनुशासन एवं अपील नियम 1999 के नियम चार तहत कर्मचारी के खिलाफ कोई कार्रवाई करने से पूर्व उसके खिलाफ जांच की जानी चाहिए और उसे अपना पक्ष रखने का अवसर दिया जाना चाहिए।

इस चुनाव में भाजपा केरल की राजनीति में हमेशा के लिए बदलाव लाने जा रही: प्रकाश जावडेकर

अमन लेखनी समाचार

तिरुवनंतपुरम। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और पार्टी के केरल प्रभारी प्रकाश जावडेकर ने रविवार को एलडीएफ और यूडीएफ पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी पार्टी इस लोकसभा चुनाव में केरल में हमेशा के लिए बदलाव लाने जा रही है। निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा के एक दिन बाद, जावडेकर ने यहां प्रेस वार्ता में कहा मतदाताओं के मन में मंथन चल रहा है।

राज्य में यह दिख रहा है और यह भाजपा के लिए बड़े लाभ में तब्दील होगा। केरल में 26 अप्रैल को मतदान होगा। जावडेकर ने दावा किया कि मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के नेतृत्व वाले लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (एलडीएफ) और कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) का केरल में कोई भविष्य नहीं है। जावडेकर ने कहा, हम (भाजपा) इस चुनाव में केरल की राजनीति में हमेशा के लिए बदलाव लाने जा रहे हैं। केरल के मतदाताओं के मन में बड़ा मंथन चल रहा है। 2019 में, उन्हें विश्वास दिलाया गया कि राहुल गांधी प्रधानमंत्री बनेंगे। इस बार, कांग्रेस नेताओं समेत सभी को यकीन है कि उनके प्रधानमंत्री बनने की कोई संभावना नहीं है।

केरल में भाजपा का अभी तक खाता नहीं खुला है। निर्वाचन आयोग की वेबसाइट के अनुसार, 2021 के विधानसभा चुनाव में राज्य में भाजपा का कुल पड़े वोट में हिस्सा 12 प्रतिशत से कम था। यूडीएफ और एलडीएफ के घटक दलों को अतीत की पार्टियां बताते हुए जावडेकर ने कहा, केरल में वे छद्म लड़ाई लड़ रही हैं। वे व्यावहारिक रूप से अन्य सभी राज्यों में सहयोगी हैं और यहां केरल में रणनीतिक रूप से एक साथ हैं। उन्होंने दावा किया कि एलडीएफ और यूडीएफ के पास राज्य को देने के लिए कुछ भी नया नहीं है।

केजरीवाल ने दुकान के लिए स्थान उपलब्ध कराने को रेहड़ी-पटरी वालों के सर्वे की घोषणा की

अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, लोकसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा से पहले दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शहर में रेहड़ी-पटरी वालों को उनकी दुकान संचालित करनेके लिए जगह मुहैया कराने के वास्ते एक सर्वेक्षण कराने की शनिवार को घोषणा की। केजरीवाल ने एक वीडियो संदेश में कहा कि सर्वेक्षण कुछ महीनों में पूरा किया जाएगा, जिसके बाद विक्रेताओं को उचित तरीके से जगह मुहैया करायी जाएगी ताकि अन्य दुकानदारों को कोई दिक्कत न हो तथा यातायात में कोई

समस्या न आए। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि रेहड़ी-पटरी विक्रेता पुलिस या अन्य प्राधिकारियों के हाथों किसी तरह के उत्पीड़न का शिकार हुए बिना सम्मानपूर्वक अपनी आजीविका कमाने में सक्षम हों। उन्होंने कहा कि दिल्ली नगर पालिका (एमसीडी) सभी रेहड़ी-पटरी वालों का सर्वेक्षण कराएगी और व्यवस्थित ढंग से स्थान प्रस्तावित कर दुकान स्थापित करने की अच्छी व्यवस्था सुनिश्चित करेगी।

दिग्विजय सिंह ने चुनावी बॉण्ड योजना में मुखौटा कंपनियों की मौजूदगी पर सवाल उठाया, केंद्र को घेरा

अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने शनिवार को हैरानी जताई कि शीर्ष कॉरपोरेट कंपनियां चुनावी बॉण्ड योजना से गायब हैं जबकि मुख्य दानदाता मुखौटा कंपनियां हैं। दिग्विजय ने इंदौर में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि उनकी सरकार ने सभी फर्जी कंपनियों को बंद करने के लिए मजबूर किया है। उन्होंने कहा, यह आश्चर्य की बात है कि इन कंपनियों ने चुनाव के

लिए पैसा नहीं दिया। मुखौटा कंपनियां पैसा दे रही हैं। जिन फर्जी कंपनियों का न कोई कारोबार है न मुनाफा, वे हजारों करोड़ का चंदा कैसे दे रही हैं? इससे प्रधानमंत्री बेनकाब हो गए हैं। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सराहना करते हुए सिंह ने कहा कि सोरेन ने केंद्र द्वारा दुरुपयोग की जा रही जांच एजेंसियों के सामने झुकने के बजाय जेल जाना पसंद किया। आगामी चुनावों पर प्रतिक्रिया देते हुए सिंह ने आरोप लगाया कि ईवीएम के माध्यम से वोट चुराए जा रहे हैं और दावा किया कि वह इसके खिलाफ लड़ रहे हैं।

लोकसभा चुनाव के लिए टिकट वितरण पर असंतोष व्यक्त करने के बाद भाजपा के राज्यसभा सांसद अजय प्रताप सिंह के पार्टी छोड़ने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि और भी नेता पार्टी छोड़ देंगे। उन्होंने कांग्रेस छोड़ने वालों को फूल (कमल) छाप कांग्रेस कहा। केंद्र द्वारा हाल ही में संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) लागू किये जाने पर सिंह ने कहा कि शरणार्थियों को नागरिकता देने के लिए कानून पहले से ही मौजूद थे तो क्या कारण था कि भाजपा सरकार को नियम बनाने में पांच वर्ष लग गए। उन्होंने भाजपा के इस दावे को भी खारिज कर दिया कि कांग्रेस को आगामी चुनावों के लिए उम्मीदवार नहीं मिल रहे हैं।

शिक्षक भर्ती परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होने के मामले में 270 से अधिक अभ्यर्थी हिरासत में

अमन लेखनी समाचार

पटना। बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की शिक्षक भर्ती परीक्षा (टीआरई)-3 में कथित प्रश्न पत्र लीक होने के संबंध में झारखंड के हजारीबाग जिले में 270 से अधिक अभ्यर्थियों को हिरासत में लिया है। आर्थिक अपराध इकाई द्वारा शनिवार को यहां जारी एक बयान के अनुसार, ईओयू के अधिकारियों ने एक खुफिया सूचना के आधार पर 14 और 15 मार्च को हजारीबाग में कई स्थानों पर तलाशी ली और पाया कि बिहार में कई स्थानों से लाए गए टीआरई-3 के अभ्यर्थियों को प्रश्न पत्र उपलब्ध कराए गए थे।

बयान में कहा गया है, 15 मार्च को परीक्षा के दिन अभ्यर्थियों को अपने-अपने परीक्षा केंद्र के लिए सुबह करीब तीन बजे निकलना था। उन सभी को

हिरासत में ले लिया गया और उनसे पूछताछ के आधार पर अधिकारियों ने प्रश्न पत्र लीक में शामिल गिरोह के कुछ सदस्यों को पकड़ लिया। पुलिस ने कुछ दिन पहले पांच लोगों को गिरफ्तार किया था जो कथित तौर पर टीआरई-3 के प्रश्न पत्र को लीक कराने के मास्टरमाइंड थे। पुलिस ने उनके पास से प्रश्न पत्र, कम्प्यूटर, लैपटॉप, प्रिंटर और पेन ड्राइव बरामद किए थे। बयान के अनुसार जांच में पता चला कि आरोपियों ने उत्तर पुस्तिका उपलब्ध कराने के लिए प्रत्येक उम्मीदवार से अच्छी-खासी रकम ली थी। मामले की जांच जारी है। बीपीएससी ने प्राथमिक शिक्षक और माध्यमिक स्कूल शिक्षकों के लिए ऑफलाइन माध्यम से 15 मार्च को टीआरई-3 आयोजित की थी। इससे पहले बीपीएससी द्वारा करायी गयी शिक्षक भर्ती परीक्षा (टीआरई-2) में 96,823 उम्मीदवार उत्तीर्ण हुए थे।

रेवाड़ी की एक फैक्टरी के बॉयलर में विस्फोट, 40 लोग घायल

हरियाणा में रेवाड़ी जिले के धारूहेड़ा स्थित औद्योगिक क्षेत्र में शनिवार को ऑटो पाट्र्स विनिर्माण कंपनी के बॉयलर में विस्फोट होने से लगभग 40 श्रमिक झुलस गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि कई घायलों को रेवाड़ी के सिविल अस्पताल ले जाया गया और कुछ को गुरुग्राम, धारूहेड़ा और रेवाड़ी के अलग-अलग अस्पतालों में रेफर किया गया। इसने कहा कि गंभीर रूप से घायल एक श्रमिक को पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (पीजीआईएमएस), रोहतक रेफर किया गया है। पुलिस ने बताया कि घटना शाम करीब 5:50 बजे हुई जब फैक्टरी में एक बॉयलर में विस्फोट हो गया। आग बुझाने के लिए कई दमकल गाड़ियों को घटनास्थल पर भेजा गया है। रेवाड़ी के सिविल सर्जन सुरेंद्र यादव ने कहा कि घटना में लगभग 40 कर्मचारी घायल हो गए। उन्होंने कहा, ह्यह्यहमारे यहां 23 मरीज भर्ती हैं और सभी की हालत स्थिर है।

मणिपुर के राहत शिविरों में रहने वाले लोगों को वहीं से मतदान की अनुमति मिलेगी : निर्वाचन आयोग

अमन लेखनी समाचार

नयी दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने शुक्रवार को कहा कि हिंसा प्रभावित मणिपुर के राहत शिविरों में रहने वाले लोगों को वहीं पर लोकसभा चुनाव के लिए मतदान करने की अनुमति दी जाएगी। लोकसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा के दौरान मणिपुर से संबंधित एक सवाल के जवाब में मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा, हम सभी व्यवस्थाएं करेंगे। उनका कहना था, हमने एक योजना बनाई है, जिसे हमने अधिसूचित कर दिया है... शिविर में रहने वाले मतदाताओं को शिविर से ही मतदान करने की अनुमति दी जाएगी। जैसे जम्मू-कश्मीरके प्रवासियों के लिए एक योजना है... उसी तरह यह योजना मणिपुर में लागू की जाएगी। कुमार ने कहा, मतदाताओं को उनके शिविरों से

मतदान करने की अनुमति दी जाएगी। उन्होंने कहा, मतदाताओं से मेरी अपील है कि आइए, मत के माध्यम से निर्णय लें, शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव में भाग लें। हम व्यवस्था करेंगे। पिछले साल मई में मणिपुर में मैतेई और आदिवासी कुकी समुदायों के बीच शुरू हुए जातीय संघर्ष में 200 से अधिक लोगों की जान चली गई। अधिकारियों के अनुसार, सुरक्षा बलों ने 25,000 से अधिक लोगों को बचाया है, जबकि लगभग 50,000 लोग अशांति के बाद शिविरों में रह रहे हैं।

संक्षेप

लोकसभा चुनाव, होली पर्व और रमजान व ईद आदि त्योहारों को लेकर किया गया फ्लैग मार्च

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर लखनऊ। आगामी लोकसभा चुनाव, होली पर्व और रमजान व ईद आदि त्योहारों को लेकर सरोजनीनगर पुलिस द्वारा रविवार को इलाके में फ्लैग मार्च निकाला गया। सरोजनीनगर थाना प्रभारी शैलेंद्र गिरी के नेतृत्व में निकाले गए फ्लैग मार्च में स्थानीय पुलिस के अलावा केंद्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स के जवान भी शामिल रहे। सरोजनीनगर में कानपुर रोड स्थित चिल्लावां, बाग नंबर - 3, आजाद नगर, पुरानी चुंगी, हिंद नगर कॉलोनी और सेक्टर एफ कॉलोनी के अलावा पराग रोड पर निकाले गए फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस फोर्स द्वारा लोगों से शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की गई। इससे पहले सरोजनीनगर पुलिस ने एसडीएम के साथ स्कूटर इंडिया चौराहा और बिजनौर रोड सहित कई जगहों पर आचार संहिता का उल्लंघन करने वाले राजनीतिक पार्टियों के लगे बैनर पोस्टर भी हटाए।

मोबाइल टावर से सेल और बैटरी हुए चोरी,मुकदमा दर्ज

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर लखनऊ। बंथरा इलाके में करीब डेढ़ माह पहले एक मोबाइल टावर से चोरी हुए टावर के सेल और बैटरी की संबंधित टेक्नीशियन ने बंथरा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। आलमनगर के बुद्धेश्वर निवासी अमित सिंह के मुताबिक वह विदेश्या मैनेजमेंट (प्रालि.) में टेक्नीशियन है। अमित का कहना है कि बंथरा में भटगांव स्थित बचान खेड़ा रोड के बगल हुलासी राम के खेत में मोबाइल टावर लगा है। जिसमें 5 फरवरी की रात चोरों ने टावर के 24 सेल और जनरेटर की एक बैटरी चोरी कर ली। अगले दिन 6 फरवरी को जानकारी होने के बाद वह काफी खोजबीन करता रहा। लेकिन पता नहीं कर सका। फिलहाल पुलिस मामले के रिपोर्ट दर्ज कर चोरों की तलाश में जुट गई है।

सड़क को अतिक्रमण से मुक्त कराने को लेकर अधिकारी मौन

सुबह लंबी-चौड़ी दिखनेवाली सड़क दिन चढ़ते ही हो जाती है सकरी, शाम को हालत हो जाती है खराब

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर लखनऊ। सरोजनीनगर में शांतिनगर स्थित सेंट थॉमस स्कूल के सामने रोड पर ठेले खोमचे वालों द्वारा किए गए अतिक्रमण से राहगीर काफी परेशान है। शहर में बिजली पानी सफाई के साथ ही चौड़ी सड़के और पैदल चलने वालों के लिए फुटपाथ जरूरी होता है, लेकिन शांतिनगर में सड़कों पर से फुटपाथ गायब हो गया जिससे पैदल चलने वालों को हमेशा डर बना रहता है, फुटपाथ नहीं होने के कारण पैदल चल रहे लोगों को चार पहिया वाहन चालकों ने बहुत बार ठोकरे मारकर घायल भी किया है, अतिक्रमणकारियों ने सड़क पर फल के ठेले लगाकर यातायात व्यवस्था को बदहाल कर दिया है। सरोजनीनगर के हैदिल चौराहे से लेकर शांतिनगर एयरपोर्ट बाउंड्री तक आने जाने वाले मुख्य मार्ग पर फुटपाथ पर लगे फल के ठेले द्वारा अस्थाई रूप से अतिक्रमण किया गया है। जिसके चलते सड़क पर पैदल चलने वाले आम लोगों को परेशानी के साथ-साथ दुर्घटना होने की आशंका बनी रहती है। नगर निगम द्वारा अनदेखी के चलते अतिक्रमणकारियों ने सड़क पर कब्जा जमा कर सड़क को सकरा बना दिया वही शांति नगर स्थित सेंट थॉमस स्कूल के पास फल विक्रेता व सब्जी विक्रेता ने कई ठेले लगाकर स्कूली छात्राओं का आना जाना मुसीबत बना दिया। बताते है की एक तो कानपुर रोड चौड़ीकरण को लेकर पीएनसी द्वारा बनाए जा रहे नाले की वजह से यहां लोगो को आने जाने में दिक्कत बढ़ गई है दूसरे यहां अतिक्रमण कर अवैध तरीके से लगाए गए ठेले खोमचे वालों ने यहां की समस्या और बढ़ा दी है। आलम यह है कि जहां राहगीरों को निकालने में नाकों चने चबाने पड़ते हैं वहीं नन्हे मुन्ने स्कूली बच्चों को लेने ले जाने के लिए वहां पहुंचने वाले अभिभावक भी काफी दूर अपने वाहन खड़े कर स्कूल तक पहुंच पाते हैं। उधर रोड पर वाहन खड़े होने से घंटो जाम लग जाता है कई बार तो वाहन के आने-जाने पर राहगीरों से आमने सामने टक्कर लगने से आपस में कहा सुनी होते होते हाथा पाई भी हो जाती है। फिर भी प्रशासन और नगर निगम सोया हुआ है। सड़क पर फल के ठेले लगाने से बाज नहीं आते हैं लेकिन नगर निगम प्रशासन इस पर बिल्कुल ध्यान नहीं दे रहा है।

अधिवक्ता पर विधवा महिला ने धमकी व मारपीट का लगाया आरोप

एसीपी कैंट के आदेश पर मारपीट धमकी की धारा में मुकदमा दर्ज,

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। आलमबाग कोतवाली इलाके स्थित मवैया चौराहा निकट मंदिर के बगल में झोपड़ी बनाकर रहने वाली विधवा महिला ने बताया कि वह उक्त स्थान पर अपने पुत्र के साथ लगभग 15 वर्षों से अपने पुत्र के साथ रह रही है और मेहनत मजदूरी करके अपना तथा पुत्र का पालन पोषण करती है। परन्तु किसी के द्वारा कोई भी विरोध नही किया गया। उक्त स्थान पर मोहल्ले में ही रहने वाले बी0बी0सिंह तथा उनका दामाद सुसौम्य सिंह परिहार एडवोकेट जो कि अपने को एल एन एसोसिएट का अध्यक्ष बताते है वह कुछ समय से आये और उक्त जमीन पर जबरन अपना अधिकार बताने उक्त भूमि को नगर निगम की जमीन है कहने लगे के साथ जमीन सरकारी बता भूमि को अपना बता रहे हैं। आरोप है कि पीडिता के विरोध करने पर बीते 22 फरवरी 2023 को अधिवक्ता सुसौम्य सिंह परिहार और उनकी पत्नी व उनकी साली सुबह सुराय होकर आये और प्रार्थिनी का सारा सामान सड़क पर फेंकने लगे प्रार्थिनी ने जब इसका विरोध किया तो उक्त लोगों ने प्रार्थिनी तथा प्रार्थिनी के पुत्र को बहु मारा पिटा प्रार्थिनी ने किसी तरह भाग कर अपनी जान बचाई प्रार्थिनी को वकील साहब की तरफ से धमकी मिली थी अगर कुम लोगों ने जगह नहीं खाली तो तुम्हारे लड़के को फर्जी मुकद्दमे में जेल भिजवा देने की धमकी दे रहे है। जिसके चलते उसने स्थानीय थाने की पुलिस से शिकायत करने के साथ एसीपी कैंट से मदद की गुहार लगाई है। पुलिस के अनुसार पीडिता की शिकायत पर मारपीट धमकी की धारा में जांच के बाद मुकदमा दर्ज किया गया है।

भक्तिभाव से निकली श्रीश्याम शोभायात्रा

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। नव दुर्गा जागरण समिति की ओर से रविवार को मलिहाबाद में पूरे भक्तिभाव के साथ श्रीश्याम निशान शोभायात्रा निकाली गई। यात्रा में बड़ी संख्या में महिला, पुरुष व बच्चे हाथों में श्रीश्याम बाबा की ध्वजा लेकर चल रहे थे।

दुर्गा मंदिर से शुरू हुई यात्रा चौधराना, तहसील, मिजार्गंज, मलिहाबाद चौराहा, डाकघर तिराहा, गल्ला मंडी, मुंशीगंज, कटरा होते हुए शाम को मंदिर परिसर पहुंची। इस दौरान जगह-जगह पुष्प वर्षा के साथ यात्रा का स्वागत किया गया। इसके बाद भजन संध्या में प्रखर, आकाश गुप्ता, रोहित शर्मा और सोनी आदि ने सुंदर भजन प्रस्तुत किए। समिति के रंजीत सैनी, सौरभ सैनी, बसंती ने बताया कि फाल्गुन महोत्सव के उपलक्ष्य में बाबा श्री श्याम की निशान यात्रा का आयोजन किया गया। इस मौके पर आयोजित भंडारे में बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

61 सदस्यीय उ.प्र. क्षत्रिय लोक सेवक परिवार महासमिति गठित

एसकेडी सिंह संरक्षक, बाबा हरदेव सिंह अध्यक्ष

हल्दीघाटी विजयोत्सव कार्यक्रम इस बार 23 जून को

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश क्षत्रिय लोक सेवक परिवार महासमिति की बैठक में आज नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई। यह कार्यकारिणी 2026 तक कार्यरत रहेगी। 61 सदस्यीय इस कार्यकारिणी में प्रोफेसर एसकेडी सिंह, संरक्षक और बाबा हरदेव सिंह अध्यक्ष बनाए गए हैं। महासमिति में सेवानिवृत आईएएस श्री प्रकाश सिंह सहित चार वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं पांच उपाध्यक्ष, नौ सचिव संगठन, पांच सचिव, पांच संयुक्त सचिव एक महासचिव एवं संयोजक सह कार्यालय सचिव, एक सहायक कोषाध्यक्ष, तथा एक मीडिया प्रभारी एवं एक सहमीडिया प्रभारी बनाए गए हैं महासमिति में एक मार्गदर्शक मंडल का भी गठन किया गया है जिसमें डॉक्टर बी एन सिंह प्रमुख संयोजक एवं डॉ भरत राज सिंह सहसंयोजक सहित कुल 22 सदस्य बनाए गए हैं। इस अवसर पर महासमिति के अध्यक्ष डॉक्टर बाबा हरदेव सिंह ने सभी कार्यकारिणी सदस्यों को शपथ दिलाई। प्रत्येक वर्ष की भांति महासमिति ने इस वर्ष भी सामाजिक एवं राष्ट्रीय सरकारों में अपना बेहतर योगदान देने वाले और अपने-अपने क्षेत्र में कीर्तिमान स्थापित करने वाले महानुभावों को हल्दीघाटी विजयोत्सव कार्यक्रम में सम्मानित करने का निर्णय लिया है। इस वर्ष हल्दीघाटी विजय उत्सव कार्यक्रम 17 - 18 मई की जगह 23 जून को मनाया जाएगा।

इस अवसर पर अध्यक्ष बाबा हरदेव सिंह ,श्रीप्रकाश सिंह रिटायर्ड डीजी भानु प्रताप सिंह एवं उपाध्यक्ष संगठन केके सिंह ने इस वर्ष में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा पर प्रकाश डाला और संगठन को प्रभावशाली ढंग से सक्रिय रखने के लिए भी अपने-अपने विचार व्यक्त किए। महासमिति की आज हुई बैठक में इंद्रासन सिंह ₹ इंदू₹ पूर्व आइएएस धनंजय सिंह,विजय बहादुर सिंह,कुंवर प्रदीप सिंह, मनोज कुमार सिंह, पीके सिंह,डा.राजनारायण सिंह समेत बड़ी संख्या में पदाधिकारी गण मौजूद थे।

'राहुल जी आपकी भारत जोड़ो न्याय यात्रा का समापन हो रहा है, मैं शामिल नहीं हो पाऊंगा' - अखिलेश ने लिखा पत्र

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा का मुंबई में समापन होने जा रहा है। लेकिन यात्रा के समापन से पहले ही अखिलेश यादव ने राहुल गांधी के नाम पत्र लिखकर कहा है कि वह इस यात्रा में शामिल नहीं हो सकेंगे। अखिलेश ने पत्र की शुरूआत में कहा कि आज मुंबई में आपकी भारत जोड़ो न्याय यात्रा का समापन होने जा रहा है। बिरले ही लोग हैं जो ऐसी यात्रा कर सकते हैं। आपके दृढ़ संकल्प के लिए बहुत-बहुत शुभकामनाएं। अखिलेश ने आगे कहा कि चुनाव आयोग की ओर से चुनाव की घोषणा कर दी गई है। 20 मार्च से यूपी में नामांकन प्रारंभ है। जिसकी तैयारियों के चलते मैं यात्रा के समापन कार्यक्रम में शामिल नहीं हो पा रहा हूं।

लोकसभा मोहनलालगंज की विधानसभा मतदाता जोड़ो अभियान चलाया गया

सरोजनीनगर लखनऊ। सरोजनीनगर में स्थित आवासीय पब्लिक स्कूल के सामने रविवार को लोकसभा मोहनलालगंज की विधानसभा मतदाता जोड़ो अभियान चलाया गया , जिसमे हाल ही में 18 वर्ष पूर्ण किए हुए कई लोगो के नाम जोड़े गये , साथ ही कई नये लोग भी वोटर कार्ड बनवाने के लिए आये । कार्यक्रम में भाजपा कार्यकर्ताओ ने , स्थानीय बी ° एल° ओ° के साथ मिलकर सैकडो फॉर्म भरें । मतदाता जोड़ने का कार्य भारत निर्वाचन आयोग के अनुसार चुनाव प्रचार के आखिरी दिन तक किया जाएगा । कार्यक्रम की संयोजिका अर्चना सिंह ठाकुर रहीं ।पार्षद गीता देवी , भाजपा पदाधिकारी के ° के° श्रीवास्तव ,दीपक शाह , दिनेश कुमार , रमन श्रीवास्तव ,विकास कुमार ,सतगुरु प्रसाद , आशु कपूर , प्रेमलता श्रीवास्तव आदि कार्यकताओं ने कार्यक्रम में मतदाता बढ़ाने में विशेष सहयोग किया ।भाजपा कार्यकताओं ने अबकी बार 400 पार का संकल्प लिया तथा इसके साथ सत प्रतिशत मतदान कराने का भी प्रण किया ।

तीन या चार चरणों में होना चाहिए लोकसभा चुनाव : मायावती

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने लोकसभा चुनाव की घोषणा का स्वागत किया है। उन्होंने कहा है कि यह चुनाव कम खर्च व समय तथा संसाधनों की बचत के लिए सात की बजाय तीन या चार चरणों में होना चाहिए। उन्होंने निर्वाचन आयोग से स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव की उम्मीद जताई है। साथ ही अपील की है कि लोकतंत्र के इस महापर्व में सभी मतदाता बढ़-चढ़ कर हिस्सा हैं।

मायावती ने कहा कि लोगों को काफी समय से चुनाव की घोषणा का इंतजार था। चुनाव के खचीर्ले व ज्यादा समय तक खींचे जाने से गरीबों व कमजोर वर्ग के लोगों के तन-मन और धन से चलने वाली बसपा के लिए सही व ईमानदार तरीके से धनवान पार्टियों से मुकाबला कर पाना मुश्किल होगा।

आचार संहिता का सख्ती से अनुपालन

मायावती ने कहा कि स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव को लेकर निर्वाचन आयोग से लोगों को काफी उम्मीदें हैं। उत्तर प्रदेश में दबंगों द्वारा हर बार निष्पक्ष चुनाव में बाधा डालने की बहुत शिकायतें आती हैं। आदर्श चुनाव आचार संहिता का सख्ती से अनुपालन होना चाहिए। उन्होंने कहा कि चुनावी बांड को लेकर सुप्रीम कोर्ट का निर्णय आने के बाद चुनाव में केंद्रीय सुरक्षा बलों पर निर्भरता कम की जानी चाहिए।

लोकसभा चुनाव से पहले बृजभूषण शरण सिंह को बड़ी राहत, हाईकोर्ट ने सांसद की याचिका पर सुनाया फैसला

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ ने कैसरगंज से भाजपा के सांसद बृजभूषण शरण सिंह के विरुद्ध विचाराधीन मानहानि के मामले को रद्द कर दिया है। न्यायमूर्ति मोहम्मद फैज आलम खां ने सांसद की ओर दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए यह फैसला दिया। सांसद के अधिवक्ता पूर्णेंदु चकवर्ती, सचिन उपाध्याय व शिवेंद्र शिवम सिंह राठौड़ ने बताया कि ट्रायल कोर्ट ने विपक्ष व गवाहों के कथनों का संज्ञान लेकर ही मानहानि की कार्रवाई में सांसद को तलब किया था, जबकि पुलिस की जांच में पर्याप्त साक्ष्य भी मौजूद नहीं थे। केवल कथनों के आधार पर किसी आरोप का विचारण नहीं किया जा सकता। न्यायमूर्ति ने टिप्पणी करते हुए कहा कि दो संवैधानिक प्राधिकारियों के बीच हुए विशेषाधिकार पत्राचार को विचारण का अंग नहीं बनाया जा सकता। यह आइपीसी की धारा 499 के आठवें अपवाद में इंगित है। वहीं विचारण न्यायालय ने सीआरपीसी की धारा 202 के संशोधित प्रविधान की प्रक्रिया का भी पालन नहीं किया है। पीठ ने एमपी/एमएलए न्यायालय लखनऊ के पारित तलबी आदेश व विचारण को निरस्त करने का आदेश दिया है।

यह था मामला

लखनऊ के इंदिरानगर थाना गाजीपुर के अधिवक्ता व स्वतंत्र पत्रकार डा. मो. कामरान ने लखनऊ स्थित विशेष न्यायालय (एमपी-एमएलए) के न्यायालय में परिवाद दायर किया था। उन्होंने सांसद पर प्रदेश के मुख्यमंत्री व मुख्य सचिव को लिखे गए शासकीय पत्रों में अपमानित करने जैसे शब्दों को लिखने और बदनाम करने का आरोप लगाया था। मामले की सुनवाई के बाद दस जनवरी को अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट तृतीय/ विशेष मजिस्ट्रेट एमपी-एमएलए अंबरीस कुमार श्रीवास्तव ने कैसरगंज सांसद को तलब करने के लिए 20 हजार रुपये का जमानती वारंट जारी करने का आदेश दिया था जिसके विरुद्ध सांसद ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी।

नाबालिग किशोरी के साथ दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। एक गांव निवासी नाबालिग किशोरी को युवक ने जबरन अपनी भाभी के घर में घसीट ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। परिजनों से शिकायत करने पर आरोपी ने किशोरी के पिता को धमकाया। पुलिस ने मिली तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी को 24 घंटे के अंदर गिरफ्तार कर भेजा जेल। मलिहाबाद थाना क्षेत्र के एक गांव में एक परिवार दो बेटियों के साथ रहते हैं। बीते शनिवार को वह काम पर गए थे। और दोनों बेटियां घर में अकेली थीं। तभी गावं निवासी कुलदीप उनकी बड़ी बेटी को हाथ पकड़ कर जबरन अपनी भाभी के घर घसीट ले गया। और वहां उसके साथ दुष्कर्म किया। तभी उसकी छोटी बहन- बहन को ढूंढते ढूंढते वहां पहुंच गई और उसने शोर मचाना शुरू कर दिया। तभी आरोपी युवक मौके से भाग निकला। इस संबंध में मलिहाबाद थाना प्रभारी निरीक्षक सुरेश सिंह ने बताया कि आरोपी युवक के खिलाफ दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

विवाहिता ने ससुरालीजनों पर गाली गलौज और दहेज उत्पीड़न का लगाया आरोप, मुकदमा दर्ज

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर लखनऊ। सरोजनीनगर के अशोक द्विवेदी गली नंबर- 5 निवासी आशीष लता गुप्ता ने बुलंदशहर के थाना कोतवाली नगर नजीमपुरा भूड निवासी अपने पति दिनेश कुमार गुप्ता उर्फ राजू गुप्ता, सास वेदवती, ननद स्वाती, जेठ मुन्ना गुप्ता, नरेश गुप्ता उर्फ सुरेश, देवरानी रेनू गुप्ता व हनी गुप्ता के खिलाफ मारपीट, गाली गलौज के अलावा दहेज उत्पीड़न की सरोजनीनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। आशीष लता का कहना है कि मैट्रिमोनियल पर रिश्ता देखकर उसकी शादी 25 नवंबर 2020 को बीएसएफ सिपाही दिनेश कुमार गुप्ता के साथ राजधानी लखनऊ के श्रंगार नगर स्थित आर्य समाज मंदिर में हुई थी। उस दौरान दिनेश ने बताया था कि उसकी पहली पत्नी पूजा गुप्ता की 2007 में कैंसर की बीमारी से मौत हो गई थी और उसके एक बेटा कौशल गुप्ता है। आशीष लता का कहना है कि शादी के बाद से दिनेश, वेदवती, स्वाती, नरेश, रेनू, हनी आदि सभी ससुराल के लोग कम दहेज का ताना देकर गाली गलौज और प्रताड़ित करने लगे। जान से मारने की धमकी भी दी। इस दौरान प्लाट बनवाने के लिए उससे मायके से 2 लाख रुपये लाने को कहने लगे। पीड़िता का कहना है कि शादी के करीब डेढ़ वर्ष बाद उसे पता चला कि उसके पति ने बरेली स्थित बीएसएफ क्वाटर पर अपनी पहली पत्नी को जहर देने के बाद गला घोट कर मार दिया था। तब पहली पत्नी के पिता बुलंदशहर के कस्बा खुर्जा निवासी रामपाल गुप्ता ने दिनेश के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसके तहत दिनेश 3 महीने तक जेल में भी रहा। आरोप है कि उसने झूठ बोलकर दूसरी शादी आशीष लता के साथ की। आशीष लता का कहना है कि वह अक्सर यही ताना देते है कि अगर बात नहीं मानी तो पहली पत्नी को तरह तुम्हें भी मार देंगे और तुम्हारे घर वाले कुछ नहीं कर पायेंगे। पीड़िटा का कहना है कि 1 जुलाई 2023 को ससुराल वालों ने मिलकर उसके साथ गाली गलौज, मारपीट की और जान से मारने की धमकी देकर 18 जुलाई 2023 को उसे उसके मायके लखनऊ ले जाकर छोड़ दिया। फिलहाल परेशान आशीष लता की तहरीर पर सरोजनीनगर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

कार और डंपर में आमने-सामने भिड़ंत में कार चालक घायल

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। बीती शनिवार रात तेज रफ्तार कार और डंपर में आमने-सामने भिड़ंत हो गई। जिसमें कार चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके से भाग रहे डंपर चालक को राहगीरों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। हसनगंज निवासी इमरान ने अपनी कार इटौंजा स्थित गैराज में बनने के लिए दी थी। गैराज पर काम करने वाला मैकेनिक इटौंजा निवासी संतोष देर रात कार लेकर घूमने निकल गया। माल थाना क्षेत्र के काकराबाद के पास मौरंग से लदे ट्रक व कार में आमने-सामने भिड़ंत हो गई। जिसमें कार का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल संतोष को माल सीएचसी पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने हालत गंभीर देख ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया है। जहां उसका इलाज चल रहा हैं। इस संबंध में माल थाना प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि हादसे के समय कार चालक संतोष नशे में था। डंपर चालक उन्नाव निवासी भोले को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। अभी तक इस मामले में कोई तहरीर नहीं मिली है।

जालसाजों ने महिला खाताधारक के खाते से उड़ाए लाखों रुपए

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ , कृष्णा नगर थाना क्षेत्र में रहने वाली एक महिला खाताधारक को जालसाजों ने टेलीग्राम एप्प के माध्यम से ट्रेडिंग में निवेश के नाम पर उसके दो बैंक खातों से एक लाख 75 हजार रुपए ट्रांसफर करा लिऐ पीड़िता ने साइबर सेल में शिकायत कर स्थानीय थाने पर शिकायत की है पुलिस ने आईटी एक्ट की धारा में मुकदमा दर्ज कर कार्यवाई में जुटी है ।कृष्णा नगर थाना क्षेत्र के बरगंवा निवासी अनीता शर्मा अपना बैंक खाता यूनियन बैंक और फेडरल बैंक में संचालित कर रखी है खाताधारक पीड़िता के मुताबिक उसने टेलीग्राम एप्प के माध्यम से ट्रेडिंग में निवेश किया था शुरूआत में उसे गूगल रेटिंग काम कराने का 45 सौ रुपए का ऑनलाइन भुगतान मिला भी था जिसपर वह अत्यधिक मुनाफे के प्रलोभन में आकर ट्रेडिंग में निवेश करती रही और कुल एक लाख पचहत्तर हजार रुपए ऑनलाइन यूपीआई के माध्यम से निवेश कर दिया लेकिन उसे न ही निवेश का रुपया वापस मिला और न ही मुनाफे का पैसा मिलो अपने संग ठगी का एहसास होने पर पीड़िता ने साइबर सेल में शिकायत दर्ज करा स्थानीय थाने पर शिकायत की है पुलिस ने शिकायत पर आईटी एक्ट की धारा में मुकदमा दर्ज कर कार्यवाई में जुट गई है।

चौक घंटाघर से संडीला और नैमिषारण्य के लिए ई-बसें चलेंगी

लखनऊ से संडीला और नैमिषारण्य के बीच बंद इलेक्ट्रिक बस सेवाएं फिर शुरू होने जा रही हैं। नैमिषारण्य में चार्जिंग स्टेशन के लोकार्पण के बाद दो जोड़ी ई-बसें चलाई जाएंगी। ये बसें घंटाघर चौक से यात्रियों को नैमिषारण्य के लिए मिलेंगी और 121 रुपये किराया देना होगा। इलेक्ट्रिक बसों का दुबग्गा सिटी बस डिपो से नैमिषारण्य समेत चार रूटों पर संचालन शुरू करने की तैयारी है। लखनऊ से सीतापुर स्थित नैमिषारण्य तीर्थस्थल की दूरी लगभग 80 किमी है। ऐसे में ई बसों की चार्जिंग नैमिषारण्य और दुबग्गा डिपो में होगी। ई बसें रोज चार चक्कर लगाएंगी। सिटी ट्रांसपोर्ट के एमडी आरके त्रिपाठी ने बताया कि सभी इलेक्ट्रिक बसों के रूट, समय सारणी और किराया तय पूर्व की भांति रहेगा। यात्री इलेक्ट्रिक बसों के बारे में हेल्पलाइन नंबर 1800-180-5014 पर फोन करके जानकारी ले सकते हैं।

संक्षेप

भक्त प्रहलाद की कथा सुन श्रोता हुए सराबोर

बांगरमऊ, उन्नाव। तहसील क्षेत्र के ग्राम गोशा कुतुब में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के चतुर्थ दिवस रविवार को कथावाचक आचार्य अवधेश कुमार अवस्थी जी ने भक्त प्रहलाद की कथा का वर्णन कर श्रद्धालु भक्तों को परमात्म भक्ति से सराबोर कर दिया। उन्होंने उपदेश दिया कि परमात्मा की शरण में जाने के बाद मानव भय से मुक्त हो जाता है। भागवताचार्य श्री अवस्थी ने बताया कि भगवान पापियों का भी उद्धार कर देते हैं। हिरण्य कश्यप ने अपने राज्य में राम का नाम लेने तक पर पाबंदी लगा रखी थी और उसने रामभक्तों को कारागार में डाल दिया था। फिर भी प्रहलाद की याचना पर भगवान विष्णु ने नृसिंह का रूप धारण कर हिरण्यकश्यप जैसे राक्षस का उद्धार कर दिया और अपने भक्त प्रहलाद को अपनी गोदी में उठा लिया। उन्होंने कथा का रहस्य बताया कि प्रहलाद जीव है और हिरण्यकश्यप माया है। जीव के परमपिता परमात्मा की शरण में पहुंचते ही माया उसे छोड़कर भाग खड़ी होती है। मुख्य यजमान देवी प्रसाद पाठक, बजरंग विहार ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभिषेक पाठक, आशुतोष, मुरारी शुक्ला विष्णु देव त्रिपाठी, कृष्णदेव त्रिपाठी व ललई त्रिपाठी आदि भक्तों ने भगवान नृसिंह की आरती कर प्रसाद ग्रहण किया।

तबादलों पर रोक लगने से अब अधिकारी कर्मचारी भी ले रहे राहत की सांस

बांगरमऊ, उन्नाव। लोकसभा चुनाव का कार्यक्रम घोषित होते ही देश में आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू होने से सरकारी विभागों से जुड़े अधिकारी कर्मचारी भी राहत की सांस ले रहे हैं। क्योंकि आचार संहित हटने तक अब किसी दूसरी जगह ट्रांसफर पोस्टिंग होने का डर नहीं रहेगा। चुनावी कार्यक्रम घोषित होने को लेकर पिछले कई दिनों से लगातार कयासबाजी का दौर चल रहा था, जिसको लेकर क्षेत्र से जुड़े कई अधिकारी कर्मचारी दबी जुबान में जल्द से जल्द आचार संहिता लागू की मन्नत कर रहे थे। हालांकि अगर देखा जाए तो ट्रांसफर पोस्टिंग पर रोक लगने के बाद भी अधिकारी कर्मचारी आंख मूंदकर अपनी मनमानी नहीं चला पाएंगे, क्योंकि शिकायत होने पर निर्वाचन आयोग द्वारा जांच में सच्चाई सामने आने पर ऐसे अधिकारी कर्मचारियों को बख्शा नहीं जाता है।

पंचम दिवस में प्रथम सत्र का किया गया शुभारंभ

बांगरमऊ, उन्नाव। स्थानीय इन्दिरा गान्धी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के कार्यक्रम अधिकारी धर्मेन्द्र कुमार द्विवेदी के नेतृत्व में शिविर के पंचम दिवस प्रथम सत्र का शुभारंभ आज स्वयं सेवकों को ध्यान व योग से कराया गया। बाद में स्वयं सेवकों को अलग अलग समूहों में विभाजित कर उन्हें श्रमदान अभियान से संबंधित कार्य सौंपे गए। स्वयं सेवकों ने महाविद्यालय में लगभग 90 गमलों व महाविद्यालय की सभी क्यारियों को चूना व गेरू से पुताई व सफाई का कार्य किया। द्वितीय सत्र में स्वास्थ्य परीक्षण व चिकित्सा अन्तर्गत स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से डां सतीश कुमार और डां चन्द्र किशोर एवं मुन्ना लाल को टीम ने स्वयं सेवकों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। डॉ सतीश कुमार ने बताया कि शरीर पर सुन्न दाग कुष्ठ रोग का प्रथम लक्षण हैं। लगातार दवा खाने से कुष्ठ रोगी बिलकुल ठीक हो जाता है। कुष्ठ रोग का ईलाज निशुल्क है। डॉ चंद्र किशोर ने सिर में दर्द होने पर ज्यादा मात्रा में पानी पीने की सलाह दी और कद्दू के बीज खाने को बताया। शिविर में महाविद्यालय के कर्मचारी श्रीराम, कन्हैया लाल व जिन्तेद्र कुमार आदि मौजूद रहे।

खम्भो समेत सार्वजनिक स्थानों पर लगी प्रचार सामग्री हटाई गई

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू होते ही तहसील प्रशासन द्वारा नगर पालिका, नगर पंचायतों में आनन फानन में खंबों समेत सार्वजनिक स्थानों पर लगी हुई प्रचार सामग्री को हटाते हुए तहस नहस किया जा रहा है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा चुनाव का कार्यक्रम घोषित करने पर शनिवार से ही तत्काल समूचे देश में आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू हो गई है। इसके बाद कुछ ही देर के भीतर तहसील प्रशासन बांगरमऊ पूरी तरह हरकत में आ गया। नगर पालिका परिषद एवं नगर पंचायतों से जुड़े कर्मचारियों की टीमों का गठन करते हुए उन्हें आनन फानन में रवाना कर दिया गया। उक्त टीमों के साथ स्वयं उपजिलाधिकारी नम्रता सिंह तहसीलदार साक्षी राय, नगर पालिका परिषद बांगरमऊ की अधिशासी अधिकारी मोनिका उमराव, नगर पंचायत गंजमुरादाबाद व फतेहपुर चौरासी के अधिशासी अधिकारी अरविंद सिंह सहित पुलिस विभाग व राजस्व विभाग के साथ ही भ्रमण कर बिजली और टेलीफोन के खंबों समेत सरकारी भवन एवं सार्वजनिक स्थलों पर सियासी पार्टियों से जुड़े. नेताओं द्वारा लगाई हुई प्रचार सामग्री को हटाकर तहस नहस करते हुए अपने कब्जे में कर लिया। आचार संहिता लागू होने के बाद अब परमीशन के बिना कोई भी प्रचार सामग्री लगाई जानी संभव नहीं हो सकेगी, परंतु अगर कोई इस संबंध में मनमानी करता है तो उसके विरुद्ध प्रशासनिक स्तर से संबंधित कार्रवाई की जाएगी। नगर पालिका परिषद बांगरमऊ और नगर पंचायत फतेहपुर चौरासी, गंजमुरादाबाद के अधिशासी अधिकारियों को उपजिलाधिकारी नम्रता सिंह नें निर्देश दिए हैं कि आचार संहिता लागू होने के कारण सार्वजनिक स्थानों पर लगी प्रचार सामग्री को पूर्ण रूप से हटवा दिया जाये। उन्होंने बताया कि अब बैनर, पोस्टर, होर्डिंग लगाने के साथ ही लाउड स्पीकर बजाने से लेकर जनसभा करने और वॉल पेंटिंग को भी परमीशन लिया जाना पूरी तरह जरूरी हो गया है। अगर कोई भी आचार संहिता का उल्लंघन करेगा तो उसके विरुद्ध संबंधित धाराओं में कार्रवाई कराई की जाएगी।

धूमधाम से निकाली खाटू श्याम की शोभायात्रा

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। श्री श्याम परिवार की ओर से रविवार को शहर में श्री खाटू श्याम की परंपरागत निशान यात्रा धूमधाम से निकाली गई। खाटू श्याम की महिमा का गुणगान और जयकारे लगाते सैकड़ों भक्तों ने हिस्सा लिया। रास्ते में कई जगह पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत और पूजन किया गया। बाबा खाटू श्याम की शोभायात्रा बड़ी ही धूमधाम से निकाली गयी। शहर के गांधीनगर स्थित मातादीन मंदिर से शोभायात्रा निकाली गयी। गांधीनगर छोटा चौराहा, बड़ा चौराहा, आईबीपी चौराहा, हरदोई पुल, आवास विकास कॉलोनी होते हुए लखनऊ बाईपास स्थित मां अन्नपूर्णा देवी धाम में संपन्न हुई। यात्रा के दौरान श्याम भक्त नाचते जय श्री श्याम प्रभु का उदघोष लगाते चल रहे थे। श्याम के भजन पर सभी नृत्य कर रहे थे। रविवार को खाटू श्याम की शोभायात्रा निकाली गई। भक्तों ने फूलों और अबीर गुलाल से होली खेली। भजनों पर श्याम भक्त झूमते रहे। गांधी नगर स्थित टेंपो स्टैंड के सामने स्थित मातादीन शाह मंदिर से श्री खाटू श्याम की शोभायात्रा निकाली गई। यात्रा में सैकड़ों श्याम प्रेमी जय श्री श्याम, लखदातार की जय और हारे के सहारे की जयकार लगाते चल रहे थे। नगरवासियों ने भक्तों का स्वागत कर पुष्प वर्षा की। यात्रा गांधी नगर, छोटा चौराहा, सब्जी मंडी, मोतीनगर, आवास विकास होकर श्री पूर्णा धाम मंदिर स्थित श्री खाटू श्याम दरबार में बाबा को निशान समर्पित कर समाप्त हुई। भक्तों की भीड़ के कारण चार किमी की दूरी को तय करने में छह घंटे लगे। यात्रा में श्याम परिवार के अध्यक्ष राजेंद्र जौहरी नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि प्रवीण मिश्रा भानू, मुकुल अग्रवाल, जितेन्द्र दीक्षित, जीतू दीक्षित ,हर्षित अग्रवाल, राजन कश्यप पत्रकार, राजा राजस्थानी, अमित द्विवेदी, सतेंद्र दीक्षित, दुर्गेश गुप्ता, विरजु निगम, रीतू बाजोरिया, बबिता गुप्ता, सुभाषनी साहू, छाया अग्रवाल, रितिका अग्रवाल व कमल मिश्रा आदि शामिल रहे। श्याम परिवार के अध्यक्ष राजेंद्र जौहरी ने बताया कि खाटू श्याम की यात्रा प्रति वर्ष की भाति निकाली जा रही है। फागुन माह की एकादशी को खाटू में श्याम की स्थापना हुई थी। जिसको लेकर एकादशी का विशेष महत्व है। उन्होंने बताया कि जहां-जहां भी खाटू श्याम की प्रतिमा स्थापित है। वहां पर खाटू श्याम की शोभायात्रा निकाली जा रही है।

ट्रेन की चपेट से किशोर की मौत

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। गंगा घाट कोतवाली क्षेत्र के जगनी खेड़ा मोहल्ला निवासी एक किशोर सुबह चंपापुरवा मे रहने वाली अपनी बुआ के घर जा रहा था ऋषि नगर केबिन के पास ट्रेन की चपेट से आने से उसकी मौत हो गई किशोर की मृत्यु पर परिवार में कोहराम मच गया। कानपुर के अस्पताल में मौत होने के चलते पुलिस ने उसका पोस्टमार्टम कराया है। जगनी खेड़ा निवासी बुद्धिलाल निषाद का 15 वर्षीय बेटा कृष्णा निषाद सुबह करीब 9:30 चंपापुरवा मनसुख खेड़ा निवासी अपनी बुआ गीता के घर जा रहा था ऋषि नगर कैबिन के सामने रेलवे लाइन पर करते समय वह ट्रेन की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गया। ट्रेन की टक्कर लगने से घायल होने की सूचना ट्रेन की चालक ने स्टेशन मास्टर को दी। एक्सीडेंट सूचना मिलते ही इसकी जानकारी आरपीएफ जीआरपी को दी गई। मौके पर पहुंचे कर्मियों ने किशोर को रेलवे ट्रेन से हटया और पास ही में गांव होने के चलते और लोगों ने उसकी पहचान कर ली जिस पर उसेकी परिजन भी मौके पर पहुंचे गए। परिजन उसके इलाज के लिए कानपुर उर्सला ले गए। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत्यु घोषित कर दिया। इसके बाद कानपुर पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेजा। कृष्णा की मां की मौत करीब 14 साल पहले हो चुकी थी तीन बहन सुनैना नीलम रो रो कर बुरा हाल हो गया। तीन बहन ने वह इकलौता भाई था बहन नीलम ने बताया कि उसके लिए भाई ही एक सहारा था मां के न रहने के बाद समस्याओं से गुजर रहे थे अब भाई की जाने से दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। और उसके पास मुसीबत के अलावा कुछ भी नहीं बचा है।

वार्षिक महोत्सव में बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुत

बुन्देली राई नृत्य में जमकर बजी तालियां नगद राशि देकर बच्चों को पुरुस्कृत

अमन लेखनी सामाचार

ललितपुर/ललितपुर के ब्लॉक बिरधा के ग्राम बिरारी बस स्टैण्ड चौकी स्थत अंग्रेजी माध्यमिक विद्यालय में अयोजित वार्षिक महोत्सव बड़े धूम धाम से मनाया गया अयोजित वार्षिक महोत्सव में विद्यालय में पड़ने वाले नौनिहालों ने शानदार मंच के माध्यम से सांस्कृतिक कार्यक्रम किया कार्यक्रम में शामिल हुए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी हरिकेश यादव के साथ शिक्षक संगठनों के पदाधिकारियों भाग लिया कार्यक्रम शुरू होने से पहले सभी ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित कर पूजा अर्चना की तत पश्चात बच्चों द्वारा सरस्वती वन्दना प्रस्तुत कर शानदार एक के बाद एक प्रस्तुत कर विद्यालय में उपस्थित लोगों ने कार्यक्रम का आनंद लिया बच्चों द्वारा दी गई बुंदेली मशहूर राई नृत्य में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सहित अन्य शिक्षकों ने बच्चों को नगद राशि देकर सम्मान किया वहीं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी हरिकेश यादव ने अपने उद्बोधन में विद्यालय की प्रशंसा उन्होंने कहा विद्यालय का समस्त स्टाफ बहुत महनत करता है जिससे विद्यालय 94प्रतिशत विद्यालय निपुण हो चुका है ग्राम बिरारी में स्थत अंग्रेजी माध्यमिक विद्यालय की प्रधान अध्यापिका प्रति गुप्ता द्वारा बताया गया मात्र तीन सहायक अध्यापकों के साथ 165बच्चों को शिक्षा दे रही हैं कार्यक्रम के समापन पर कक्षा एक से पांच तक के पड़ने वाले बच्चों द्वारा दी गई प्रस्तुति में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी एवम् संगठन के पदाधिकारियों ने बच्चों को पुरूस्कार दिया कार्य क्रम शामिल हुए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी हरिकेश यादव के साथ संदीप नामदेव, मनीष निरंजन, संगठन महा मंत्री अरुण एवम आलोक श्री वास्तव समस्त एस आर जी एवं ब्लॉक इआरपी अमित बघेल , संदीप नामदेव , मनीष निरंजन, एवं शिव शंकर, चौहान , नीलम जैन राज्य पुरस्कार प्राप्त, सहायक अध्यापिका सुरभि अंजुम, कल्पना श्री वास्तव,कार्य क्रम के समापन के पश्चात प्रधान अध्यापिका प्रीति गुप्ता ने सभी का आभार जताया

खाटू श्याम महोत्सव पर श्याम जागरण का हुआ आयोजन

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। उन्नाव श्री खाटू श्याम महोत्सव पर कलाकारों ने भजन व कीर्तन सुन कर भक्तों को खूब झूमते रहे। श्री श्याम ज्योति प्रचार मंडल समिति के नेतृत्व में आयोजित श्याम महोत्सव के अवसर पर शनिवार की रात राजधानी मार्ग स्तिथ शहनाई लॉन में श्री खाटू श्याम जागरण का आयोजन किया गया। पूरी रात श्रद्धालु ने श्री खाटू श्याम के भजनों और भक्ति सागर मैं गोत लगाकर झूमते रहे। मुंबई से आए भजन गायक प्रमोद त्रिपाठी जयपुर से साक्षी अग्रवाल कानपुर से राजू कुलकर्णी सोनू सुरीले हर्ष गोंडा ने कैसे-कैसे लोग ग्रेट हो गए, दरबार तेरा निराला, मेरे दिल की यही अरमान सांवरे , आता रहूं हर साल सांवरे , हारे का सहारा बाबा श्याम हमारा जैसे अनेक गीत प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को पूरी रात घूमने को मजबूर कर दिया। कलाकारों ने एक से बढ़कर एक भजन सुना कर श्रद्धालुओं को भाव विभोर कर दिया। सुंदर भजनों की प्रस्तुति पर कलाकारों में खूब तालियां श्रद्धालुओं से बजवाई। पूरी रात श्रद्धालु में घूमते रहे। महोत्सव में मुंबई से आए प्रमोद त्रिपाठी ने जब माथ हम किसी बात की चिंता वह आता होगा मैं गोविंद को बुलाया वह आता होगा राधा राधा लाडली राधा राधा स्वामिनी राधा और होली खेलने तो आय मेरे गांव मे भजन सुना कर खूब खूब वाहवाही लूटी। भजन पर श्रद्धालु झूमते रहे । खाटू श्याम के दरबार में लोगों के लिए आकर्षण केंद्र रहा कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिला या पुरुष मौजूद रहे कार्यक्रम को लेकर पुलिस प्रशासन की तरफ से सुरक्षा व्यवस्था को के भी इंतजाम किए गए और मार्ग पर जाम न लगे इसके लिए पुलिस करने की ड्यूटी भी मुस्तैद रही ।

कच्ची कोठरी के गिरने से मलबे के नीचे दबकर महिला की मौत

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के मुस्तफाबाद गांव में एक कच्ची कोठरी गिर गई जिसके अंदर मौजूद महिला दबकर गंभीर रूप से घायल हो गई ग्रामीणों की मदद से उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उसकी मौत हो गई घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल की है महिला का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया जानकारी के अनुसार मुस्तफाबाद गांव के रहने वाले इंद्रपाल अपनी 40 वर्षीय पत्नी इंद्राणी के साथ कच्चे मकान में रहकर गुजर बसर कर रहे बीती शनिवार की देर रात कच्ची कोठरी भरभार कर गिर गई जिसके नीचे इंद्राणी दबकर गंभीर रूप से घायल हो गई चीखने चिल्लाने की आवाज सुनकर मोहल्ले के लोग दौडे. और मिट्टी के ढेर के नीचे दबी इंद्राणी को आनन फानन मे बाहर निकाल। उसके उपचार के लिए सी एच सी ले गए जहां हालत गंभीर होने पर डॉक्टर ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया इमरजेंसी में उपचार के दौरान महिला की मौत हो गई। इंद्रपाल ने बताया कि उन्होने प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए कई बार ग्राम प्रधान से कहां लेकिन उसे आवास नहीं मिला सूचना पर कोतवाली प्रभारी ने घटनास्थल का जायजा लिया है शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। घटना की जानकारी राजस्व के अधिकारियों को दे दी गई है।

मार्ग दुर्घटना में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

अमन लेखनी समाचार

पुरवा, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम एकघरा मजरे फतेहगंज निवासी मुकेश ने प्रार्थना पत्र देते हुऐ बताया कि उसके पिता बाबूलाल दिनांक 5/3 को पुरवा से मजदूरी करके वापस घर जा रहे थे तभी रास्ते मे बसहा तालाब के पास पीछे से आ रही मोटरसाइकिल जो ग्राम अच्छी खेडा मजरा कसरौर निवासी प्रमोद पुत्र सोहन ने लापारवाही से चलाते हुऐ पिता की साईकिल मे टक्कर मार दी थी जिससे पिता के सिर पर गम्भीर चोट आयी थी। आसपास के लोगो द्वारा सूचना मिली जिससे पिता को एम्बुलेंस के द्वारा स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लाये जहाँ गम्भीर हालत होने के कारण जिलाअस्पताल रिफर किया वहाँ से लखनऊ मेडिकल कॉलेज रिफर किया गया जहाँ दिनांक 12/3 को ईलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गयी। कोतवाली प्रभारी ने बताया कि शिकायती पत्र आया है जहाँ मुकदमा पंजीकृत कर छानबीन की जा रही है।

अवैध खनन की खबर से गुस्साए खनन माफिया ने पत्रकार को पीटा

पुलिस घटना की जांच में जुटी

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। अवैध खनन की खबर चलने से गुस्सा आए खनन माफिया ने पत्रकार पर हमला बोल दिया। सब्जी लेने गए पत्रकार को बीच बाजार सरेआम पीट दिया। पुलिस ने पत्रकार की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही शुरू कर दी है। कैसरगंज थाना क्षेत्र के मंगल मेला और गोडहिया नंबर तीन में रात के अंधेरे में अवैध खनन का कारोबार किया जा रहा था। अवैध खनन की खबर चलने से नाराज खनन माफिया ने सब्जी लेने बाजार गए पत्रकार सुनील गुप्ता को पीटना शुरू कर दिया।

लोगों के पहुंचने पर खनन माफिया भाग गए और पत्रकार को गोली से मार देने की धमकी भी दी। पत्रकार की तहरीर कैसरगंज पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। प्रभारी निरीक्षक कैसरगंज राजनाथ सिंह ने बताया कि घटनास्थल पर सीसीटीवी कैमरा लगा हुआ है। सीसीटीवी कैमरे की जांच कराई जा रही है। पत्रकार प्रेस एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष बृजेश पाठक ने पत्रकार पर हमले की निंदा करते हुए कहा कि खनन माफिया के विरुद्ध गुंडा एक्ट और गैंगस्टर की कार्रवाई की मांग की है।

कंचन कान्वेंट स्कूल में परीक्षाफल पाकर झूम उठे विद्यार्थी

सभी सफल प्रतिभागियो को किया गया पुरस्कृत

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। स्थानीय कंचन कान्वेंट स्कूल में वार्षिक परीक्षा फल का वितरण किया गया। जिसमें सभी सफल छात्र-छात्राओं को शील्ड व मेडल देकर विद्यालय प्रबंधक की ओर से पुरस्कृत किया गया। वार्षिक परीक्षा फल में मोहम्मद बिलाल, रिया मौर्या, नुजहत, जानवी, श्वेता, आयशा खातून, निशा बेगम, अलशिफा, आतिफ, आमना जिया, आराध्या चौधरी, अंजलि यादव सहित सभी छात्र छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। सभी सफल प्रतिभागियों को विद्यालय की उप निदेशक संगीता श्रीवास्तव, डिप्टी डायरेक्टर अगम स्वरूप श्रीवास्तव ने मेडल देकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस मौके पर एसके सिंह, विजय मिश्र, रंजीत सिंह, मोहम्मद माजिद, अबरार, नसीब, प्रदीप श्रीवास्तव, पवन सिंह, राजेश मिश्रा, उमा शंकर यादव, आदित्य सिंह, मालती सिंह, साक्षी सिंह, वारिशा, क्षमा सिंह शीबा, नेहा, आयशा फातिमा आदि मौजूद रहे।

173 शीशी नेपाली शराब व 20 लीटर कच्ची शराब के साथ एक गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

रुपईडीहा, बहराइच। पुलिस अधीक्षक वृन्दा शुक्ला द्वारा अपराध की रोकथाम एवं अपराधियो की गिरफ्तारी व मादक पदार्थ/शराब की तस्करी पर रोकथाम के सम्बन्ध मे चलाये जा रहे अभियान के अनुक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण डा0 पवित्र मोहन त्रिपाठी व क्षेत्राधिकारी नानपारा राहुल पाण्डेय के निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक रूपईडीहा शमशेर बहादुर सिंह के कुशल नेतृत्व में गठित पुलिस टीम उपनिरीक्षक अशोक कुमार कुमार मय हमराह पुलिस बल व एसएसबी बल द्वारा बीते रविवार को समय 11:15 बजे पिलर संख्या 656/01 के पास भारतीय क्षेत्र से एक नफर अभियुक्त बराती लाल पुत्र रतन निवासी ग्राम जियागाव, परगहवा थाना रूपईडीहा, उम्र करीब 55 वर्ष को 173 शीशी कणार्ली सौफी शराब गोल्ड कुल 51.9 लीटर व 20 लीटर कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। जिसके सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज करते हुए गिरफ्तार अभियुक्त को जेल भेज दिया गया।

विद्या भारती अवध प्रांत द्वारा संस्कार केंद्र शिक्षा शिविर का हुआ आयोजन

अमन लेखनी समाचार

रूपईडीहा, बहराइच। नगर पंचायत रुपईडीहा स्थित सरस्वती विद्या मंदिर में विद्या भारती अवध प्रांत द्वारा आयोजित सेवा क्षेत्र की शिक्षा के अंतर्गत जनपदीय संस्कार केंद्र शिक्षा शिविर का आयोजन किया गया। जिसके उद्घाटन सत्र में योगेश जी सेवा शिक्षा संयोजक पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र, राघव जी सेवा शिक्षा सहसंयोजक पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र, प्रबंधक डॉ उमाशंकर वैश्य अध्यक्ष नगरपंचायत रुपईडीहा, दिनेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष राधेश्याम शर्मा, प्राचार्य अनुज सिंह, नगर अधिशासी रुपईडीहा अधिकारी रंग बहादुर सिंह सहित कार्यक्रम में जिला बहराइच के सभी संस्कार केंद्र प्रमुखों के साथ भैय्या/बहन और रुपईडीहा विद्यालय द्वारा संचालित 5 संस्कार केंद्र प्रमुख बहनें उपस्थित रहीं। आयोजन मे सहभागी विद्यार्थियों की संख्या 56 रही। इस दौरान विविध प्रकार की प्रतियोगिताओं जैसे भाषण, कला, गीत का आयोजन किया गया। प्रारंभ में दीप प्रज्वलित कर सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गयी तत्पश्चात परिचय प्राचार्य के द्वारा कराया गया। कार्यक्रम में भैय्या/बहनों को योगेश जी का स्नेहिल मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संचालन आचार्य अनिल शर्मा संस्कार केंद्र प्रमुख द्वारा किया गया। प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले भैय्या/बहनों को अतिथियों द्वारा पुरूस्कार प्रदान कर कार्यक्रम का समापन किया गया। इस दौरान सभी आचार्य बंधु मनीष तिवारी, कमलेश पाठक, मनमोहन मिश्रा, हिमांशु सिंह आदि उपस्थित रहे।

चिंतन

सीएए पर बंद हो विपक्ष की तर्कहीन राजनीति

भारत नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) पर सरकार के स्टैंड को स्पष्ट कर गृहमंत्री अमित शाह ने इस मुद्दे पर हो रही विपक्ष की तर्कहीन राजनीति पर विराम लगाने की कोशिश की है। जबसे सरकार ने सीएए पर अधिसूचना जारी की है, देश में इसको लेकर विपक्ष की राजनीति तेज हो गई है। इस अधिसूचना की टाइमिंग पर भी सवाल उठ रहा है। विपक्ष सरकार को इस बात को लेकर घेर रहा है कि आखिर पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश से आए मुस्लिम शरणार्थियों को नागरिकता देने से वंचित क्यों किया जा रहा है? अगर भारत संवैधानिक रूप से धर्मनिरपेक्ष है तो नागरिकता देने में धर्म के आधार पर भेद क्यों होगा? दरअसल, यह सरकार का अधिकार है कि वह किसे नागरिकता दे या किसे नहीं दे। इसलिए सरकार के विशेषाधिकार पर सवाल का कोई मतलब नहीं है। यह विश्व के हर देश का मौलिक अधिकार है कि वह अपने हिसाब से नागरिकता कानून बनाए। भारत में इस संशोधित कानून के पीछे सरकार का तर्क है कि चूंकि पाकिस्तान, बांग्लादेश व अफगानिस्तान में अल्पसंख्यक हिंदू, ईसाई, सिख, पारसी, जैन, बौद्ध आदि लगातार प्रताड़ित व उत्पीड़ित रहे हैं, इसलिए इनके लिए भारत एक स्वाभाविक देश होने के नाते वे यहां शरणार्थी बनकर रह रहे हैं, ऐसे में भारत सरकार का दायित्व है कि वह उन्हें कानूनी रूप से अपनाए और नागरिकता दे। भारत एक तरह से उनके लिए अपना फर्ज अदा कर रहा है। सीएए लागू होने के बाद वर्ष 1947 से लेकर वर्ष 2014 तक पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से आए अल्पसंख्यक, जो भारत में शरणार्थी बन कर रहे हैं, उन्हें सरकार नागरिकता देगी। ऐसे करीब छह लाख शरणार्थी भारत में रह रहे हैं। इससे ऐसे नागरिकों का लीगल स्टेटस साफ होगा। मुस्लिमों को इससे अलग रखने का उद्देश्य साफ है कि भारत का बंटवारा ही धर्म के आधार पर हुआ था, उस वक्त मुस्लिमों का फैसला था कि उन्हें हिंदुओं के साथ नहीं रहना है, इसलिए अलग मुल्क चाहिए। और तब मुस्लिमों ने अपने लिए पाकिस्तान बनाया था। आज भारत से अलग पाकिस्तान व बांग्लादेश दो इस्लामिक देश हैं, जहां मुस्लिम बहुसंख्यक हैं, अफगानिस्तान भी मुस्लिम बहुसंख्यक राष्ट्र है, ये मुस्लिमों के लिए स्वाभाविक राष्ट्र हैं, यहां मुस्लिम उत्पीड़ित नहीं हैं, ऐसे में अगर इन देशों से मुस्लिम अगर भारत आए हैं, तो वे उत्पीड़न के कारण नहीं बल्कि अलग मकसद से भारत में हैं, इसलिए इनके लिए नागरिकता का आसान मार्ग प्रशस्त करना जोखिमपूर्ण है। गृहमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया है कि सीएए मुस्लिमों के खिलाफ नहीं है। देश में रह रहे कोई भी मुस्लिम शरणार्थी अगर भारत की नागरिकता के लिए आवेदन करेगा तो, सरकार इस पर गंभीरता से विचार करेगी। नागरिकता संशोधन कानून का कोई भी प्रावधान संविधान का उल्लंघन नहीं करता है। संविधान का अनुच्छेद 11 संसद को नागरिकता से संबंधित नियम बनाने की सारी ताकत देता है। देश में भारतीय नागरिकता सुनिश्चित करना सरकार का संप्रभु अधिकार है। सीएए लागू होने से तुष्टिकरण की राजनीति पर भी विराम लगेगा। चूंकि देश अवैध घुसपैठ और सीमा पार के इस्लामिक आतंकवाद का सामना कर रहा है, इसलिए पाक, बांग्लादेश व अफगानिस्तान से आए मुस्लिमों को नागरिकता देने में अति सतर्कता जरूरी है, यह भारत सरकार का दायित्व भी है। सीएए पर विपक्ष की राजनीति सेल्फ गोल की तरह है, जो उसे तुष्टिकरण के कटघरे में खड़ा करेगी। सीएए का विरोध सरकार के संवैधानिक अधिकार पर हमला है।

ईएफटीए से फ्री टेड समझौते अहम

विश्लेषण
डॉ. जयंतीलाल भंडारी

भारत और चार यूरोपीय देशों के समूह यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन (ईएफटीए) ने निवेश और वस्तुओं एवं सेवाओं के दोतरफा व्यापार को बढ़ावा देने के लिए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए हैं। नि:संदेह वर्तमान वैश्विक मंदी और इजराइल-फिलिस्तीन युद्ध, रूस-यूक्रेन युद्ध के मद्देनजर भारत के लिए यह सबक उभरकर दिखाई दे रहा है कि निर्यात बढ़ाने के लिए ईएफटीए के बाद अब अन्य विभिन्न देशों के साथ एफटीए वार्ताओं की गति बढ़ाई जाए। ईएफटीए देशों के साथ किया गया नया समझौता भी निर्यात व वैश्विक व्यापार बढ़ाने में मील का पत्थर साबित होगा। इससे देश से निर्यात बढ़ेंगे।

हाल ही में 10 मार्च को भारत और चार यूरोपीय देशों के समूह यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन (ईएफटीए) ने निवेश और वस्तुओं एवं सेवाओं के दोतरफा व्यापार को बढ़ावा देने के लिए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए हैं। इसे व्यापार और आर्थिक समझौता (टीईपीए) कहा गया है। गौरतलब है कि मुक्त व्यापार समझौता दो या दो से अधिक देशों के बीच एक ऐसी व्यवस्था है जहां वे साझेदार देशों से व्यापार की जाने वाली वस्तुओं पर सीमा शुल्क को खत्म कर देते हैं या कम करने पर सहमत होते हैं। इन संधियों के अंतर्गत 10 से 30 विषय शामिल होते हैं। दुनिया में 350 से अधिक एफटीए वर्तमान में लागू हैं और भारत के द्वारा ईएफटीए देशों के साथ जो एफटीए किया है, वह दुनिया में अहम माना जा रहा है। 2022-2023 के दौरान ईएफटीए देशों को भारत का निर्यात 1.92 अरब डॉलर रहा था। वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान इन देशों से भारत का कुल आयात 16.74 अरब डॉलर था। यानि व्यापार घाटा 14.82 अरब डॉलर हुआ था।

नए एफटीए के तहत ईएफटीए ने अगले 15 साल में भारत में 100 अरब डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है। यह भारत का ऐसे समूह के साथ पहला व्यापार करार है, जिसमें विकसित देश शामिल हैं। ईएफटीए के सदस्य देशों में आइसलैंड, स्विट्जरलैंड, नॉर्वे और लिकटेंस्टाइन शामिल हैं। इस समझौते में 14 अध्याय हैं। इनमें वस्तुओं के व्यापार, उत्पत्ति के नियम, शोध एवं नवाचार, बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर), सेवाओं का व्यापार, निवेश प्रोत्साहन और सहयोग, सरकारी खरीद, व्यापार में तकनीकी बाधाएं और व्यापार सुविधा शामिल है। जिससे भारत में 10 लाख प्रत्यक्ष नौकरियां निर्मित होगी। इस समझौते में व्यापार से ज्यादा निवेश पर जोर दिया गया है और भारत में इस समय निवेश के बेहतरीन मौके है।

गौरतलब है कि इन चार यूरोपीय देशों से होने वाले भारत के कुल व्यापार में स्विट्जरलैंड की हिस्सेदारी 90 प्रतिशत से अधिक है तथा बाकी की हिस्सेदारी में अन्य तीनों देश शामिल है। इस समझौते से डिजिटल व्यापार, बैंकिंग, वित्तीय सेवा, फार्मा, टेक्सटाइल जैसे सेक्टर में इन चार देशों के बाजार में भारत की पहुंच आसान होगी। इसके बदले में भारत भी इन देशों की विभिन्न वस्तुओं के लिए अपने आयात शुल्क को कम करेगा। यद्यपि कृषि, डेयरी, सोया व कोयला सेक्टर को इस व्यापार समझौते से दूर रखा गया है साथ ही प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) स्कीम से जुड़े सेक्टर के लिए भी भारतीय बाजार को नहीं खोला गया है। यह भी महत्वपूर्ण है कि ग्रीन व विंड एनर्जी, फार्मा, फूड प्रोसेसिंग, केमिकल्स के साथ उच्च गुणवत्ता वाली मशीनरी के क्षेत्र में ईएफटीए देश भारत में निवेश करेंगे जिससे इन सेक्टर में हमारा आयात भी कम होगा और भारतीय उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ाने में मदद मिलेगी। इस समझौते से भारतीय निर्यातकों के लिए यूरोप के बड़े बाजार में पहुंच आसान हो जाएगी। इस समझौते में स्विट्जरलैंड के शामिल होने से भारत में लोकप्रिय स्विटजरलैंड के चॉकलेट्स, घड़ी व बिस्कुट भारतीय बाजार में पहले की तुलना में कम

कीमत पर मिलेंगे। समझौते के मुताबिक इन दोनों ही वस्तुओं पर लगने वाले वर्तमान के आयात शुल्क को अगले सात साल में चरणबद्ध तरीके से समाप्त करना है, इसलिए हर साल शुल्क में थोड़ी-थोड़ी कटौती होती रहेगी। इसमें कोई दो मत नहीं है कि इस समझौते से भारत के साथ ईएफटीए देशों को वृद्धि के लिए भारत के बड़े बाजार तक पहुंच मिली है। भारतीय कंपनियां भी अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं को अधिक जुझारू बनाते हुए उनमें विविधता लाने का प्रयास करेंगी। दूसरी तरफ भारत को ईएफटीए से अधिक विदेशी निवेश मिलेगा। इससे अंततः अच्छी नौकरियों में वृद्धि होगी। कुल मिलाकर भारत को अपनी आर्थिक क्षमता का बेहतर इस्तेमाल करने और रोजगार के अतिरिक्त अवसर पैदा करने में औश्र सहायता मिलेगी।'

उल्लेखनीय है कि भारत और ईएफटीए देश व्यापार और निवेश समझौते पर 15 साल से भी लंबे समय से बातचीत कर रहे थे। करीब 13 दौर की वार्ता के बाद 2013 के अंत में इस पर बातचीत रुक गई थी। इसके बाद 2016 में फिर से वार्ता शुरू हुई और चार दौर की बातचीत के बाद अब यह समझौता धरातल पर आया है। वस्तुतः भारत-ईएफटीए, व्यापार समझौता एक मुक्त, निष्पक्ष और समानता वाले व्यापार के प्रतिबद्धता का प्रतीक है। इसके जरिये भारत और ईएफटीए देश आर्थिक रूप से एक दूसरे के पूरक बन जाएंगे। ज्ञातव्य है कि ईएफटीए देश यूरोपीय संघ (ईयू) का हिस्सा नहीं है। यह मुक्त व्यापार को बढ़ावा देने और तेज करने के लिए एक अंतर सरकारी संगठन है। इसकी स्थापना उन देशों के लिए एक विकल्प के रूप में की गई थी जो यूरोपीय समुदाय में शामिल नहीं होना चाहते थे। इसमें कोई दो मत नहीं कि इस समय भारत वैश्विक नेतृत्व कर्ता देश के रूप में उभरकर दिखाई दे रहा है। ऐसे में दुनिया के कई विकसित और विकासशील देश भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते करने के लिए उत्सुक है। दुनिया यह देख रही है कि भारत सबसे तेज अर्थव्यवस्था के साथ आर्थिक विकास की डगर पर तेजी से बढ़ रहा है। भारतीय अर्थव्यवस्था को आर्थिक पंख लगे हुए दिखाई दे रहे हैं। यहां यह भी महत्वपूर्ण है कि अब नए मुक्त व्यापार समझौते भारत को निम्न मध्यम से उच्च मध्यम आय वाला देश बनाने में बड़े मददगार होंगे।

निःसंदेह वर्तमान वैश्विक मंदी और इजराइल-फिलिस्तीन युद्ध, रूस-यूक्रेन युद्ध के मद्देनजर भारत के लिए यह सबक उभरकर दिखाई दे रहा है कि निर्यात बढ़ाने के लिए ईएफटीए के बाद अब अन्य विभिन्न देशों के साथ एफटीए वार्ताओं की गति बढ़ाई जाए। साथ ही देश में विशेष आर्थिक क्षेत्रों (सेज) की नई भूमिका, मेक इन इंडिया अभियान की सफलता और उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के उपयुक्त क्रियान्वयन पर पूर्ण ध्यान देकर निर्यात के संभावित मौकों को मुट्ठियों में लिया जाए। हम उम्मीद करें कि भारत निर्यात बढ़ाने के मद्देनजर जिस तरह से ऑस्ट्रेलिया व यूएई के साथ किए गए एफटीए लाभप्रद सिद्ध हो रहे हैं। उसी तरह ईएफटीए देशों के साथ किया गया नया समझौता भी निर्यात व वैश्विक व्यापार बढ़ाने में मील का पत्थर साबित होगा। इससे देश से निर्यात बढ़ेंगे और बड़े पैमाने पर रोजगार के नए अवसरों का निर्माण होगा।

हम उम्मीद करें कि ईएफटीए के बाद अब भारत के द्वारा ओमान, ब्रिटेन, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका, अमेरिका, इजरायल, भारत गल्फ कंट्रीज काउंसिल और यूरोपीय संघ के साथ भी एफटीए को शीघ्रतापूर्वक अंतिम रूप दिया जा सकेगा। हम उम्मीद करें कि देश मुक्त व्यापार समझौतों की ताकत के साथ आगे बढ़ेगा साथ ही देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देशों के अनुरूप तैयार की गई विकसित भारत:2047 की विस्तृत कार्य योजना के एजेंडे पर 8 से 9 फीसदी विकास दर के साथ विकसित भारत की डगर पर भी तेजी से आगे बढ़ेगा।

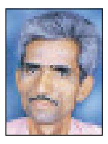

कृष्ण प्रताप सिंह

कांशीराम ने दलितों-बहुजनों के लिए नई जमीन तोड़ी

बहुजनों के राजनीतिक एकीकरण और दलितों के स्वाभिमान के संघर्षों में समूचा जीवन खपा देने वाले कांशीराम को देश के दलित आन्दोलन की बाबासाहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के बाद की सबसे महत्वपूर्ण शख्सियत माना जाता है। उत्तर भारत की बात करें तो वहां तो वे उसकी इकलौती-कहना चाहिए, सबसे बड़ी-प्रेरणा हुआ करते थे। उनके इस संसार को अलविदा कहने का यह अठारहवां साल है। नौ अक्टूबर, 2006 को, जब वे 72 वर्ष के थे। आज उनकी अनुपस्थिति में उनके व्यक्तित्व व कृतित्व का पुनरावलोकन करें, तो लगता है कि उन्हें संघर्षों में सक्रियता के आरंभ से ही दलित आन्दोलन में अपनी महत्वपूर्ण स्थिति का भान था। इस जिम्मेदारी का भी कि उन्हें पुरानी लकीर पीटने के बजाय आगे की सोचना और लगातार नई जमीन तोड़ते रहकर आन्दोलन को आगे ले जाना है, इसीलिए उनके अनुयायी उन्हें उनके जीते जी ही 'साहेब' और 'मान्यवर' आदि बनाने लगे तो उन्होंने अपने और बाबासाहब के बीच का फर्क बताते हुए कहा था कि बाबासाहेब किताबें इकट्ठा किया करते थे, लेकिन मैं लोगों को इकट्ठा करता हूं। एक बार लोगों को इकट्ठा करने का काम हाथ में लेने के बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। शायद इसलिए कि उनके दिल व दिमाग में साफ था कि उन्हें आगे क्या करना है। 1934 में 15 मार्च को यानी आज के ही दिन पंजाब के रोपड़ जिले के खवासपुर नामक

गांव में रमदसिया नामक दलित समुदाय में पैदा होने के बाद 1957 तक उन्होंने बीएससी की पढ़ाई पूरी कर ली थी और महाराष्ट्र में पुणे स्थित डिफेंस रिसर्च ऐंड डेवलपमेंट आर्गनाइजेशन (डीआरडीओ) की एक्सप्लोसिव लैब में असिस्टेंट साइंटिस्ट बन गए थे। इस लैब के प्रबन्धन ने अचानक बाबासाहब आंबेडकर व गौतम बुद्ध की जयंतियों की छुट्टियां रद कर दीं तो उन्होंने इसे दलितों के लिए बहुत अपमानजनक मानकर उनकी बहाली के लिए संघर्ष छेड़ दिया और उसे सफलता की मंजिल तक पहुंचाया। आगे चलकर तो प्रतिज्ञा ही कर डाली कि न शादी करेंगे, न अपने पास सम्पत्ति रखेंगे और फुले-आंबेडकर आंदोलन के लक्ष्य हासिल करने के लिए अपनी पूरी जिंदगी समर्पित कर देंगे। इस प्रतिज्ञा को निभाने के लिए उन्होंने डीआरडीओ की अपनी छह साल पुरानी नौकरी एक झटके में छोड़ दी और रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के लिए काम करने लगे। कुछ साल बाद उसकी रीति-नीति से मोहभंग हुआ तो बैकवर्ड माइनारिटीज कम्युनिटीज इम्प्लॉइज फेडरेशन (बामसेफ) गठित कर देशभर में उसे फैलाने में लग गए। 1981 में दलित शोषित समाज संघर्ष समिति यानी डीएस-4 भी बनाई। अंततः इस मान्यता के तहत कि दलित आन्दोलन राजनीतिक जमीन के बिना नहीं पनप सकता, उन्होंने 14 अप्रैल, 1984 को बहुजन समाज पार्टी बनाई और जब तक सक्रिय रह सके, उसके नारों व नैतिकताओं को अन्य पार्टियों से अलग रखा। कहते रहे कि जब तक दलित राजनीति में सफल नहीं होंगे और उनके हाथों में शक्ति नहीं होगी, सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन संभव नहीं होंगे, क्योंकि राजनीतिक शक्ति ही उनकी कुंजी है। नवें दशक के उत्तरार्द्ध में उन्होंने देश के सबसे ज्यादा जनसंख्या वाले राज्य उत्तर प्रदेश को अपनी राजनीतिक प्रयोगशाला बनाया, तो इस हद तक सफल हुए कि देश ने अपना पहला दलित महिला मुख्यमंत्री पा लिया। उन्हीं दिनों उन्होंने राजनीति का अनूठा 'पलटीमार दर्शन' भी सामने रखा, जिसमें सारा जोर इस पर था कि सत्ता की चाभी बहुजनों के हाथ देने के लिए वे किसी भी उपलब्ध रास्ते या साधन के उपयोग से हिचकिचाएंगे नहीं। उन्हें उनकी प्रखरता के साथ ही दृढ़ता के लिए भी जाना जाता है

मुंह के मौन से ज़्यादा ज़रूरी 'मन का मौन'

संकलित
दर्शन

राजयोगी ब्रह्मकुमार निकुंज जी। हम सभी मनुष्य जन्मते ही अपना मुख चलाना शुरू कर देते हैं, जिसका प्रमाण है जन्म लेते ही शिशु का रोना। बोलना हमारी स्वाभाविक क्रिया है, जो हमें करनी ही पड़ती है। यह बात और है कि कभी-कभी बाहर के शोर में हम इतने खो जाते हैं कि ईश्वर का स्वर हमें सुनाई ही नहीं पड़ता। इसीलिए ही महापुरुषों से हमें एक उत्तम राय मिलती है कि सप्ताह में या माह में एक दिन अवश्य मौन रहें, परंतु हम मुख को तो बंद कर लेते हैं, परंतु हमारे मन का बोलना बंद नहीं हो पाता। इसलिए ही तो अधिकतर डाक्टर सभी मरीजों को कहते हैं कि 'अपने मन को ज्यादा नहीं चलाओ।' अर्थात 'मन का मौन' करो। कहते हैं कि बिना हड्डी की जीभ जब बोलने लगती है, तो कइयों की हड्डियां तोड़ देती है। इसीलिए तो हमें यह बचपन से सिखाया जाता है कि पहले सोचो फिर बोलो, क्योंकि जैसे कमान से निकला हुआ तीर वापस नहीं आता, ठीक उसी तरह मुख से निकला हुआ वचन भी वापस नहीं लिया जा सकता। इसका सबसे श्रेष्ठ उदहारण है महाभारत की कथा, जिससे हमें यह सीख मिलती है कि कैसे एक जुबान के फिसलने से संकटकाल का निर्माण हो गया। इसीलिए 'कम बोलें-धीरे बोलें-मीठा बोलें।' हम जब भी कुछ बोलें तो हमारे वचन दूसरों के लिए सुखदायी हों, न कि कांटा चुभाने वाले दुखदायी। संसार में ऐसे अनेक लोग हैं जिन्होंने कटु वचन बोलने के संस्कार के कारण अपने संबंधों में खटास पैदा कर ली है।

पैसा, सेहत और ज्ञान से जुड़े कामों में देर न करें

संकलित
प्रेरणा

एक दिन श्रीकृष्ण उद्धव की भेंट हुई तो श्रीकृष्ण ने उद्धव को एक ब्राह्मण की कहानी सुनाई। श्रीकृष्ण ने बताया कि एक ब्राह्मण ने खेती और व्यापार करके खूब धन कमाया था। वह धनी था, वह बहुत ही कंजूस भी था। धन आया तो उसका मन गलत कामों में लग गया, वह लालची भी था। बुरी आदतों के साथ ही उसे अहंकार भी हो गया, बात-बात पर वह गुस्सा करने लगा। अपने मित्रों से और रिश्तेदारों से भी ठीक से व्यवहार नहीं करता था। ब्राह्मण के व्यवहार की वजह से उसके घर-परिवार के लोग और मित्र लोग दुखी रहने लगे। वह धनी था, लेकिन और धन कमाना चाहता था। कंजूस इतना था कि वह अपने ऊपर भी खर्च नहीं करता था, लेकिन समय के साथ धीरे-धीरे उसका धन खर्च होने लगा। कुछ धन उसके घर-परिवार वालों ने ही छीन लिया। कुछ चोरी हो गया। कुछ चीजें अपने आप नष्ट हो गई। धनी ब्राह्मण का बुरा समय शुरू हुआ तो उसे व्यापार में भी नुकसान हो गया। इसी तरह कुछ ही दिनों में उसका पूरा धन बर्बाद हो गया। अब वह गरीब हो गया तो किसी ने उसकी मदद नहीं की। गरीबी के दिनों में उस ब्राह्मण को अपनी गलतियां याद आने लगीं। वह सोचने लगा कि उसने कभी भी किसी पर धन खर्च नहीं किया। घर-परिवार के लोगों से और मित्रों से बुरा व्यवहार किया। अब मेरी कोई मदद नहीं कर रहा है, ये सब मेरे ही कर्मों का फल है। मैंने कभी भी अपने धन का सही उपयोग नहीं किया।

अंतर्मन

आज की पाती

स्वच्छ भारत अभियान क्यों कामयाब नहीं?

कुछ महीने पहले यह सामने आया कि स्वच्छता सर्वेक्षण 2023 में इंदौर ने सातवीं बार स्वच्छता के मामले में नंबर वन की श्रेणी हासिल की है। लेकिन कुछ राज्य अभी भी स्वच्छता केमामले में फेल ही पाए जा रहे हैं, जबकि स्वच्छता कायम करना कोई इतना बड़ा या कठिन काम भी नहीं है कि स्वच्छ भारत अभियान को देश का हर राज्य कामयाब न बना सके। दो अक्तूबर 2014 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महात्मा गांधी के स्वच्छता के सपनों को पूरा करने के लिए स्वच्छ भारत अभियान चलाया था।

- सुरेश बंसल, भाटापारा

ट्रेंड

जोखिम कम करने की जरूरत

ऐसे युग में जहां प्रदूषण और जलवायु संकट तेजी से बच्चों के स्वास्थ्य को खतरे में डाल रहा है, इन जोखिमों को प्रभावी ढंग से पहचानने और कम करने के लिए स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को आवश्यक ज्ञान और संसाधनों से लैस करना आवश्यक है।

-टेड्रोस, डब्ल्यूएचओ महानिदेशक

विश्व नेताओं से मुलाकात

मैं ग्लोबल बाकू फोरम में भाग लेने के लिए अज़रबैजान पहुंचा। वर्तमान और पूर्व राष्ट्रपतियों और प्रधानमंत्रियों, कई संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों के प्रमुखों और विद्वानों सहित 100 से अधिक विश्व नेता भाग ले रहे हैं। क्या बढ़िया पल है!

-कैलाश सत्यार्थी, नोबेल विजेता

मुंबई टीम को बधाई

मुंबई क्रिकेट एसोसिएट को अपनी 42वीं रणजी ट्रॉफी जीतने पर बहुत-बहुत बधाई। विदर्भ के लचीलेपन ने मजा बढ़ा दिया, खासकर करुण, अक्षय और हर्ष ने, जिन्होंने बहुत अच्छी बल्लेबाजी की और मैच को बहुत दिलचस्प बना दिया।

-सचिन तेंदुलकर, क्रिकेटर

महिला को महालक्ष्मी माना

देश की हर गरीब महिला को 'महालक्ष्मी योजना' बहुत ध्यान से समझने की ज़रूरत है। कांग्रेस ने हर गरीब परिवार की एक महिला को महालक्ष्मी मान कर उनके खाते में साल के एक लाख रुपये डालने का संकल्प लिया है।

-राहुल गांधी, कांग्रेस सांसद

करंट अफेयर

आमतौर पर नर जानवर मादाओं से बड़े होते हैं

नर मादाओं से बड़े होते हैं, है ना? आम तौर पर, यह मनुष्यों के बारे में सच है। यह पालतू जानवरों जैसे बिल्लियों और कुत्तों, और भेड़ और गायों जैसे पशुधन सहित अन्य परिचित स्तनधारियों के बारे में भी सच है। एक नए अध्ययन में पाया गया कि कई स्तनपायी प्रजातियों में, नर मादाओं से बड़े नहीं होते हैं। वास्तव में, 429 जंगली प्रजातियों की तुलना में, कृंतकों और कुछ चमगादड़ों सहित 50 प्रतिशत प्रजातियों - जो सभी स्तनपायी प्रजातियों का एक बड़ा हिस्सा हैं - ने लिंगों के बीच शरीर के आकार में कोई अंतर नहीं दिखाया। नर का बड़ा होना केवल 28 प्रतिशत स्तनपायी प्रजातियों में पाया गया था। तो, बहुत से लोगों को यह ग़लतफ़हमी क्यों है कि नर आम तौर पर मादाओं से बड़े होते हैं?

ऑफ बीट

ऑस्ट्रिया के रूसी दूतावास से दो राजनयिक निष्कासित

ऑस्ट्रिया ने कहा कि उसने राजधानी विएना में स्थित रूसी दूतावास के दो राजनयिकों को देश छोड़ने का आदेश दिया है। एक ऑस्ट्रियाई अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दोनों राजनयिकों को जासूसी गतिविधियों में शामिल होने के चलते निष्कासित किया गया है। विदेश मंत्रालय ने एक संक्षिप्त बयान जारी कर बताया कि रूस के दो राजनयिक पद पर रहते हुए असंगत कृत्य में शामिल थे, इसलिए उन्हें निष्कासित किया गया है। उन्होंने राजनयिकों या उनके कथित कार्यों के बारे में कोई और विवरण नहीं दिया। राजनयिकों ऑस्ट्रिया छोडने के लिए 19 मार्च तक का समय दिया गया है।

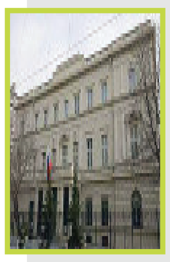

संक्षेप

अमेठी में दो नाबालिग लड़कियां हुईं गायब

परिवार के साथ रह रहे युवक पर भगा ले जाने का आरोप, मुकदमा दर्जकर जांच में जुटी पुलिस

अमेठी जिला, कानपुर शहर से अमेठी आकर अपने परिवार के साथ रह रहा युवक दो नाबालिग लड़कियों को लेकर फरार हो गया। एक साथ दो नाबालिग लड़कियों के गायब होने के बाद परिवार में हड़कंप मच गया। आनन फानन में परिजनों ने मामले की शिकायत पुलिस को दी, जिसके बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू की है। फिलहाल बेटियों का सुराग अभी नहीं लग पाया है। मामला गौरीगंज कोतवाली क्षेत्र के कौहार गांव का है। गांव के रहने वाले ओमप्रकाश की बेटी (14) और ओमप्रकाश के बहन की बेटी (8) वर्ष घर में पढ़ाई कर रही थी। इसी बीच कानपुर के रहने वाले प्रधाननाथ बंगाली इन दो बेटियों को लकड़ी काटने के बहाने अपने साथ लेकर फरार हो गया। आपको बता दें कि ओम प्रकाश सरोज की पत्नी अपने बच्चे की दवा लाने के लिए बाजार गई थीं, लेकिन जब ओम प्रकाश की पत्नी बाजार से लौट कर आईं तो उनकी बेटी और उनके बहन की बेटी दोनों गायब थीं। जिसके बाद काफी खोजबीन करने के बाद जब दोनों बेटियों का पता नहीं चल सकता तो परिवार ने प्रधाननाथ पर बेटियों को बहला फुसलाकर कर ले जाने का आरोप लगाया। परिवार ने शिकायत करते हुए बेटियों को ले जाने के साथ घर से करीब 8 हजार रुपए कि नकदी भी गायब होने का आरोप लगाया। परिवार ने पुलिस से शिकायत कर बेटियों को सुरक्षित वापस करने के लिए गुहार लगाई है। आपको बता दें कि जिस पर बेटियों को ले जाने का आरोप है, वह आरोपी प्रधाननाथ 7 साल पहले अपने परिवार के साथ यहां रहने के लिए आया था।

अयोध्या में कोटेदार की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

गोली मारे जाने की सूचना पर पहुंची पुलिस, एसएचओ बोले– बाइक से गिरने पर हुआ हादसा

मिल्कीपुर, अयोध्या में कोटेदार साहब बरदान सिंह की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। हालांकि उनकी मौत के बाद क्षेत्र में गोली मारे जाने की अफवाहें तेज हो गई। जिसके बाद भारी संख्या में पुलिस फोर्स मौके पर पहुंची। पुलिस की जांच में कोटेदार की मौत बाइक से जाते समय अनियंत्रित होकर गिरने से होना बताया जा रहा है। घटना इनायत नगर कोतवाली के पलिया प्रताप शाह की है। बृहस्पतिवार को शाम करीब 4:00 बजे कोटेदार साहब बरदान सिंह को गोली मारे जाने की अफवाहें तेज हो गई। जानकारी पाकर इनायत नगर थाने के प्रभारी निरीक्षक संदीप कुमार सिंह भारी पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे हालांकि पुलिस के पहुंचने के पहले कोटेदार को इलाज के लिए जिला अस्पताल ले जाया जा चुका था। जिला अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया और स्थानीय पुलिस को सूचना दी।

आदर्श आचार संहिता का अनुपालन हेतु जिला प्रशासन कटिबद्धः मोनिका रानी

राजनैतिक दलो के पदाधिकारियों के साथ डीएम व एसपी ने की बैठक

अमन लेखनी समाचार/संतोष मिश्रा

बहराइच। लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 को स्वतन्त्र, निष्पक्ष एवं शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराये जाने के लिए, भारत निर्वाचन आयोग की ओर से जारी निर्वाचन कार्यक्रम, आदर्श आचार संहिता एवं अन्य प्राप्त नवीनतम निदेशों से मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को जानकारी प्रदान किये जाने के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी मोनिका रानी ने कहा कि स्वतन्त्र, निष्पक्ष एवं शान्तिपूर्ण ढंग से निर्वाचन प्रक्रिया सम्पन्न कराये जाने के लिए जिला प्रशासन कटिबद्ध है। आदर्श आचार संहिता का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित कराया जायेगा। डीएम ने सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से अपील की कि दोस्ताना माहौल में निर्वाचन लड़ें तथा भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा निर्देशों का स्वयं भी अध्ययन कर उसका अनुपालन सुनिश्चित करायें। आदर्श आचार संहिता की अनदेखी को कतई अनदेखा नहीं किया जायेगा। सुव्यवस्थित ढंग से निर्वाचन सम्पन्न कराने के लिए जिला प्रशासन द्वारा सभी तैयारियॉ पूर्ण कर ली गयी हैं। मतदान केन्द्रों पर आयोग की मंशानुरूप सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करायी जायेंगी। डीएम व एसपी ने सभी राजनैतिक दलों से अपील की कि आदर्श आचार संहिता के दायरे में रहते हुए सक्षम स्तर से अनुमति प्राप्त करने के उपरान्त ही प्रचार-प्रसार का कार्य करें। प्रचार-प्रसार के दौरान कोई ऐसा कार्य कतई न करें जिससे किसी व्यक्ति, वर्ग अथवा समुदाय की भावना को ठेस पहुॅचे। उन्होंने पुनः कहा कि सरकारी मशीनरी पूरी निष्पक्षता के साथ अपना कार्य करेगी। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी गौरव रंजन श्रीवास्तव, नगर मजिस्ट्रेट शालिनी प्रभागर, वरिष्ठ कोषाधिकारी व अन्य अधिकारी, भाजपा से सुनील श्रीवास्तव व रणविजय सिंह, सपा से जफर उल्लाह खॉ ह्यबन्टीह्न, बसपा से अजय कुमार गौतम व अशर्फी लाल गौतम, कांग्रेस से गोपीनाथ, अपना दल एस के गिरीश पटेल मौजूद रहे।

एक दिवसीय राष्ट्रीय आविष्कार अभियान एक्सपोजर विजिट विकास सम्पन्न

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। विकासखंड तजवापुर का एकदिवसीय राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के अंतर्गत 100 बच्चो का एक्सपोजर विजिट आंचलिक विज्ञान केंद्र लखनऊ में किया गया। एक्सपोजर विजिट में राष्ट्रीय आविष्कार अभियान क्विज प्रतियोगिता में विजयी बच्चों को प्रतिभाग कराया गया। सभी बच्चों ने आंचलिक विज्ञान केंद्र में तारामंडल विज्ञान विषय से जुड़ी हुई समस्त गतिविधियों के साथ-साथ मिरर रिफ्लेक्शन, मानव जीवन के क्रमिक विकास, डायनासोर पार्क आदि समस्त जानकारियां प्राप्त की। सभी बच्चों को जूट बैग, स्टेशनरी किट, खाद्य सामग्री के साथ यात्रा के लिए पाकेट मनी रुपए 50 प्रदान किया गया। बच्चों ने यात्रा से जुड़ी हुई समस्त जानकारियों को पैड पर लिखते हुए यात्रा संस्मरण साझा किया। सभी बच्चों को राष्ट्रीय आविष्कार अभियान की लोगों लगी हुई टी-शर्ट तथा कैप प्रदान की गई जिससे सभी बच्चे एक ही वेशभूषा में दिख सकें। एक्सपोजर विजिट खंड शिक्षा अधिकारी अखिलेश कुमार की देखरेख में संपन्न किया गया। एक्सपोजर विजिट में विकासखंड तजवापुर से गणित विषय के ऐ आर पी डॉक्टर नंद कुमार शुक्ला विज्ञान विषय के सुनील कुमार सिंह, उच्च प्राथमिक विद्यालय के अनिल कुमार सिंह, सुनील कुमार मिश्रा, प्रद्युम्न कुमार पांडे, कौशल कुमार शुक्ला, अनुराग मिश्रा, अर्चना भारती, गरिमा चैन चंदन कुमार प्रमोद कुमार उपस्थित रहे। सभी बच्चों ने एक्सपोजर विजिट में खूब आनंद किया।

इंटीग्रेटेड कन्ट्रोल व सिंगल विन्डो का डीएम व एसपी ने किया शुभारम्भ

जनसभा, रैली, जूलूस, लाउडस्पीकर, वाहन इत्यादि के लिए प्रदान की जाएगी अनुमति

अमन लेखनी समाचार/संतोष मिश्रा

बहराइच। लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 को स्वतन्त्र, निष्पक्ष एवं शान्तिपूर्वक सम्पन्न कराये जाने के उद्देश्य से भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार चुनाव प्रचार से सम्बन्धित जनसभा, रैली, जूलूस, लाउडस्पीकर, वाहन इत्यादि विभिन्न प्रकार की अनुमति प्रदान किये जाने के दृष्टिगत कलेक्ट्रेट संयुक्त कार्यालय में स्थापित सिंगल विन्डों तथा ई-डिस्ट्रिक कार्यालय में स्थापित निर्वाचन नियंत्रण कक्ष एवं शिकायत सेल तथा व्यय नियंत्रण कक्ष

(इंटीग्रेटेड कन्ट्रोल रूम) का जिलाधिकारी मोनिका रानी ने पुलिस अधीक्षक वृन्दा शुक्ला के साथ फीता काटकर शुभारम्भ किया। इसके उपरान्त डीएम व एसपी ने अन्य अधिकारियों के साथ यहां पर की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा माके पर मौजूद अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी गौरव रंजन श्रीवास्तव व नगर मजिस्ट्रेट शालिनी प्रभाकर मौजूद रहीं।

राष्ट्रीय कुश्ती दंगल में पहलवानों के दांवपेंच का रोमांच

पहले दिन यूपी, उत्तराखंड और हरियाणा के पहलवानों का दबदबा

अमन लेखनी समाचार/विक्रम मिश्रा

पयागपुर, बहराइच। पयागपुर के पौराणिक बाबा बागेश्वरनाथ मंदिर पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कुश्ती दंगल के प्रथम दिवस उत्तरप्रदेश, हरियाणा और उत्तराखंड के पहलवानों ने दबदबा कायम किया। पहले दिन हरिद्वार के प्रदीप शास्त्री देवीपाटन फैजाबाद मंडल विजेता दिग्विजय पहलवान और हरियाणा के गौरव पहलवान ने अपने अपने विरोधियों को धूल चटाई। दंगल के संबंध में जानकारी देते हुए मुख्य आयोजक हिंद केसरी उत्तम त्रिपाठी ने बताया कि बाबा बागेश्वर नाथ मंदिर परिसर में आयोजित कुश्ती दंगल का उद्घाटन समाजसेवी ए बी शुक्ला और महंत सरोज भारती ने किया। कुश्ती दंगल के प्रथम दिवस हरिद्वार उत्तराखंड के प्रदीप शास्त्री झांसी के तूफान पहलवान के बीच हुआ जिसमें प्रदीप ने तूफान पहलवान को चित किया। दूसरा मुकाबला गोरखपुर के मोहित और हरियाणा के गौरव पहलवान के बीच हुआ जिसमें गौरव ने जीत दर्ज की। बहराइच के शुभम और संभल के अर्जुन पहलवान की कुश्ती में अर्जुन ने जीत दर्ज की। प्रथम दिवस का सबसे रोमांचक मुकाबला फैजाबाद देवीपाटन मंडल विजेता दिग्विजय पहलवान का आगरा के काली घटा पहलवान के साथ हुआ जिसमे दिग्विजय ने काली घटा की आसमान दिखाकर दर्शको को वाहवाही लूटी। एक और रोमांचक मुकाबले में राजस्थान श्री गंगा नगर के बादल गुज्जर पहलवान को हनुमान गढ़ी अयोध्या के बाबा हरिकिशन दास ने पराजित किया। दूसरी ओर गोलू पहलवान गोंडा और लाला पहलवान मुरादाबाद, मनोज पहलवान पयागपुर और अर्जुन पहलवान तथा बाबर पहलवान अजमेर और गौरव चौधरी नई दिल्ली के मुकाबले बराबर रहे। कुश्ती दंगल के आयोजन में संयोजक बाबा पंचदेव तिवारी, बाबा संजय भारती, श्री कृष्ण तिवारी, बलवान तिवारी सहित दर्जनों लोग सक्रिय रहे।

सरार्फा व्यापारियों ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर मनाई होली

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। बीते रविवार को सरार्फा व्यापारियों की एक बैठक धनीराम गली में संरक्षक संगम लाल रस्तोगी के प्रतिष्ठान पर आहूत की गई जिसकी अध्यक्षता सरार्फा व्यापार कमेटी रजिस्टर्ड के महामंत्री आनंद रस्तोगी ने की। बैठक में आज कृपाशंकर सोनी, घनश्याम सोनी, विक्की सोनी ने संगठन की सदस्यता ग्रहण की। सरार्फा व्यापार कमेटी रजिस्टर्ड के अध्यक्ष कैलाश नाथ सोनी ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि सरार्फा व्यापारियों की एकता से ही हम सभी का विकास संभव है। सरार्फा कमेटी के संगठनमंत्री रजनीश रस्तोगी सत्या ने कहा कि होली का त्योहार खुशियों का त्यौहार है सभी लोग सौहार्दपूर्ण रूप से त्योहार मनाए। महामंत्री आनंद रस्तोगी के द्वारा बैठक में आगामी लोकसभा चुनाव पर भी चर्चा की गई। फागुन आते ही सभी पर होली का खुमार चढ़ने लगा है सभी होली के रंग में रंगने कों लगे है। सरार्फा व्यापारियों की बैठक में आज ऐसा ही कुछ देखने कों मिला नानपारा सरार्फा व्यापारियों के साथ साथ इमामगंज सरार्फा व्यापार कमेटी के सभी सरार्फा व्यापारी एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर होली मानने कि शुरूआत की। बैठक में मुख्य रूप से सरार्फा व्यापार कमेटी रजिस्टर्ड के संरक्षक गणेश प्रसाद सोनी अशोक सोनी व संजय सोनी, आनंद रस्तोगी, मनोज कुमार सोनी, तनुज गुप्ता, बडकन्नू रस्तोगी, गजानंद कुमार दीपक जायसवाल, अनिल यज्ञसैनी शिवम सोनी, लाल जी सोनी, सूरज सोनी, घनश्याम सोनी, विक्की सोनी कृपा शंकर सोनी आदि लोग मौजूद रहे।

सुलतानपुर में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर स्पीड का कहर

बाइक सवार तीन युवक डिवाइडर से टकराए, एक युवक की मौत, किशोर समेत 2 घायल

अमन लेखनी समाचार

सुलतानपुर, सुलतानपुर में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर शुक्रवार को भीषण सड़क हादसा हुआ। तीन लोग तेज स्पीड में बाइक लेकर जा लखनऊ से आजमगढ़ की ओर जा रहे थे। एका-एक बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। एक युवक की घटना में मौत हुई है, जबकि किशोर समेत दो घायल हुए हैं। जिनका इलाज अस्पताल में जारी है। अंबेडकरनगर के जहांगीरगंज थाना अंतर्गत मखदुमपुर गांव निवासी भानु पुत्र पूर्णमासी अपने साथ बाइक से सूरज (17) पुत्र नन्हे और चंद्रदेव (50) पुत्र हौसला निवासी ग्राम रतवा पार थाना अतरौलिया जिला आजमगढ़ को लेकर लखनऊ से आजमगढ़ जा रहा था। बाइक भानु चला रहा था और उसकी स्पीड काफी तेज थी। वे सभी जयसिंहपुर कोतवाली क्षेत्र क किमी 144 पर पहुंचे थे। ओवर स्पीड के कारण बाइक डिवाइडर से जाकर टकरा गई। तीनों व्यक्तियों को गंभीर आई। एंबुलेंस बुलाकर चंद्र देव और सूरज को सरकारी अस्पताल वीरसिंहपुर थाना जयसिंहपुर और भानु को गंभीर अवस्था में राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। राजकीय मेडिकल कॉलेज में डॉक्टर ने भानु को मृत घोषित करते हुए कोतवाली नगर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर कार्रवाई शुरू कर दी है। मामले में सहायक सुरक्षा अधिकारी त्रिलोकी नाथ पांडे ने बताया कि मौके पर तत्काल पहुंचकर आगे की कार्रवाई की जा रही है। बाइक को सेमरी टोल प्लाजा पर खड़ा करा दिया गया है।

गायत्री प्रजापति की करीबी के घर से 5 करोड़ बरामद

दीवार के अंदर छिपा रखे थे नोटों के बंडल; विधायक पत्नी लखनऊ रेफर

अमन लेखनी समाचार

अमेठी जिला, पूर्व कैबिनेट मंत्री गायत्री प्रसाद प्रजापति और उनकी महिला मित्र गुड्डा देवी के अमेठी स्थित घर पर प्रवर्तन निदेशालय (एऊ) की छापेमारी देर रात तक जारी रही। गुड् ?डा देवी के घर से ईडी ने दीवार तोड़कर नोटों का बंडल बरामद किया है। नोट गिनने के लिए मशीन मंगाई गई। दोनों के ठिकानों पर करीब 15 घंटे तक रेड चली। उधर, गायत्री प्रजापति की पत्नी सपा विधायक महाराजी देवी की तबीयत रात को ज्यादा बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें लखनऊ रेफर कर दिया गया है। हिरासत में लिए गए बेटे अनुराग प्रजापति को देर रात ईडी ने छोड़ दिया। आज उनके परिवार को ईडी ने फिर पूछताछ के लिए लखनऊ बुलाया है। बताते चलें कि, गुरुवार की सुबह साढ़े 5 बजे 4 लग्जरी गाड़ियों से ईडी की 2 टीमें अमेठी में आवास विकास कॉलोनी पहुंची और पूर्व मंत्री गायत्री के घर पर रेड डाली। घर में मौजूद विधायक महाराजी प्रजापति और उनके परिवार के सदस्य जब तक कुछ समझ पाते, तबतक ईडी ने अपनी पूछताछ शुरू कर दी। टीम में कुल 12 अधिकारियों के अलावा सीआरपीएफ के सुरक्षाकर्मी भी थे। सुरक्षाकर्मी गेट के बाहर तैनात हो गए। इसके थोड़ी देर बाद ही गायत्री के घर के सामने उनकी महिला मित्र गुड्डा देवी के घर भी एक टीम घुस गई। वहां भी पूछताछ के बाद छापेमारी शुरू कर दी। वहां भी देर रात 9 बजे तक छापेमारी चलती रही। गायत्री प्रजापति के घर करीब 12 घंटे चली छापेमारी के बाद ईडी की टीम ने उनके छोटे बेटे अनुराग प्रजापति को हिरासत में ले लिया था। लेकिन रात करीब 10 बजे उसे छोड़ दिया गया। बताया जा रहा है कि गायत्री प्रजापति के घर से करीब 40 लाख रुपए और भारी मात्रा गहने बरामद हुए हैं। इन पैसों और गहनों की जानकारी के लिए आज ईडी ने गायत्री प्रजापति के परिवार को लखनऊ बुलाया है। बता दें, पूर्व कैबिनेट मंत्री गायत्री प्रजापति रेप मामले में जेल में बंद हैं। वहीं, उनकी महिला मित्र गुड्डा देवी के घर पर रात 9 बजे तक छापेमारी चलती रही। गुड्डा देवी के घर एक दीवार में रुपयों को छिपाकर रखा गया था, जिसे ईडी ने तोड़ा और कैश निकालकर एकत्र किया। जिसके बाद नोट गिनने वाली मशीन मंगवाकर गिनती शुरू कराई गई। इसके साथ ही कई अलमारियों को भी तोड़ा गया। जिससे कुछ कैश बरामद हुआ है। गिनती के बाद करीब 5 करोड़ कैश मिलने की बात सामने आई। कैश को जब्त कर ईडी की टीम 10 बजे लखनऊ के लिए रवाना हो गई।

अयोध्या में मरीज की मौत के बाद परिजनों का हंगामा

कहा– शरीर में ब्लड कम होने के बावजूद भी डॉक्टर ने कूल्हे का ऑपरेशन किया

अमन लेखनी समाचार

अयोध्या, अयोध्या के श्री राम अस्पताल में डॉक्टरों की लापरवाही का एक मामला सामने आया है। पीड़ित का आरोप है कि शरीर में ब्लड कम होने के बावजूद भी बुजुर्ग मां के कूल्हे का ऑपरेशन डाक्टर ने कर दिया। ऑपरेशन के बाद ब्लड की व्यवस्था न होने पर महिला की मौत हो गई। सीएमओ ने तत्काल मामले की जांच करने के निर्देश दिए है। मसकनवां बस्ती के श्रीनगर गांव के रहने वाले राम भारी ने तीन दिन पहले मां राम राजी को श्री राम अस्पताल में भर्ती कराया। गिरने से उनके पैर का कूल्हा टूट गया था। राम भारी का आरोप है कि डॉक्टर ने केवल एक्सरे के बाद ही मां के कूल्हे का ऑपरेशन कर दिया। जबकि कोई जांच सही तरीके से नहीं कराया। पीड़ित का आरोप है कि ऑपरेशन के बाद डॉक्टरों ने बताया कि तत्काल खून की व्यवस्था करें। क्योंकि 4 प्वाइंट की खून बचा है। खून का इंतजाम करने का प्रयास किया गया, लेकिन खून की व्यवस्था नहीं हो पायी। इससे मां की मौत हो गई। वहीं परिजनों के हंगामा बढ़ता देख, अस्पताल प्रशासन ने आनन-फानन में मृतक के शव को एम्बुलेंस कसे घर भिजवाया।

पत्नी से झगड़ा...रात को पानी की टंकी पर चढ़ा युवक

पुलिस ने बातों में उलझाकर पकड़ा, नीचे लाकर गिरफ्तार किया, कराई जाएगी काउंसलिंग

अमन लेखनी समाचार

हापुड़, कोतवाली क्षेत्र के गांव सबली मार्ग पर पानी की टंकी पर देर रात एक व्यक्ति चढ़ गया। पत्नी से विवाद के चलते ये घटना हुई। मामले की जानकारी पर पीड़ित परिजनों समेत काफी संख्या में लोगों की भीड़ मौके पर एकत्र हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने अनहोनी की आशंका के चलते जाल इत्यादि की व्यवस्था की। इसी बीच पुलिस ने उसे बातों में उलझाकर सकुशल बचा लिया है। फिलहाल आरोपी को हिरासत में लिया गया है। जानकारी के अनुसार मोहल्ला शिवगढ़ी में भोपाल अपने परिवार के साथ रहता है। बृहस्पतिवार को किसी बात को लेकर उसका पत्नी से विवाद हो गया था। इससे क्षुब्ध होकर वह गांव सबली मार्ग स्थित एक पानी की टंकी की छत पर चढ़ गया। यह देखकर मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। मामले की जानकारी पर परिजन भी मौके पर पहुंचे। परिजन उसे समझाने की कोशिश करते रहे। लेकिन, वह नीचे उतरने को तैयार नहीं हुआ। इस दौरान मौके पर पहुंची पुलिस व लोगों ने व्यक्ति को अपनी बातों में उलझा लिया। मौका पाकर कुछ पुलिसकर्मी टंकी पर चढ़ गए और उसे दबोच लिया। इसके बाद उसे सकुशल नीचे लेकर आए।

इलेक्ट्रानिक व्यवसाई की शॉप पर जीएसटी टीम की रेड

सुलतानपुर में 9 घंटे तक चला डाटा मिलान, एक जीएसटी नंबर से चल रही थी 2 शॉप

अमन लेखनी समाचार

सुलतानपुर, सुलतानपुर में नगर के प्रतिष्ठित इलेक्ट्रिकल व इलेक्ट्रानिक व्यवसाई आलम इलेक्ट्रिकल पर जीएसटी टीम ने रेड मारा। टीम ने करीब 9 घंटे तक जांच पड़ताल किया और वापस अयोध्या लौट गई है। जीएसटी टीम की रेड से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। मामला कोतवाली नगर के नेशनल सिनेमा रोड स्थित मेजरगंज में आलम इलेक्ट्रिक व इलेक्ट्रॉनिक की शॉप का है। आलम बिजली के सामान के थोक विक्रेता हैं। जिले भर की बड़ी बाजारों व आसपास जिलों में उनके यहां से माल सप्लाई जाता है। यहां अयोध्या से आई जीएसटी टीम ने रेड मार दी। जीएसटी टीम को सूचना मिली थी कि यहां से सब कुछ ठीक नहीं चल रहा। इस पर दोपहर 2 बजे के आसपास जीएसटी के डिप्टी कमिश्नर प्रशांत कुमार, असिस्टेंट कमिश्नर सारिका सिंह, वाणिज्य अधिकारी जयलाल, वाणिज्य अधिकारी अनुराग समेत 13 से 14 लोगों की टीम जांच के लिए पहुंची। टीम ने स्टाक का मिलान शुरू किया। ये भनक लगते ही व्यवसाइयों में हड़कंप मच गया। जीएसटी टीम ने आलम की दोनों दुकान के स्टाक मिलान शुरू किया। जांच में सामने आया कि एक ही जीएसटी नंबर से दो दुकानें चल रही हैं। बताया जा रहा है कि डेटा विश्लेषण के आधार पर जीएसटी टीम अयोध्या से पहुंची थी। डिप्टी कमिश्नर प्रशांत कुमार ने बताया कि डेटा विश्लेषण के मिलान के आधार पर हम कार्रवाई करते हैं। हम लोगों के पास जो जीएसटी संबंधित डेटा होता है हम उसको मिलाते हैं, फिर जिस भी दुकानदार का डेटा मैच नहीं करता तो फिर हम उस दुकानदार की दुकान पर जाकर मिलान के आधार के पर कार्रवाई करते हैं।

संक्षेप

घर से निकली किशोरी लापता

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। सहजनवा थाना क्षेत्र के पाली निवासी एक 14 वर्षीय किशोरी शनिवार को अपराह्न 4 बजे घर से निकली थी। देर रात तक जेसीबी घर नही लौटी तो परिजन उसे ढूढना शुरू किए लेकिन पता नही चला। किशोरी का मोबाइल स्विच आफ मिला। बाद में पता चला की किशोरी एक मोबाइल नंबर पर किसी से बात करती थी। पुलिस ने अपहरण का केस दर्ज कर लिया है।

सरधना में सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत

सामान का आर्डर लेने के लिए निकला था, बाइक फिसलने से ट्रक के नीचे चला गया

सरधना, सरधना में गुरुवार को सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत हो गई। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी है। घटना दौराला थाना क्षेत्र की है। दौराला थाना क्षेत्र के अझौता निवासी सुनील सैनी 29 वर्ष पुत्र फेरू सैनी अतुल पेस्टिसाइड कंपनी में नौकरी करता था। गुरुवार को वह अपनी बाइक पर सवार होकर सरधना में पेस्टिसाइड दुकानदारों को माल का आर्डर लेने गया था। वापस लौटने के दौरान मछरी गांव के सामने पहुंचते ही वह आगे चल रहे गन्ने के ट्रक को ओवरटेक करने लगा। ओवरटेक करने के दौरान उसकी बाइक फिसल गई। जिससे वह ट्रक के नीचे आ गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद चालक ट्रक छोड़कर मौके से भाग गया। पुलिस ने शव की शिनाख्त करने का प्रयास किया, मगर चेहरा बुरी तरह कुचलने की वजह से शिनाख्त नहीं हो सकी। बाइक के रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर पुलिस ने मृतक की शिनाख्त कर स्वजन को सूचना दी। जिसके बाद परिजन थाने पहुंचे और जानकारी की।पत्नी रविता का रो-रोकर बुरा हाल था। युवक के एक बेटी और एक बेटा है।दौराला थाना प्रभारी ने बताया कि तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

सहकारी बैंक के फील्ड ऑफिसर 5 हजार रिश्वत लेते गिरफ्तार

लोन पास करने के नाम पर ले रहे थे घूस, एंटी करप्शन की टीम ने पुलिस को सौंपा

अनूपशहर, जहांगीराबाद में लोन पास करने के नाम पर रिश्वत ले रहे सहकारी ग्राम विकास बैंक के फील्ड ऑफिसर को एंटी करप्शन टीम ने रंगे हाथ पकड़ा है। जिसके बाद टीम ने आरोपी को गिरफ्तार कर कोतवाली पुलिस को सौंप दिया। प्रभारी निरीक्षक रमाकांत पचौरी ने बताया कि क्षेत्र के डूंगरा जाट निवासी सुधीर पुत्र इंद्रजीत ने उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंक अनूपशहर से पशुपालन के लिए एक लाख रुपए का लोन लेने के लिए आवेदन किया था।

स्व.सदरजीत राय पहलवान की स्मृति में कुश्ती प्रतियोगिता का भव्य आयोजन

अरविन्द राय उर्फ बिट्टू राय ने बुजुर्ग एवं वरिष्ठ पहलवानों का सम्मानित साल और बाल्टी देखकर किया

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। खजनी केंद्र तथा प्रदेश सरकार द्वारा खेलो इंडिया के तहत निरंतर गांवों और शहरों में युवा प्रतिभाओं को खेलों में बेहतरीन प्रदर्शन करने का अवसर दिया जा रहा है। साथ ही सरकार उन्हें सभी संसाधन उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उक्त विचार खजनी के विधायक श्रीराम चौहान ने कुश्ती प्रतियोगिता के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आज लोनांव गांव के अखाड़े में स्व.सदरजीत राय पहलवान की पुण्य स्मृति में विराट खुली दंगल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें देश प्रदेश के दर्जनों पहलवानों ने अखाड़े में अपने दांव आजमाए। रोचक मुकाबले में भारत केसरी पहलवान कपिल भीमा और ऋषभ के बीच कांटे का मुकाबला हुआ। वहीं राजेश भताड़ी ने मनीष पक्कीबाग, ऋषिकेश यादव मोहद्दीपुर ने सुड्डु पहलवान को संजय यादव कठवतियां ने भीमा हनुमान अखाड़ा दिल्ली को बृजेश मोहद्दीपुर ने विकास सरहरी को राजकुमार बेलडांड़ ने मनोज धरमपुर को रंजीत मुजुरी व्यायामशाला ने गोविंद चौरीचौरा को ब्रह्मानंद महराजगंज ने रामबाबू कृष्णानगर को आसमान दिखाया। वहीं विदेश गुज्जर ने जितेंद्र महाराजगंज, अजहर गोरखपुर ने निशांत आईटीबीपी, शिवानंद मेहदावल ने रोहित भाटी दिल्ली को चित्त किया। इसके अलावां मुकुल बनारस से असीन दिल्ली के बीच कांटे की टक्कर हुई। महिला पहलवानों में आरती कानपुर से पलक बनारस, मीनू दिल्ली से खुश्बू गोरखपुर, प्रिया चतुरबंदुआरी से कल्पना कानपुर, प्रियंका चतुरबंदुआरी से अनिता कानपुर के पहलवानों के बीच भी कांटे का मुकाबला हुआ। खुली दंगल प्रतियोगिता में कुल 76 जोड़ी से अधिक पहलवानों ने दांव आजमाए। इस दौरान क्षेत्र के पुराने नामी पहलवानों अतिथियों और गणमान्य व्यक्तियों को अखाड़े पर बुलाकर माला पहनाकर साफा बांधकर और अंगवस्त्र भेंट दे कर सम्मानित किया गया। संचालन उमेश राय पहलवान, शैलेश यादव ने किया तथा रेफरी के रूप में श्यामपाल बंदुआरी अखाड़े के कोच रमाकांत वीरबहादुर सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज, तथा ओंकार यादव कृष्णानगर अखाड़े के कोच ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आयोजक राष्ट्रीय पहलवान एवं जिला पंचायत सदस्य अरविन्द राय उर्फ बिट्टू राय ने सभी आगंतुकों के प्रति आभार जताया।इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक श्री राम चौहान राष्ट्रीय पहलवान एवं जिला पंचायत सदस्य अरविन्द राय बिट्टू राय, साई ऑटोमोबाइल के प्रोपराइटर मनोज मिश्रा, अधिवक्ता विनोद पांडे ,जीतू यादव ग्राम प्रधान पहलवान ,सत्येंद्र यादव भैसा बाजार, पप्पू मल्ल अवधेश यादव प्रधान रामाशीष पहलवान मनोज मिश्रा पन्ने लाल उमेश राय, मोनू मिश्रा, गौतम राय हरिहरपुर प्रधान पंच बहादुर सिंह, दीपक यादव क्षेत्र के तमाम गणमान्य और समाजसेवी और ग्राम प्रधान सभी लोग उपस्थित रहे।

कनक प्रेरणा लघु उद्योग के सील को अधिकारियों ने खोला

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। सहजनवां तहसील अंतर्गत विकासखंड पिपरौली क्षेत्र के ग्राम पंचायत देईपार में स्थित कनक प्रेरणा लघु उद्योग में बाल पुष्टाहार बनता है, जो खजनी, पिपरौली और सहजनवा में सप्लाई की जाती हैं। ग्रामीणों द्वारा जिलाधिकारी से शिकायत की गई थी कि वहा उपलब्ध सैकड़ों बोरे में अनाज में कीड़े मकौड़े हो गए को आस पास घरों के अंदर पहुंच कर गंभीर बीमारियों को दावत दे रहे। शनिवार को इसकी जांच करने पहुंचे नायब तहसीलदार सदर देवेंद्र यादव ने नमूना लेने के बाद लघु उद्योग को सील कर दिया था। जिले से आई टीम में शामिल जिला विकास अधिकारी राज मणि वर्मा, डीसी एनआरएलएम राजेंद्र सिंह, पाली बीडीओ बृजेश यादव और पिपरौली बीडीओ रजत गुप्ता ने सील खुलवाकर मौके की जांच की और पिपरौली एडीओ आईएसबी संजय दूबे को अंदर साफ सफाई कराने के लिए आदेशित किया। जिला विकास अधिकारी राजमणि वर्मा ने बातचीत के दौरान

बताया कि उच्चाधिकारियों के आदेश से टीम आई है। नायब तहसीलदार सदर के मौजूदगी में सील खोला गया है, उनके द्वारा जो नमूना लिया गया उसकी रिपोर्ट वह जिलाधिकारी को देंगे। समूह की महिलाओं को सफाई का ध्यान देने के लिए कहा गया है।

पुरानी रंजिश को लेकर वृद्ध को घर में घुसकर पीटा पांच के खिलाफ केस दर्ज

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। सहजनवा तहसील अंतर्गत विकासखंड पाली क्षेत्र के कोडारी उर्फ हड़हा में पुरानी रंजिश को लेकर आधा दर्जन के करीब मनबढ़ लाठी डंडे के साथ लैस होकर घर में घुस गए। और वृद्ध महिला को पीटकर घायल कर दिया। पुलिस ने पांच आरोपी और दो अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। मिली जानकारी से कोडरी उर्फ हड़हा निवासी कन्हैया पुत्र रामधीन की पत्नी ने शनिवार को शाम छः बजे फोन से जानकारी दी थी की आधा दर्जन की संख्या में मनबढ लाठी डंडे से लैस होकर घर में घुस आए थे। और वृद्ध महिला रामरती देवी को मारपीट कर घायल कर दिए है। तथा घर में रखा सामान तोड़फोड़ डाले है। और जाते समय जान से मारने की धमकी भी दिए है। पुलिस ने आरोपी केसरा देवी,सोनी ,शर्मिला ,सवारी ,नैरंगी, तथा दो अज्ञात के खिलाफ बलवा, घर में घुसकर मारपीट, तोड़फोड़,जान से मारने की धमकी देने का केस दर्ज कर लिया है।

खड़ंजा लगाने को लेकर पीटा तीन पर केस दर्ज

गोरखपुर। सहजनवां तहसील अंतर्गत हरपुर बुदहट थाना क्षेत्र के कसिहरा निवासी रधुपति देवी पत्नी रामजियावान के गांव में शनिवार को खड़ंजा लग रहा था। खड़ंजा लगना पीड़िता के घर पास शुरू हुआ तो पुरानी रंजिश को लेकर मनबढ लाठी डंडे से पीट कर घायल कर दिए। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने अनिरुद्ध, रम्भा देवी, राज के खिलाफ गाली गलौज, मारपीट, जान से मारने की धमकी देने का केस दर्ज कर लिया है।

शिव पार्वती के विवाह की कथा सुन श्रद्धालु हुए आनंदित

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। सहजनवां तहसील अंतर्गत विकासखंड पिपरौली क्षेत्र स्थित के ग्राम पंचायत बडगहन में श्रीमद्भागवत कथा के दौरान कहीं शिव पार्वती का विवाह दो सभ्यताओं और दो संस्कारों का मिलन था।उपरोक्त बातें कथा वाचक शुभम शास्त्री जी महाराज ने क्षेत्र के बड़गहन में आयोजीत श्रीमद् भागवत कथा के दौरान कही।उन्होंने रविवार की कथा मे शिव-पार्वती विवाह का प्रसंग सुनाया। प्रसंग सुन श्रद्धालु भाव विभोर हो गए। इस दौरान शिव-पार्वती विवाह की झांकी भी सजाई गई। कथा व्यास ने शिव विवाह का वर्णन करते हुए कहा कि पर्वतराज हिमालय की घोर तपस्या के बाद माता जगदंबा प्रकट हुईं और उन्हें बेटी के रूप में उनके घर में अवतरित होने का वरदान दिया।इसके बाद माता पार्वती हिमालय के घर अवतरित हुईं। बेटी के बड़ी होने पर पर्वतराज को उसकी शादी की चिंता सताने लगी। कहा कि माता पार्वती बचपन से ही बाबा भोलेनाथ की अनन्य भक्त थीं। एक दिन पर्वतराज के घर महर्षि नारद पधारे और उन्होंने भगवान भोलेनाथ के साथ पार्वती के विवाह का संयोग बताया।उन्होंने कहा कि नंदी पर सवार भोलेनाथ जब भूत-पिशाचों के साथ बरात लेकर पहुंचे तो उसे देखकर पर्वतराज और उनके परिजन अचंभित हो गए, लेकिन माता पार्वती ने खुशी से भोलेनाथ को पति के रूप में स्वीकार किया। विवाह प्रसंग के दौरान शिव-पार्वती विवाह की झांकी पर श्रद्धालुओं ने पुष्प बरसाए। कथा व्यास ने विवाह प्रसंग के दौरान सुंदर भजनों की प्रस्तुति भी दी।इसके पूर्व गीडा थाना के पूर्व इंस्पेक्टर राजेंद्र सिंह द्वारा कृष्ण राधा की आरती उतारी गई। इस दौरान डाक्टर शिवशंकर पाण्डेय, अभिनव पांडेय, अंकुर पाण्डेय, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि अमरनाथ यादव, शिवदास पाण्डेय, मनीष पाण्डेय,बिक्रम विश्वकर्मा, रविकान्त उर्फ लालू सहित सैकड़ो श्रोता मौजूद रहे।

दहेज में 8 लाख रुपए की मांग पूरी न होने पर विवाहिता को मारपीट कर घर से निकाला

अमन लेखनी समाचार

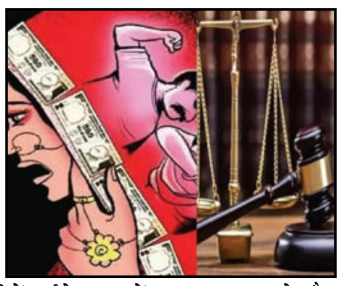

सहजनवा, गोरखपुर। गीडा थाना क्षेत्र के बाधागाडा निवासी ज्योति जायसवाल पुत्री स्व दीप नारायण की शादी 12 मार्च 2023 को सेमरा प्रसाद नारी कला इंटर कालेज कठऊर थाना रामगढ़ताल निवासी अमन जायसवाल के साथ हुई थी। शादी में भाई ने उपहार में 3 लाख नकद, गहने और अन्य समान दिए थे।24 अप्रैल 2023 को गौना गया। ससुराल जाते ही पति, सहित ससुराल के लोग ताना मारने लगे थे। और आठ लाख रुपया की मांग करने लगे थे। जिसके बारे में मायके के लोगो को बताया था। लेकिन लोगो ने इतनी रकम न होने का हवाला दिया। इसके बाद पति सहित ससुराल के लोग प्रताड़ित करने लगे। 19 जनवरी 2024 को ससुराल के लोग गहने और कपड़े रख लिए और मारपीट कर घर से बाहर निकाल दिया। मायके में रह रही थी की 3 जनवरी 2024 को पति ने फोन कर 10 लाख रुपए की मांग किया। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने पति अमन जायसवाल, सास मीना देवी, ससुर अशोक जायसवाल, देवर आदर्श जायसवाल, ननद खुशबू जायसवाल के खिलाफ दहेज उत्पीड़न, मारपीट का केस दर्ज कर लिया है।

विवाहिता ने ससुराल के लोगो पर दर्ज कराया दहेज उत्पीड़न,बलवा मारपीट का केस

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। सहजनवां तहसील अंतर्गत हरपुर बुदहट थाना क्षेत्र के रामनगर सुरस निवासी विवाहिता ने अपने पति सहित ससुराल के पांच लोगो पर दहेज उत्पीड़न, बलवा, मारपीट का केस दर्ज कराया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मिली जानकारी से से हरपुर बुदहट थाना क्षेत्र के रामनगर सूरस निवासी रिंकू पत्नी शिवानंद को पति सहित ससुराल के लोग आए दिन प्रताड़ित कर रहे थे।15 मार्च को रात्रि में 8 बजे के करीब पति की तबियत खराब होने की सूचना मिलने पर मायके सहीदाबाद थाना खजनी में तीनो भाई देखने आए थे। रात्रि में 10 बजे के करीब सास ससुर मिली कर झगड़ा करने लगे। जिसका भाई ने विरोध किया तो ससुराल के लोग लाठी डंडे मारपीट कर घायल कर दिए। और जान से मारने की धमकी देने लगे थे। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने शिवानंद, गिरिजा, फुंदरी देवी, संतोष, प्रदीप के खिलाफ बलवा, दहेज उत्पीड़न, मारपीट, जान से मारने की धमकी देने का केस डीजी कर लिया है।

सोनभद्र में विद्यालय का वार्षिकोत्सव मनाया

आशा भारती बोलीं–आर्थिक तंगी से लोग परेशान, बच्चों को नहीं भेज रहे स्कूल

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र, सोनभद्र के राबर्ट्सगंज विकासखंड के न्याय पंचायत बहुआर स्थित प्राथमिक विद्यालय भुराईन टोला पर गुरुवार को वार्षिकोत्सव कार्यक्रम बहुत ही धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ मंडल उपाध्यक्ष आशा भारती द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। बच्चों ने सरस्वती वंदना के पश्चात अतिथि स्वागत गीत प्रस्तुत कर आगंतुकों का स्वागत किया गया। छोटी-छोटी गईया छोटे छोटे ग्वाल की गीत पर नटखट श्याम ने लोगों का मन मोहा तो, वही नुक्कड़ नाटक के माध्यम से बच्चों ने आगंतुकों का दिल जीता। राम आएंगे के बोल पर नृत्य प्रस्तुत कर छात्राओं ने सभी को भक्ति भाव से विभोर कर दिया। इस दौरान विभिन्न प्रकार के रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत कर बच्चों ने अपनी प्रतिभाओं से सभी को प्रभावित किया। आशा भारती ने कहा कि आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र में जहां युवकों की बड़ी तादाद आज भी शिक्षा से वंचित है।

आज उनके बच्चों की शैक्षणिक क्षमता को देखकर यह कहना अतिशयोक्ति नहीं है कि यह शिक्षकों के परिश्रम का परिणाम है। आज समाज के हर तपके के लोगों में अपने बच्चों को पढ़ाने की ललक है। आर्थिक संकटों से जूझ रहे अभी भी कई अभिभावक अपने बच्चों को नियमित विद्यालय नहीं भेज रहे हैं। यह चिंता का विषय है, जबकि शिक्षक घर-घर जाकर बच्चों को लाने के लिए तमाम प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने बच्चों को नियमित विद्यालय भेजने की अपील की। विशिष्ट अतिथि ग्राम प्रधान बसौली अवधेश गुप्ता ने कहा की यहां की शिक्षिकाओं का प्रयास सराहनीय है। प्रधानाध्यापिका उषा रानी ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के अंत में बच्चों को निपुण लक्ष्य प्रमाण पत्र , मैडल एवं पाठ्य सामग्री देकर पुरस्कृत किया गया। इस मौके पर प्रभारी शिक्षक संकुल बहुआर कमलेश सिंह , प्रभारी प्रधानाध्यापक बसौली प्रतिमा सिंह , आरजू , मनीता शिक्षिका समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

घोरावल में राष्ट्रीय आविष्कार अभियान क्विज प्रतियोगिता का आयोजन

- ढुटेर के तीन बच्चों ने मारी बाजी, 400 छात्रों ने किया प्रतिभाग

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र , सोनभद्र के घोरावल में राष्ट्रीय आविष्कार अभियान क्विज प्रतियोगिता बीआरसी में बृहस्पतिवार को आयोजित किया गया। सभी उच्च प्राथमिक विद्यालयों से लगभग 6 बच्चों सहित कल 400 बच्चों ने प्रतिभाग किया। इस दौरान चार कमरों में बैठ कर बच्चों ने प्रतियोगी परीक्षा में भाग लिया। लगभग 1 घंटे परीक्षा के उपरांत योग्य शिक्षकों द्वारा मूल्यांकन कार्य करवाया गया। इसके बाद सर्वश्रेष्ठ प्रथम ,द्वितीय, तृतीय पुरस्कार से नवाजे गए बच्चों को बीईओ अशोक कुमार सिंह द्वारा प्रमाण पत्र के साथ नगद धनराशि एवं क्विज प्रतियोगिता प्रतीकात्मक चिन्ह के रूप में शील्ड भी प्रदान किया गया। श्री सिंह ने सभी उपस्थित बच्चों समेत समस्त विद्यालय के शिक्षकों को भी प्रमाण पत्र वितरित करने के साथ ही साथ उज्जवल भविष्य की मंगल कामना की। उत्साह वर्धन हेतु सदैव वैज्ञानिक सोच एवं दृष्टिकोण के प्रति आगे बढ़ने हेतु प्रेरित भी किया। कंपोजिट विद्यालय ढुठेर के तीन छात्रों ने एक समान अंक प्राप्त करते हुए प्रथम स्थान का पुरस्कार प्राप्त किया। बीईओ ने कहा कि बेसिक शिक्षा विभाग की तस्वीर पूरी तरीके से कायाकल्प हो गई है। बच्चों में प्रतिस्पर्धा तेजी से बढ़ रही है बस इन्हें उचित मार्गदर्शन की आवश्यकता है। शिक्षक दीनबंधु त्रिपाठी द्वारा प्रतियोगिता का नेतृत्व एवं संवर्धन किया गया। इस अवसर पर एसआरजी विनोद कुमार, एआरपी मिथिलेश द्विवेदी, अविनाश शुक्ला, अखिलेश कुमार सिंह, सुनील माथुर, वर्तिका सिंह, कौशरजहां सिद्दीकी, प्रधानाध्यापक यतिनंदन, नर्वदेश्वर पाठक, दिनेश मिश्रा, राजकुमार सहित दर्जनों शिक्षकों ने इस प्रतियोगिता में शामिल रहे।

आगामी त्योहारों को लेकर पीस कमेटी की बैठक

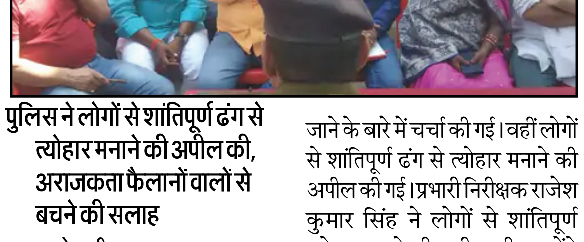

पुलिस ने लोगों से शांतिपूर्ण ढंग से त्योहार मनाने की अपील की, अराजकता फैलानों वालों से बचने की सलाह

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र, सोनभद्र के अनपरा थाना परिसर में एसडीएम दुद्धी सुरेश राय की अध्यक्षता में पीस कमेटी की बैठक की हुई। बैठक में क्षेत्र के सभी ग्राम प्रधान व समाजसेवी, हिंदू व मुस्लिम समुदाय के लोग शामिल हुए। पुलिस की टीम ने दोनों समुदाय के बीच आने वाले त्योहारों को सकुशल सम्पन्न कराए जाने के बारे में चर्चा की गई। वहीं लोगों से शांतिपूर्ण ढंग से त्योहार मनाने की अपील की गई। प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार सिंह ने लोगों से शांतिपूर्ण त्योहार मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की समस्या आने पर पुलिस से संपर्क करें। उन्होंने होली व रमजान त्योहारों पर निकलने वाले जुलूस व शोभायात्रा को परंपरागत बिना किसी हुडदंग के निकालने की सलाह दी। सीओ पिपरी ने हिदायत देते हुए कहा कि कोई भी लोग अराजकता करता है तो उसे छोड़ा नहीं जाएगा।

प्रदेश आईटी मंत्री ने सेंटर ऑफ सुपरकंप्यूटिंग का किया उद्घाटन

- पौने तीन करोड़ रुपए की लागत से तैयार हुए सुपर कंप्यूटर लाएगा आईटी क्रांति

अमन लेखनी समाचार

मोदीनगर, दिल्ली मेरठ मार्ग पर काईट संस्थान में सेंटर ऑफ सुपरकंप्यूटिंग समारोहा का उदघाटन यूपी के इलेक्ट्रॉनिकस व सूचना प्रोद्योगिकी मंत्री सुनील शर्मा व पूर्व राज्यमंत्री अतुल गर्ग ने किया। यह दुनिया 5 पेटाफ्लॉप्स एआई सुपरकंप्यूटर है। यह सुपर कंप्यूटर 60 हजार कंप्यूटर के बराबर काम करेंगा। इसे स्टार्ट इन यूपी नामक स्टार्टअप नीति को समर्थित किया गया है। समारोह को सम्बोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री सुनील कुमार ने कहा कि सुपरकंप्यूटिंग केन्द्र से एनसीआर में आईटी क्रांति आ जाएगी। छात्र सुपर कंप्यूटर पर काम करेंगे ,तो वे नए उत्पाद और विचार बनाने में सक्षम होगे।

उन्होने कहा कि अब सुपर कंप्यूटर की शिक्षा लेने के लिए छात्रों को विदेश नहीं जाना होगा। उन्होने कहा कि एनवीडिया डीजीएक्स एआई 100 सुपरकंप्यूटर के माध्यम से छात्रों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस व मशीन लर्निंग क्षेत्र में आगे बढ़ने के नए अवसर प्रदान करेंगा। इस मौके पर विधायक व पूर्व राज्यमंत्री अतुल गर्ग ,महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा ,केशव त्यागी ,सुनील पी गुप्ता ,जीडी जैन ,आदि नारायण, डॉ. मनोज गोयल व अनिल अहलावत ने भी छात्रों को सुपर कंप्यूटर के बारे में बताया।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार घायल

अमन लेखनी समाचार

कुरारा, हमीरपुर।थाना क्षेत्र के भटपुरा जलाला गांव निवासी युवक की बाइक में पीछे से ट्रक चालक ने टक्कर मारकर घायल कर दिया। पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। पिता की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ दुर्घटना का मुकदमा दर्ज किया है। क्षेत्र के भटपुरा जलाला गांव निवासी भूरा पुत्र भगवानदीन ने थाने में तहरीर देकर बताया कि बीती शाम साढ़े छ बजे मेरा पुत्र नंदलाल अपने साले राजेंद्र पुत्र रामकृष्ण निवासी अकौना थाना कदौरा जनपद जालौन के साथ अपनी बाइक से हमीरपुर से गांव आ रहे थे। तभी पतारा मोड के पास पीछे से आ रहे ट्रक चालक ने बाइक में टक्कर मार दिया। जिससे दोनो सड़क पर गिर गए तथा घायल हो गए। सूचना मिलने पर थाना प्रभारी योगेश तिवारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे तथा दोनो घायलों को उपचार हेतु जिला अस्पताल भेज दिया। जहां से नंदलाल की हालत गंभीर होने पर कानपुर रिफर किया गया है। पुलिस ने ट्रक को थाने में खड़ा कराया है। पीड़ित पिता की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ दुर्घटना का मुकदमा दर्ज किया है।

अपर पुलिस अधीक्षक ने क्रिटिकल वल्नरेबुल मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

अमन लेखनी समाचार उमेश दीक्षित

मौदहा। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में सामान्य लोकसभा निर्वाचन 2024 को सकुशल संपन्न कराए जाने के दृष्टिगत अपर पुलिस अधीक्षक मायाराम वर्मा ने पुलिस बल के साथ मौदहा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले क्रिटिकल वल्नरेबुल मतदान केंद्रों व मतदेय स्थानों का निरीक्षण कर संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने आमजन से शांतिपूर्ण व निर्भीक होकर मतदान करने की अपील करते हुये आमजन को भरोसा दिलाया कि हमीरपुर पुलिस व प्रशासन निष्पक्ष व सकुशल चुनाव संपन्न कराए जाने हेतु प्रतिबद्ध है। कोई भी अराजक तत्व या चुनाव को प्रभावित करने वाले व्यक्ति के विरुद्ध कठोर कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। इसी क्रम में केंद्रीय रिजर्व बल व बाहरी जनपदों से आने वाली फोर्स के लिए रुकने हेतु चिन्हित स्थानों का भौतिक सत्यापन व निरीक्षण भी किया गया। इस मौके पर प्रभारी निरीक्षक राम आसरे सरोज सहित अन्य संबंधी अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

श्रीराम इंटरनेशनल स्कूल का द्वितीय वार्षिकोत्सव कार्यक्रम हुआ सम्पन्न

मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय मंत्री भानुप्रताप वर्मा रहे मौजूद

अमन लेखनी समाचार/हेमन्त यादव

गरौठा,झांसी।कसवा गरौठा में संचालित श्रीराम इंटरनेशनल स्कूल का द्वितीय वार्षिकोत्सव कार्यक्रम धूमधाम के साथ मनाया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय मंत्री भानुप्रताप वर्मा व नगर पंचायत अध्यक्ष डॉक्टर अरुण कुमार मिश्रा एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व विधायक बृजेंद्र कुमार व्यास, महेशचंद्र विदुआ, नीरज शर्मा, नितुल व्यास एवं राजू पाठक मौजूद रहे। अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। तत्पश्चात विद्यालय के छात्र छात्राओं द्वारा शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में बच्चों ने नृत्य, गायन, नाटक समेत तमाम देश भक्ति से ओत प्रोत, प्रेम और हास्य की प्रस्तुतियां दी जिन्हें देखकर दर्शकों ने खूब सराहना की। प्रमुख प्रस्तुतियों में सरस्वती वंदना, स्वागत गीत, इंडिया बाले, राम आएंगे, ओ देश मेरे, बृज गीत, कोरोना टाइम डॉक्टरों की भूमिका, लिलिपुट डांस, धरती पे अम्बर पे राष्ट्र गीत, आदि शामिल रहीं।विद्यालय की अध्यक्ष कल्पना शर्मा, प्रबंधक अरविंद कुमार शर्मा एवं प्रधानाचार्य डी.पी. द्विवेदी के नेतृत्व में संगीत एवं नाट्य टीम द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम कराया गया। केंद्रीय मंत्री भानुप्रताप वर्मा ने बच्चों द्वारा प्रस्तुत किए गए सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सराहना करते हुए शानदार आयोजन के लिए विद्यालय परिवार को बधाई दी और बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की।अंत में विद्यालय परिवार द्वारा सभी बच्चों, अभिभावकों एवं अतिथियों को शील्ड एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर द्वारिका प्रसाद द्विवेदी, हर प्रसाद पटेल ,अब्बू महाराज, विनय पस्तोर,राम मोहन, विनय रावत , प्रमोद रावत ,अजय सोनी ,जिनेंद्र जैन जी, शिव नारायण शर्मा ,विपिन दिवेदी सहित छात्र/ छात्राओ एवं अभिभावकों के अलावा बड़ी संख्या में नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन वेदिका दुबे एवं आस्था अग्रवाल ने किया।कार्यक्रम के उपरांत उपेंद्र परमार द्वारा सभी के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

नव विवाहिता ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

अमन लेखनी समाचार

कुरारा, हमीरपुर।थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी एक नव विवाहिता ने ससुराल पक्ष की मांगों व प्रताड़ना से परेशान होकर मायके में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका की शादी को अभी तीन माह ही बीते थे। आत्महत्या की खबर सुनते ही स्वजनों में कोहराम मच गया। गांव में शोक की लहर व्याप्त है।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना क्षेत्र शेखूपुर गांव निवासी अवधेश दीक्षित ने अपनी पुत्री सुजाता का विवाह 9 दिसंबर 23 को अपने सामर्थ के अनुसार दान दहेज देकर किया था साथ ही उसे खुशी-खुशी विदा किया था। लेकिन ससुरालीजनो की अत्यधिक दहेज की मांग व प्रताड़ना से आहत सुजाता ने मायके मे ही घर के छप्पर में रस्सी से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जिससे स्वजनों में कोहराम मच गया गांव में शोक की लहर व्याप्त हो गई मृतक की मां रामश्री ने बताया कि अभी एक सप्ताह पूर्व ससुराली जन मेरी पुत्री को हमीरपुर छोड़कर चले गए थे और वहां से भाई अनुराग उसे लेकर घर आया था। सुजाता को ससुरालीजन लगातार प्रताड़ित करते रहते थे जिससे वो ससुराल जाने से मना कर रही थी। और शनिवार की मध्य रात आत्महत्या जैसा कदम उठाकर परिजनों को शोक संतृप्त कर दिया। वही मौके पर पहुचे सदर सीओ व थाना प्रभारी योगेश तिवारी ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। स्वजनों का रो रोकर बुराहाल है। थाना प्रभारी योगेश तिवारी ने बताया कि मृतका के पति सचिन पुत्र दयाशंकर निवासी अमौली फतेहपुर व तीन अज्ञात लोगों के खिलाफ दहेज हत्या का मुकदमा पंजीकृत किया गया है।

जमीनी विवाद को लेकर चली गोली एक युवक हुआ घायल,मेडिकल कालेज रिफर

अमन लेखनी समाचार

हमीरपुर।जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों में हुए खूनी संघर्ष में एक युवक को गोली लगने से गंभीर अवस्था मे समुदायक स्वस्थ केंद्र में भर्ती कराया गया जहाँ से डॉक्टरों द्वारा गंभीर अवस्था मे मेडिकल कालेज उरई रिफर कर दिया गया है।बताया जा रहा है इलाज के उपरांत उसकी हालत सामान्य बताई जा रही है।इलाकाई पुलिस उक्त मामले को लेकर जांच पड़ताल में जुटी हुई है अभी पुलिस को पीड़ित पक्ष द्वारा कोई तहरीर प्राप्त नही हुई है। इस मामले के संबंध में जब ग्रामीणों से जानकारी प्राप्त करनी चाही तो पता चला कि जरिया थाना क्षेत्र के ग्राम इटैलिया बाजा निवासी प्रथम पक्ष महेश राजपूत पुत्र श्रीपत से द्वितीय पक्ष राज सिंह पुत्र शिवदयाल आदि ने मकान हेतू जमीन खरीदी थी जिस पर उसके द्वारा गांव में स्थित निवासरथ मकान बैच खरीदी हुई जमीन पर निवास हेतू भवन निर्माण कर परिवार सहित निवास कर रहा था।पर प्रथम पक्ष महेश द्वारा जमीन हड़पने के इरादे से उन्हें परेशान किया जा रहा था।जिसके संबंध में विक्रय की गई जमीन पर प्रथम पक्ष ने न्यायालय के समक्ष मुकदमा दायर कर दिया था।बताया जा रहा है कि न्यायालय ने भी द्वितीय पक्ष के हक में फैसला सुनाया था।बताया जा रहा है प्रथम पक्ष महेश व उनके पुत्र द्वारा द्वितीय पक्ष के विरुद्ध पुनः न्यायालय में दायर किया था।इसी विवाद को लेकर बीते दिवस देर शाम दोनों पक्षो के बीच वाद विवाद हो गया।विवाद इतना बढ़ा की गोली बारी तक आ पहुँचा जिसमे प्रथम पक्ष के पुत्र धर्मेंद्र राजपूत पुत्र महेश को गोली लग गयी।जिसकी सूचना घायल पुत्र के पिता द्वारा संबंधित थाना जरिया को दी गयी।गोली कांड की सूचना पर तत्कालीन पहुँची पुलिस बल ने घायल धर्मेंद्र को आनन फानन में समुदायक स्वस्थ केंद्र राठ में भर्ती कराया जहाँ से उसे बेहतर इलाज हेतू मेडिकल कालेज उरई भर्ती कराया गया है।इस संबंध में जब थाना प्रभारी जरिया से बात की गयी तो उन्होंने बताया कि जमीनी विवाद है मामला न्यायालय में विचाराधीन है अभी प्रथम पीड़ित पक्ष द्वारा कोई तहरीर प्राप्त नही हुई है तहरीर प्राप्त होने पर मुकदमा पंजीकृत कर वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।पर अभी तक मामले को लेकर कोई स्पष्ट पुस्टि नही हो सकी है फिलहाल तहरीर प्राप्त होने के उपरांत ही पुलिस द्वारा जांच पड़ताल में बाद ही मामले में हुए विवाद की सही पुस्टि हो सकेगी।

बरसाना में 20 कुंतल लड्डू से खेली गई लड्डू मार होली

– श्रीजी के आंगन में खूब उड़ा अबीर– गुलाल

– लड्डू मार होली देखने उमड़े 5 लाख श्रद्धालु

– शाम तक रंगों से सराबोर माहौल में झूमते रहे

– योगी सरकार में ब्रज भूमि पर रंगोत्सव की दिखी धूम

अमन लेखनी समाचार

बरसाना, मथुरा। योगी सरकार में ब्रज भूमि पर रंगोत्सव 2024 की धूम दिख रही है। लठामार होली से पूर्व रविवार को बरसाना के श्री लाडली जी मंदिर में लड्डू मार होली हुई। अबीर-गुलाल के उड़ते बादलों से अंबर रंगीन हो गया। लाडली जी के महल में लड्डुओं की बरसात हुई। नंदगांव के पांडा के नृत्य को देख श्रद्धालु भाव विभोर हो उठे। उधर, समाज गायन की चौपाई के साथ राधे- राधे के जयघोष से लाडली जी मंदिर भी गूंज उठा।

राधा- कृष्ण के दिव्य प्रेम की लड्डू होली का आनंद लेने के लिए देश-दुनिया से श्रद्धालु बरसाना पहुंचे। शाम को जैसे ही पांच बजे लाडली जी मंदिर में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। वृषभानु नंदिनी भी शीश महल में विराजमान होकर भक्तों पर लड्डुओं की बरसात के साथ कृपा का सागर उड़ेल रहीं थीं। पूरा मंदिर परिसर अबीर-गुलाल की बरसात से अट गया। अबीर- गुलाल में सराबोर श्रद्धालु मस्ती के साथ नाच रहे थे। गोस्वामी समाज ने समाज गायन किया। नंदगांव से आए पाड़ा का पुजारी ने भानु बाबा की ओर से स्वागत किया। पाड़ा ने हर्ष से नृत्य किया। पुजारी और श्रद्धालुओं ने लड्डुओं को दर्शकों के बीच लुटाया। लोग प्रसाद रूपी लड्डुओं को पाने के लिए लालायित दिखे। मंदिर में करीब सवा घंटे तक चली इस लड्डू होली के दौरान टनों लड्डू लुटाए गए। दिल्ली निवासी सुलेखा ने बताया कि जैसा हमने लड्डू होली के बारे में सुना था। उससे अधिक रस देखने को मिला।

बरसाना के श्रीजी मंदिर में लड्डू मार होली के लिए 2000 किलो लड्डू मंगाए गए थे। मंदिर की अटारी (छत) से शाम होते ही लड्डू लुटाए गए। लड्डू लूटने के लिए श्रद्धालु नीचे आंगन में बड़ी संख्या में जमा थे। उनके बीच लड्डू लूटने की होड़ देखने को मिली। एक तरफ मंदिर में रंग गुलाल उड़ाए जा रहे थे। दूसरी तरफ, मंदिर के पुजारी भजन गा रहे थे। पूरा परिसर 'जय राधे जय कृष्णा' के भजन से गूंज उठा। हर कोई आज भक्ति में सराबोर दिखाई दिया।

– करीब 5 लाख श्रद्धालु पहुंचे बरसाना

लड्डू मार होली को देखने के लिए करीब 5 लाख भक्त बरसाना पहुंचे। इसके कारण बरसाना की ओर जाने वाले हर रास्तों पर लंबा जाम लग गया। जाम को खुलवाने के लिए पुलिस को मोर्चा संभालना पड़ा।

– सुरक्षा के किए कड़े इंतजाम

बरसाना में लड्डू होली और लट्ठमार होली के लिए पुलिस ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। पूरे बरसाना को पांच जोन में विभाजित किया गया है। सुरक्षा के लिए 2500 पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। लट्ठमार होली मेला की सुरक्षा व्यवस्था में एडिशनल एसपी पांच, क्षेत्राधिकारी 15, इंस्पेक्टर 60, महिला सब इंस्पेक्टर 40, सब इंस्पेक्टर 300, महिला सिपाही 100, सिपाही 1200, होमगार्ड 500, साथ ही 5 कंपनी पीएसी की भी तैनाती की गई। पुलिस प्रशासन के उच्चाधिकारी भी लड्डू होली की सुरक्षा व्यवस्था में देर शाम तक डटे रहे।

– राधा व गोपाल सखी ने पहुंचाया राधा का संदेश

लठामार रंगीली होली के लिए राधा रानी की ओर से कान्हा के लिए आमंत्रण लेकर राधा सखी व गोपाल सखी गई। वृंदावन के गोपाल घाट पर रहने वाली राधा सखी पिछले 13 वर्ष से इस कार्य को करती चली आ रही है। राधा सखी को यह कार्य अपनी गुरु श्यामा दासी से उत्तराधिकार में मिला है। राधा सखी व गोपाल सखी इस कार्य को कर खुद को भाग्यशाली मानती है।

– रंगोत्सव के मुख्य मंच पर हुई मनमोहक प्रस्तुति

उप्र ब्रज तीर्थ विकास परिषद की ओर से बरसाना के राधा बिहारी इंटर कॉलेज प्रांगण में सजाए गये भव्य मंच पर होली के सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रारंभ हुए। यह शुभारंभ आगरा के मंडलायुक्त रितु माहेश्वरी ने दीप प्रज्वलन कर किया। रंगोत्सव 2024 के मुख्य मंच पर गीतांजलि ग्रुप ने ब्रज की प्रसिद्ध एवं पारंपरिक लठामार, कुर्ता फाड़ व लड्डू मार होली का रंगारंग कार्यक्रम पेश किया।

राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के प्रदेश अध्यक्ष ने की मतदाता जागरूकता कार्यक्रम की शुरूआत

लोक कल्याणकारी सरकार बनाने के लिए जागरूक मतदाता आवश्यक– डॉक्टर संदीप

अमन लेखनी समाचार/हेमन्त यादव

झांसी। रविवार को राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद संयुक्त परिषद के अध्यक्ष जे एन तिवारी एवं महामंत्री अरुणा शुक्ला ने संयुक्त रूप से बुंदेलखंड विश्वविद्यालय से मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जनपद के प्रतिष्ठित समाजसेवी डॉ० संदीप सरावगी उपस्थित रहे मंचासीन अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम किया गया। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के गांधी ऑडिटोरियम में झांसी मंडल के कर्मचारियों को संबोधित करते हुए राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष जे एन तिवारी ने अवगत कराया कि लोकसभा चुनाव की शुरूआत हो चुकी है। भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। देश के 97 करोड़ मतदाता मिलकर मिलकर 543 सांसदों का चुनाव करते हैं। मतदान के माध्यम से हम सभी को अपनी मनपसंद सरकार चुनने का अवसर मिलता है। मतदान का दिन पर्व के रूप में मनाया जाना चाहिये। एक लोक हितकारी सर्व विकास उन्मुख, राष्ट्रवादी सरकार के चयन के लिए अधिक से अधिक मतदान का होना जरूरी है। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद ने अपनी जनपद शाखाओं के माध्यम से प्रदेश के हर जनपद में मतदाताओं को जागरूक करने का कार्यक्रम शुरू किया है। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद ऐसे कर्मचारियों का समूह है जिसके संपर्क में प्रदेश की शत प्रतिशत आबादी है। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद की महामंत्री अरूणा शुक्ला ने कहा कि चुनाव में सबसे अधिक सक्रिय भागीदारी महिलाओं की होती है। विगत लोकसभा चुनाव में महिलाओं का वोट प्रतिशत पुरुषों के मुकाबले अधिक रहा है। इस बार भी हमारा प्रयास है कि शत प्रतिशत महिला मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉक्टर संदीप सरावगी ने कहा लोकतंत्र के पावन पर्व लोकसभा आम चुनाव की घोषणा हो चुकी है लोकतंत्र में एक सशक्त और लोक हितकारी सरकार चुनने का उत्तरदायित्व आम जनता का होता है क्योंकि आम जनता ही अपने जनप्रतिनिधि चुनकर विधानसभा और लोकसभा में भेजती है और वही जनप्रतिनिधि जनता की समस्याओं को और उनके जनकल्याणकारी कार्यों की योजनाओं को संसद पटल पर रखता है, जिससे देश का समग्र विकास हो सके। चुनाव को सकुशल संपन्न करने का उत्तरदायित्व केंद्र और राज्य के कर्मचारियों का होता है जिनकी कार्य कुशलता और कर्तव्य परायणता से चुनाव निर्बाध रूप से संपन्न होते हैं। किसी भी कर्मचारी संघ के अध्यक्ष एवं अन्य पदाधिकारी का मुख्य कार्य शासन और कर्मचारियों के बीच सामंजस्य स्थापित करना होता है जिससे कभी दोनों के बीच टकराव की स्थिति ना उत्पन्न हो। उन्होंने कहा की मैं आप सभी का आभार व्यक्त करता हूँ कि लोकतंत्र के इस पावन यज्ञ में आप सभी अपने कर्तव्यों की आहुति दे रहे हैं। निश्चित रूप से हर बार की तरह इस बार भी यह लोकसभा चुनाव आप सभी के सहयोग से सकुशल संपन्न होगा। विश्वविद्यालय में कार्यरत स्ववित्त पोषित योजनाओं में कार्यरत कर्मचारियों को नियमित किए जाने के संबंध में भी राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद ने 1 मार्च 2024 को अपर मुख्य सचिव कार्मिक के साथ वार्ता की थी सभी कर्मचारियों की वेतन विसंगतियां, समय से पदोन्नति एवं रिक्त पदों को भरे जाने पर भी सरकार के साथ समय-समय पर राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद की वार्ता होती रहती है।लोकसभा चुनाव में संयुक्त परिषद से जुड़े लाखों कर्मचारी अपने संवैधानिक दायित्वों का निर्वहन करेंगे। अधिक से अधिक मतदान के लिए लोगों को प्रेरित करेंगे एवं देश में एक मजबूत एवं स्थिर सरकार बनाने में मतदान की भूमिका से सबको अवगत कराएंगे। उन्होंने कर्मचारियों से अपील किया है कि चुनाव के समय किसी भी पार्टी के लोक लुभावने वादों में आए बिना अपने विवेक का इस्तेमाल करते हुए निष्पक्ष रूप से एक स्थिर सरकार बनाने के लिए शत प्रतिशत मतदान करें एवं जनता को भी प्रेरित करें।इस मौके पर संयुक्त परिषद के उपाध्यक्ष शहंशाह अली, झाँसी मंडल के अध्यक्ष डॉ० प्रभाकर शास्त्री, मंडल प्रभारी अनीता जी, नेहा, लक्ष्मी आर्या, सुनील कुमार सिंह, राम लखन मिश्र, सुरेश चंद्र रायकवार, चंद्रशेखर आर्य, बृजेंद्र यादव, राम विनोद सिंह, अभय तिवारी सहित हमीरपुर, झांसी, उरई, ललितपुर के राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालयो एवं आई टी आई विश्वविद्यालय के सैकड़ों की संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे।

गाजीपुर जिले के लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र 75में 2927668 मतदाता चुनेंगे अपना सांसद

अमन लेखनी समाचार

गाजीपुर जिले के लोकसभा चुनाव 2024 के चुनाव के संदर्भ में जिलाधिकारी आर्यका अखौरी और पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने पत्रकार वार्ता में जनपद गाजीपुर में लागू आदर्श आचार संहिता के संदर्भ में पत्रकारों को बताया कि जनपद में आचार संहिता लागू हो गयी है। गाजीपुर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र 75 में आदर्श आचार संहिता लागू हो गयी है। गाजीपुर लोकसभा में पांच विधानसभा गाजीपुर सदर, जमानियां, जंगीपुर, जखनियां और सैदपुर विधानसभा शामिल है। बलिया लोकसभा में जिले की दो विधानसभा जहुराबाद और मुहम्मदाबाद शामिल है। गाजीपुर लोकसभा चुनाव के लिए निर्वाचन की अधिसूचना 7 मई मंगलवार को लागू होगी। नामांकन 7 से 14 मई के बीच होगा। नामांकन पत्रों की जांच 15 मई को और नामांकन की वापसी 17 मई को होगा। मतदान 1 जून को व मतगणना 4 जून को तथा सम्पूर्ण चुनाव की कार्रवाई 6 जून तक समाप्त हो जाएगी। गाजीपुर लोकसभा में 2035 मतदेय स्थल, 1108 मतदान केंद्र, 17 जोन, तथा 171 सेक्टर बनाये गये हैं। बलिया लोकसभा के जहुराबाद और मुहम्माबाद विधानसभा में 901 मतदेय स्थल, 514 मतदान केंद्र, 8 जोन और 82 सेक्टर बनाये गये हैं। वर्तमान में कुल मतदाताओं की संख्या 2927668 है जिसमे पुरुष 1544879 व महिला 1382714 तथा थर्डजेंडर 85 मतदाता हैं। इस चुनाव के लिए 18 से 19 वर्ष के कुल 60668 युवा मतादाताओं को पंजीकृत किया गया है। जिसमे पुरुष 32651 व महिला 28005 तथा थर्डजेंडर 2 मतदाता है। 80 प्लस मतदाताओं की संख्या 52336 जिसमे पुरुष 23165 व महिला 29171 है। दिव्यांग मतदाताओं की संख्या 22165 है।

कंचन कान्वेंट स्कूल में परीक्षाफल पाकर झूम उठे विद्यार्थी

सभी सफल छात्र छात्राओ को किया गया पुरस्कृत

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज(बहराइच)स्थानीय कंचन कान्वेंट स्कूल में वार्षिक परीक्षा फल का वितरण किया गया।जिसमें सभी सफल छात्र-छात्राओं को शील्ड व मेडल देकर विद्यालय प्रबंधक मनीष श्रीवास्तव की ओर से पुरस्कृत किया गया। वार्षिक परीक्षा फल में सभी सफल प्रतिभागियों को विद्यालय की उप निदेशक श्रीमती संगीता श्रीवास्तव ,डिप्टी डायरेक्टर अगम स्वरूप श्रीवास्तव ने मेडल देकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस मौके पर,एसके सिंह, विजय मिश्र, रंजीत सिंह, मोहम्मद माजिद, अबरार अहमद,नसीब अहमद, प्रदीप श्रीवास्तव, पवन सिंह, राजेश मिश्रा,उमा शंकर यादव,आदित्य सिंह,मालती सिंह, साक्षी सिंह, वारिशा,उम्मे रूबी, क्षमा सिंह शीबा, वैशाली,आयशा फातिमा, प्रीति, आदि मौजूद रहे।

अध्यक्ष के खिलाफ सभासदों ने खोला मोर्चा दिया ज्ञापन

अमन लेखनी समाचार/शिवम सिंह

कुरारा, हमीरपुर।नगर पंचायत अध्यक्ष की कार्य प्रणाली से नाराज सभासदों ने जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी को देकर कार्यवाही करने की मांग की है। तथा फर्जी मुकदमे मे फसाने की धमकी चेयरमैन द्वारा दिए जाने से सभी सभासद मिलकर उप जिलाधिकारी से मिले। नगर पंचायत कुरारा में ग्यारह वार्ड सभासद है। सभी वार्ड सदस्यों के हस्ताक्षर सहित जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी को सौंपकर बताया कि बोर्ड की बैठक की सूचना एक सप्ताह पूर्व न देकर एक दिन पहले दी जाती है। नगर पंचायत के धन का नियम विरुद्ध भुगतान किया जा रहा है।नगर पंचायत द्वारा कराए जा रहे कार्यों का टेंडर धारक से कार्य न कराकर अपने संबंधियों से कराया जा रहा है। नगर पंचायत में आउट सोर्सिंग कर्मचारियों का 75 लोगो का है। जिसमे मौके पर 65 कर्मचारी कार्य करते हैं।तथा भुगतान 75 कर्मचारियों का किया जाता है। चेयरमैन के कहने पर भवन मानचित्र व गृह कर कार्य में लगाए कर्मचारियों द्वारा अवैध वसूली की जाती है। टेंडर प्रक्रिया में वित्तीय अनियमतता की जा रही है। तथा किसी भी कार्य की जानकारी मांगे जाने पर चेयरमैन द्वारा फर्जी मुकदमे में फसाने की धमकी दी जाती है। इस से सभासद परेशान हैं। वही सभासदो ने बताया कि शुक्रवार को बजट से संबंधित बैठक का आयोजन किया गया था जिसका सभासदों ने बहिष्कार करते हुए बैठक में शामिल नही हुए। ज्ञापन में सभासद राबिया खातून, स्नेहा, मुकेश, प्रशांत राजावत,नूर मोहम्मद ,आशा, ऊषा, अजय सिंह,अवधेश गुप्ता, अंकित पालीवाल, अतुल कुमार के हस्ताक्षर है।

एक सप्ताह से हैंडपंप खराब लोग पानी के लिए परेशान

शिकायत के बाद भी नहीं ठीक कराया जा रहा हैंडपंप

प्रधान का कहना लोगों ने डाल रखी है समरसेबिल

अमन लेखनी समाचार

भरुआ, सुमेरपुर। विकासखंड क्षेत्र के बड़ागांव में रामबाबू के दरवाजे का हैंडपंप खराब होने से लोगों को एक हफ्ते से पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ता है। शिकायत करने के बावजूद इसे दुरुस्त नहीं कराया जा रहा है। बड़ागांव निवासी रामबाबू यादव, अजय यादव, शिवकली आदि ने बताया कि उनके दरवाजे पर लगा हैंडपंप बीते तीन-चार महीने पहले खराब हो गया था। पानी देर से उठाने के कारण इसमें समरसेबल डाला गया था। जिससे कुछ दिन हैंडपंप चला। लेकिन एक सप्ताह से यह हैंडपंप पूरी तरह से ठप हो गया है। इसकी शिकायत ग्राम प्रधान सहित खंड विकास अधिकारी से की गई थी। लेकिन एक सप्ताह बीत जाने के बाद इसे दुरुस्त नहीं कराया गया है। जिससे लोगों को इधर-उधर भटकना पड़ता है। वहीं कुछ लोग मजबूरी में गांव निवासी ब्लाक प्रमुख जयनारायण सिंह यादव के आवास में लगे समरसेबल से पानी भरने को मजबूर हैं। लोगों ने इसे शीघ्र ठीक कराए जाने की मांग की थी। उधर ग्राम प्रधान हरदौल निषाद ने बताया कि मोहल्लेवासियों ने खुद का समरसेबिल डाल रखा है। जिससे ठीक कराने में समस्या आ रही है। अगर समरसेबिल हटा लिया जाएगा तो उसे ठीक करा दिया जाएगा।

अमन लेखनी
(हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक– श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक – रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. – 9838159555, 9935457982

E-mail address amanlekhaninews@gmail.com

पुस्तकालय केवल किताबों का संग्रहालय नहीं ज्ञान के सागर जैसे होते हैं। इन्हीं पुस्तकालयों में इतिहास, साहित्य, कला और संस्कृति की अनमोल धरोहरें पुस्तक के रूप में संरक्षित रहती हैं। अपने देश ही नहीं दुनिया भर में कई ऐसे पुस्तकालय मौजूद हैं, जो अपनी भव्यता और ज्ञान संचय की वजह से विख्यात हैं। इनमें से कुछ के बारे में आप भी जानिए।

खुदाबख्श लाइब्रेरी, पटना

देश-विदेश के प्रसिद्ध पुस्तकालय
यहां संचित है ज्ञान का सागर

धरोहर / अपराजिता

पुस्तकालय महज किताबों के घर या किताबों के रखने की जगह भर नहीं होते हैं। ये किसी देश की कला, साहित्य, संस्कृति, इतिहास की धरोहर को सुरक्षित और संरक्षित रखने की जगह होते हैं। किसी देश के पुस्तकालयों से यह समझा जा सकता है कि उस देश का कला और साहित्य में क्या दर्जा है, इतिहास और दर्शन में उसकी कैसी दखल है और संस्कृति के मोर्चे पर वह किस पायदान पर खड़ा है? पुस्तकालयों की इसी थाती के कारण भले किताबों का अस्तित्व सवालों के घेरे में आ गया हो, लेकिन दुनिया भर में मौजूद एक से बढ़कर एक पुस्तकालयों का भविष्य सुरक्षित है। अगर इन पर कोई चुनौती आई है तो बस इतनी कि इन्हें भी जमाने के तकनीक के मुताबिक खुद को आधुनिक डिजिटल तकनीक से लैस होना पड़ रहा है। यही कारण है कि दुनिया भर के पुस्तकालय बहुत तेजी से डिजिटल हो रहे हैं और तमाम किताबें रातों-रात वीडियो या डिजिटल रूप धारण कर रही हैं। लेकिन पुस्तकालयों की दुनिया में फिलहाल किताबों की आवक जरा भी कम नहीं हुई है। हां, यह जरूर हुआ है कि कई किताबें अब कागज की बजाय स्क्रीन में आ गई हैं। लेकिन दस्तावेजी धरोहरों को सुरक्षित रखने की भूमिका अदा कर रहे पुस्तकालय किताबों की समस्या से ग्रस्त नहीं हैं। बहुत से लोगों का तो यह भी मानना है कि हो सकता है भविष्य में किताबें आम लोगों के पास से खत्म हो जाएं, लेकिन विभिन्न संस्थानों के पुस्तकालयों में इनकी मौजूदगी बरकरार रहेगी बल्कि और बेहतर, स्थायित्व वाली होगी। आइए जानते हैं, देश-दुनिया में मौजूद ऐसे कुछ महत्वपूर्ण पुस्तकालयों के बारे में-

रजा लाइब्रेरी, रामपुर

सालारजंग म्यूजियम-लाइब्रेरी, हैदराबाद

देश का दुर्लभ पुस्तकालय

अपने देश भारत के महत्वपूर्ण और दुर्लभ पुस्तकालयों में से सबसे महत्वपूर्ण 'भारत का राष्ट्रीय पुस्तकालय' है। नेशनल लाइब्रेरी ऑफ इंडिया नाम के इस पुस्तकालय की साल 1903 में कोलकाता के अलीपुर इलाके के बेल्वे डियर एस्टेट में स्थापना हुई थी। तत्कालीन गवर्नर जनरल लार्ड कर्जन के द्वारा इसके सार्वजनिक उपयोग हेतु इसे इंपीरियल लाइब्रेरी में मिला दिया गया था। यह पुस्तकालय वास्तव में 1836 में स्थापित कलकत्ता पब्लिक लाइब्रेरी का ही विस्तारित रूप था। आजादी के बाद साल 1948 में इंपीरियल लाइब्रेरी एक्ट को पारित करके इसे राष्ट्रीय पुस्तकालय का दर्जा दिया गया और 1 फरवरी 1953 को तत्कालीन शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद ने इसे हर भारतीय के लिए खोल दिया। वर्तमान में यह भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के अधीन है। यह सार्वजनिक रिकॉर्ड का तो देश में सबसे बड़ा पुस्तकालय है ही, इस पुस्तकालय में 22 लाख से ज्यादा बहुत विषयों की किताबें हैं। पुस्तकालयों के लिहाज से कोलकाता बहुत विख्यात है। भारत का पहला आधुनिक पुस्तकालय एशियाटिक सोसाइटी लाइब्रेरी साल 1784 में कोलकाता में ही सर विलियम जोंस ने स्थापित किया था।

एशियाटिक सोसाइटी लाइब्रेरी, कोलकाता

ये लाइब्रेरीज हैं वर्ल्ड फेमस

अगर भारत से बाहर दुनिया के महत्वपूर्ण पुस्तकालयों की बात करें तो अलेक्जेंड्रिया की लाइब्रेरी दुनिया की प्राचीनतम और दुर्लभतम लाइब्रेरी मानी जाती है। इसी तरह ब्रिटिश लाइब्रेरी, जो कि लंदन में स्थित है, यहां 20 करोड़ से ज्यादा किताबें हैं। जबकि कांग्रेस लाइब्रेरी वाशिंगटन में 7 करोड़ किताबें हैं। इन सभी पुस्तकालयों का हाल के सालों में तेजी से आधुनिकीकरण हुआ है और बहुत सारी सामग्री ऑडियो विजुअल या डिजिटल शेप में बदली जा चुकी है।

सबसे पुराना पुस्तकालय

अगर देश की पुरानी और साहित्य, इतिहास की दृष्टि से महत्वपूर्ण सरकारी पुस्तकालय की बात करें तो केरल राज्य का पुस्तकालय भी बहुत महत्वपूर्ण है। त्रिवेंद्रम पब्लिक लाइब्रेरी के रूप में इसकी स्थापना 1829 में हुई थी। लेकिन अगर देश के सबसे पुराने पुस्तकालय की बात करें तो यह तमिलनाडु के तंजावुर जिले में स्थित सरस्वती महल पुस्तकालय है। इस पुस्तकालय की स्थापना 16वीं शताब्दी में मराठा शासन में हुई थी। इसमें प्राचीन साहित्य विशेष रूप से धार्मिक साहित्य की महत्वपूर्ण किताबें उपलब्ध हैं।

ये पुस्तकालय भी हैं विशिष्ट

देश के अन्य महत्वपूर्ण पुस्तकालयों में 'चमेली देवी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन' का पुस्तकालय भी है, जो कि मध्य प्रदेश के इंदौर शहर में स्थित है। यह पुस्तकालय भी महत्वपूर्ण मेडिकल, इंजीनियरिंग और साहित्यिक विषयों की उत्कृष्ट किताबों का संग्रह रखता है। इस पुस्तकालय में राज्य सरकारों के अधिनियम, अध्यादेश, विभिन्न तरह की सरकारी नियमावलियां और देश-विदेश के संसदीय रिकॉर्ड मौजूद हैं।

हैदराबाद स्थित सालार जंग संग्रहालय स्थित पुस्तकालय भी देश के उत्कृष्ट पुस्तकालयों में से है, जहां कला विषयों की दुर्लभ किताबें उपलब्ध हैं। यह भारत के तीन सबसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय पुस्तकालयों में से एक है। यहां पर भी 80,000 से ज्यादा किताबें, 10 लाख से ज्यादा चित्र, मूर्तियां, नक्काशी, पांडुलिपियां और कलाकृतियां मौजूद हैं। इसी तरह रामपुर का रजा पुस्तकालय या रजा किताबखाना भी है, इसे भी दक्षिण एशिया के महत्वपूर्ण पुस्तकालयों में गिना जाता है। रजा पुस्तकालय की स्थापना सन 1774 में नवाब फैजुल्ला खान ने की थी। इसमें विभिन्न धर्मों और परंपराओं से संबंधित किताबें हैं। पटना की खुदाबख्श लाइब्रेरी भी दुनिया के दुर्लभ पुस्तकालयों में से एक है, जहां 21,000 से ज्यादा ओरिएंटल पांडुलिपियां और ढाई लाख से ज्यादा मुद्रित किताबें मौजूद हैं। संभव है कि अगले दो दशकों में दुनिया के सारे पुस्तकालयों में मौजूद किताबें, दस्तावेजों और पांडुलिपियों को डिजिटल तकनीक में बदल दिया जाए। जैसे भारत में नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी ऑफ इंडिया का आने वाले सालों के लिए महत्वाकांक्षी लक्ष्य है, जो सभी तरह की किताबों का सबसे बड़ा डिजिटल भंडार बनने की तरफ अग्रसर है। *

सक्सेस फंडा / शिखर चंद जैन

अगर आप किसी लक्ष्य को पाने के लिए तमाम कोशिशों के बावजूद बार-बार असफल हो रहे हैं तो आपको ठहरकर अपने भीतर ही असफलता के मूल कारण तलाशने चाहिए। जैसे ही आप इन कारणों को दूर कर लेंगे, सफलता आपके कदम चूम लेगी।

अगर आप होते हैं बार-बार असफल

कई लोग जीवन में बार-बार असफल होते हैं। उन्हें समझ में नहीं आता कि आखिर क्या कारण है कि वे मनचाही सफलता प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं? ऐसे में वे तकदीर को कोसने लगते हं और उनमें ऊबन भी पनपने लगती है। असफल होने वाले लोग अकसर ईमानदारी से प्रयास नहीं करते। इनका अति आत्मविश्वास इन्हें सफल नहीं होने देता है। आइए जानते हैं, असफलता के कुछ कारण और उनके समाधान के बारे में।

धैर्य की कमी : जिन लोगों के मन में धैर्य नहीं होता, हर वक्त एक हड़बड़ी होती है, वे जल्दी ही अपने कार्य से विमुख हो जाते हैं। दुनिया के सर्वोच्च सफल लोगों में धैर्य बेहद आवश्यक रूप में पाया जाता है। ये किसी कार्य में असफल हो जाएं तो उसे छोड़ते नहीं बल्कि लक्ष्य की प्राप्ति तक उस पर टिके रहते हैं। ये लोग जीवन को 20-20 मैच की तरह नहीं बल्कि एक मैराथन के रूप में देखते हैं, जिसमें लगातार धैर्य के साथ लंबी दौड़ की आवश्यकता होती है।

नया आजमाने में हिचक : आप सफल नहीं हो पा रहे हैं तो जान लें कि सफलता या जीवन में प्रगति तब तक संभव नहीं होती, जब तक कि आप असहज होने के लिए तैयार ना हों। यानी हमेशा आरामदायक स्थिति में रहने की आदत से उबरना, आगे बढ़कर मेहनत करना, जोखिम लेना और नए-नए प्रयोग और काम करते रहना जरूरी है। पुरानी आदतों और बने-बनाए रास्ते पर चलने की प्रवृत्ति को बदलें और काम करने के नए तरीके खोजें।

रिसर्च-प्लानिंग की कमी : कुछ लोग अपनी बुद्धि, क्षमता और नियम के अनुसार ही काम करना चाहते हैं। ये रिसर्च नहीं करते ना ही प्लानिंग करते हैं। जो लोग बिना प्लानिंग और बिना लक्ष्य तय किए काम करते हैं, उन्हें अकसर सफलता नहीं मिलती। वारेन बफे हों, बिल गेट्स या फिर जैफ बेजॉस, इन सभी का मानना है कि सफलता का राज हर दिन तय किए गए नए लक्ष्य और योजनाओं में ही छिपा होता है। जब आपको यही पता नहीं होता कि आपको हासिल क्या, क्यों, कब और कैसे करना है तो आप सफलता की उम्मीद कर ही नहीं सकते हैं।

संकल्प-कल्पना की कमी : सफल होने के लिए बड़े सपने देखने से ना डरें। जब आप बड़े सपने और कल्पना को साकार करने के निश्चय के साथ आगे बढ़ेंगे तो आपको नित नए काम करने, नए लोगों से बातें करने, नया काम सीखने और जोखिम लेने की प्रेरणा मिलेगी। इस कल्पना में नकारात्मकता का कोई स्थान नहीं होना चाहिए। इसके बाद आपको शायद ही कोई ताकत आगे बढ़ने से रोक सके, क्योंकि संकल्प शक्ति और सपनों में असंभव को संभव करने की ताकत होती है।

सलाह लेने से परहेज : कुछ लोग बहुत अधिक विफल होते रहते हैं लेकिन कोई भी समाधान उन्हें नजर नहीं आता। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि वे अपनी कमियों को स्वीकारते ही नहीं हैं। सही मार्गदर्शन, अनुभव और सलाह की कमी के कारण वे अपनी क्षमता के अनुरूप काम नहीं कर पाते। उन्हें युवावस्था से लेकर प्रौढ़ होने तक यही लगता रहता है कि वह तो जब चाहेंगे, तभी अपनी सफलता के झंडे गाड़कर दुनिया को दिखा देंगे, लेकिन अंत में सब खोकर होश में आते हैं। ऐसी नादानी और अहंकार इंसान को कभी आगे नहीं बढ़ने देता। अमेरिकी लेखक ऑगस्टाइन ऑग मैडीनो ने अपनी एक पुस्तक में असफल लोगों के बारे में इसी तरह के विचार व्यक्त किए हैं। इसलिए जरूरत पड़ने पर लोगों की अनुभवी सलाह लेने से ना हिचकें।

दिलचस्पी की कमी : असफल होने वाले अधिकतर लोग अपने काम में दिलचस्पी खो देते हैं और आधे-अधूरे मन से काम करते हैं। किसी भी काम में आप तभी सफल हो पाएंगे, जब आप उसे पूरे मन से और एकाग्रता के साथ करेंगे। अटेंशन बहुत जरूरी चीज है। बेस्ट सेलर पुस्तक 'हायपर फोकस' के लेखक क्रिस बेली ने इस संबंध में दो खास मनोदशाओं का संतुलन साधने की सलाह दी है। पहली है, हाइपर फोकस और दूसरी स्केटर फोकस। पहली में हमारी एकाग्रता बहुत सघन होती है, जबकि दूसरी में हम अधिक क्रिएटिव और विचारशील होते हैं।

कहने का सार यही है कि सफलता पाने के लिए हमें अपनी असफलताओं के कारणों को पहचानकर उन्हें दूर करना बहुत जरूरी है। *

इंस्पिरेशन / लोकमित्र गौतम

छोटा कद-बड़ी कामयाबी

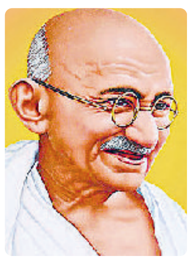

महात्मा गांधी

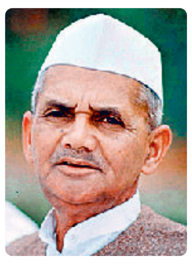

लाल बहादुर शास्त्री

मैरी क्यूरी

सचिन तेंदुलकर

इन दिनों गुजरात के भावनगर जिले के सरकारी अस्पताल में इंटर्न कर रहे डॉ. गणेश बरैया, देश-विदेश की मीडिया की सुर्खियों में हैं। वजह यह है कि उनका कद महज तीन फीट है। यानी वे दुनिया के सबसे छोटे कद के डॉक्टर हैं। लेकिन उन्हें अपना यह मुकाम हासिल करने के लिए लंबी जद्दोजहद करनी पड़ी। दरअसल साल 2018 में जब गणेश ने नीट (एनईईटी) की परीक्षा पास कर ली, तो भी उन्हें एमबीबीएस की पढ़ाई के लिए किसी मेडिकल कॉलेज में एडमिशन नहीं दिया गया। इसका कारण था उनकी लंबाई कम होना। लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और कई तरह के प्रयासों के बाद गुजरात हाईकोर्ट में अपने एडमिशन के लिए याचिका डाली, लेकिन वहां भी उनकी याचिका रिजेक्ट हो गई। फिर वे सुप्रीम कोर्ट पहुंचे, जहां अंततः उन्हें जीत मिली और अगले साल यानी 2018 में भावनगर जिला मेडिकल कॉलेज में एडमिशन मिल गया। आज डॉ. गणेश बरैया सरकारी अस्पताल में इंटर्न कर रहे हैं। आज पूरी दुनिया डॉक्टर बनने के उनके संघर्ष और जज्बे को सलाम कर रही है।

डॉ. गणेश बरैया

राजनैतिक शख्सियतें: डॉक्टर गणेश ही अपवाद नहीं हैं, इतिहास में काबिलियत कभी भी कद की गुलाम नहीं रही है। पूरी दुनिया में ना जाने ऐसे कितने छोटे कद के बड़ी शख्सियतें मौजूद हैं, जिनकी प्रतिभा का पूरी दुनिया लोहा मानती रही है। मानवीय इतिहास के इन चमकते सितारों की कामयाबी की राह में उनका कद कभी बाधा नहीं बना। महात्मा गांधी 20वीं शताब्दी की सबसे बड़ी राजनीतिक शख्सियत माने जाते हैं, लेकिन उनकी लंबाई महज 5 फुट, 5 इंच थी और उनका वजन तो उनके इस छोटे कद के अनुपात में भी कम था। कम लंबाई और उस लंबाई में भी कम वजन के गांधी जी की महानता पर इन दोनों ही बातों का कोई फर्क नहीं पड़ा। महात्मा गांधी ने अपनी राजनीतिक काबिलियत और विचारों के चलते उस अंग्रेजी साम्राज्य को झुका दिया, जिसके बारे में कहा जाता था कि उसका कभी सूरज नहीं डूबता। भारत के अब तक के महान प्रधानमंत्रियों में एक लाल बहादुर शास्त्री का नाम भी हमेशा बहुत सम्मान के साथ लिया जाता है। शास्त्री जी का कद भी महज 5 फीट 2 इंच था। लेकिन उन्होंने अपने इस छोटे से कद के बावजूद पाकिस्तान को 1965 के युद्ध में धूल चटाई थी।

महान वैज्ञानिक हस्तियां: विज्ञान की दुनिया में तो एक से बढ़कर एक ऐसी महान शख्सियतें हुई हैं, जिनका कद छोटा था, लेकिन उन्होंने अपनी काबिलियत से आसमान तक की ऊंचाइयां हासिल कीं। भौतिकी के पितामह कहे जाने वाले सर आइजक न्यूटन का कद महज 5 फीट 6 इंच था। लेकिन उनका यह कद कभी उनकी चमत्कारिक मानी जाने वाली प्रतिभा के आड़े नहीं आया। मैडम क्यूरी जो कि रसायन विज्ञान में नोबेल पुरस्कार पाने वाली दुनिया की पहली महिला वैज्ञानिक थीं, उनका कद तो महज 5 फीट ही था। साल 1911 में उन्होंने रसायन विज्ञान के क्षेत्र में वह क्रांतिकारी खोज की, जिसके बाद आधुनिक परमाणु विज्ञान का विराट रास्ता खुला।

क्रिकेट के सितारे: भारत में सबसे लोकप्रिय खेल क्रिकेट में सुनील गावस्कर, सचिन तेंदुलकर, विनोद कांबली, गुंडुप्पा विश्वनाथ जैसे सारे महान बल्लेबाज छोटे कद के ही हुए हैं। भारत में ही नहीं वेस्टइंडीज में ही ब्रायन लारा छोटे कद के रहे हैं। एक अकेले सचिन ही क्रिकेट के समूचे इतिहास की बल्लेबाजी पर अपने छोटे कद के बावजूद भारी पड़ते हैं। भारत रत्न से सम्मानित सचिन तेंदुलकर महज 5 फुट, 5 इंच के हैं और उन्होंने दुनिया के लंबे-लंबे गेंदबाजों की इतनी धज्जियां उड़ाई हैं कि इतिहास उन्हें कभी नहीं भूल सकता। सचिन की तरह ही लिटिल मास्टर गावस्कर भी महज 5 फुट 5 इंच के ही हैं, जो अपने दौर में दुनिया के सबसे तेज बॉलर्स की खूब खबर लेते थे। यानी, काबिलियत का संबंध कद से नहीं होता है। प्रतिभा कद-काठी की मोहताज नहीं होती है। *

सिल्वर स्क्रीन / हेमंत पाल

कुछ फिल्मी फार्मूले ऐसे हैं, जो शुरुआती दौर से लेकर आज तक दर्शकों को पसंद आते हैं, हिट रहे हैं। ऐसा ही कॉन्सेप्ट है पुनर्जन्म की कहानी वाली फिल्में। मुख्य रूप से प्रेम और बदले के ताने-बाने में बुनी ये फिल्में आज भी दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करती हैं। इसीलिए ऐसी फिल्मों का सिलसिला जारी है।

पुनर्जन्म : हिंदी फिल्मों का हिट फार्मूला

हिंदी फिल्में जब बनना शुरू हुईं, तभी से कुछ सब्जेक्ट्स और थीम पर बनी फिल्में ज्यादा पसंद की जाती रही हैं। शुरुआती दौर में धार्मिक फिल्में बनीं, इसके बाद देश के विभाजन की त्रासदी को फिल्माया गया। फिर आया सामाजिक भेदभाव और अमीरी-गरीबी की खाई से जुड़ी कहानियों का दौर। जब सिनेमा को मनोरंजन की तरह देखा जाने लगा तो प्रेम और बदले की कहानियों को फिल्माया जाने लगा। इसी के साथ शुरू हुआ पुनर्जन्म की कहानियों का दौर।

हिट रहा है यह फार्मूला

पुनर्जन्म की कहानी ऐसा फिल्मी फार्मूला है, जिसे अपने दौर के परिवेश के मुताबिक ढाला गया। यही कारण है कि बॉलीवुड में पुनर्जन्म पर बेस्ड कॉन्सेप्ट काफी हिट रहा है। ब्लैक एंड व्हाइट से लेकर आज मल्टीप्लेक्स के जमाने तक इस फॉर्मूले का फिल्मों में कई-कई बार इस्तेमाल होता रहा है और सफल भी हुआ है। एक जन्म से दूसरे जन्म तक फैली प्रेम कहानियों से लेकर बदला लेने और डरावनी फिल्मों तक पुनर्जन्म वाली कहानियों पर फिल्में बनती रहीं और पसंद की जाती रही हैं। एक जन्म में बिछुड़े हुए दो प्रेमियों की अधूरी प्रेम कहानी, दूसरे जन्म में पूरी होती है। इसके अलावा बदले की आग में जलते दो परिवारों का बदला, दूसरे जन्म में पूरा होता है। सात जन्मों के बंधन और कर्मफल जैसी बातों पर किसी को भरोसा हो या नहीं। लेकिन पुनर्जन्म पर आधारित बॉलीवुड की ये फिल्में दर्शकों को यह यकीन जरूर दिला देती हैं कि अधूरी इच्छा पूरी करने के लिए पुनर्जन्म होता जरूर है।

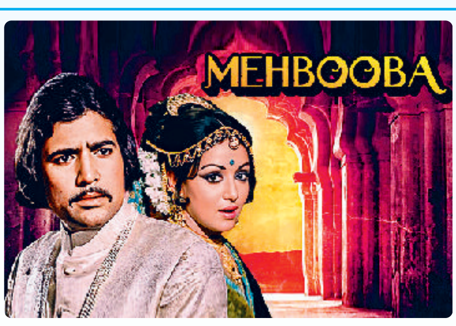

ब्लैक एंड व्हाइट के दौर में हिट फिल्में

हिंदी फिल्मों के इतिहास को खंगाला जाए, तो ब्लैक एंड व्हाइट के समय में पुनर्जन्म पर पहली बार बिमल रॉय ने 'मधुमति' और बाद में 'यहूदी' फिल्म बनाई थी। 1958 में बनी 'मधुमति' को तो इस तरह की कहानियों पर बनी श्रेष्ठ फिल्म माना जाता है। दिलीप कुमार और वैजयंती माला के किरदारों को अलग-अलग समय काल में गढ़ा गया था। 1968 में परदे पर आई सुनील दत्त, साधना और राजकुमार की फिल्म 'नील कमल' भी पिछले जन्म की कहानी पर आधारित थी। इसमें राजकुमार को आत्मा की तरह प्रस्तुत किया गया था, जो अपनी महबूबा को गाना गाकर पुकारता है और वो (साधना) सब कुछ भूलकर खिंची चली आती है। कमाल अमरोही की 'महल' में भी जायदाद हड़पने के लिए पुनर्जन्म की कहानी गढ़ी गई थी। सुनील दत्त और नूतन की फिल्म 'मिलन' भी पुनर्जन्म की प्रेमकथा है।

हिट होती रही हैं ये फिल्में

पुनर्जन्म की थीम पर चेतन आनंद ने राजेश खन्ना, हेमा मालिनी और विनोद खन्ना को लेकर 'कुदरत' बनाई थी। सत्तर के दशक के सुपरहिट हीरो राजेश खन्ना की 1976 में आई फिल्म 'महबूबा' का कथानक भी एक जन्म से दूसरे जन्म तक फैला था। 1980 में रिलीज हुई सुभाष घई की 'कर्ज' का आधार भी यही विषय था। यह फिल्म भी प्रेम और हत्या के बदले की कहानी थी।

दर्शकों को भाती हैं ऐसी फिल्में

सलमान खान जैसे बड़े सितारे ने भी 1992 में दो जन्मों की कहानी 'सूर्यवंशी' में अदाकारी की थी। फिल्म में सलमान खान का पुनर्जन्म होता है। शाहरुख खान और सलमान खान की जोड़ी वाली फिल्म 'करण अर्जुन' 1995 की सुपरहिट फिल्म रही थी। ये दो भाइयों करण और अर्जुन के पुनर्जन्म पर बनी बदले की कहानी थी, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद भी किया। इसी साल आई संजय कपूर और तब्बू की फिल्म 'प्रेम' में भी दो जन्मों का बंधन दिखाया गया था। 2002 की फिल्म 'अब के बरस' भी हिट थी, जो पुनर्जन्म पर आधारित थी। इसमें आर्या बब्बर और अमृता राव मुख्य भूमिका में थे, जबकि 2007 में रिलीज हुई 'ओम शांति ओम' दीपिका पादुकोण के करियर की पहली फिल्म भी पुनर्जन्म की कहानी पर बनी थी, जिसमें शाहरुख खान मुख्य भूमिका में थे। यह फिल्म भी हिट रही थी, जिससे दीपिका के करियर को एक दिशा मिली।

अभी भी जारी है सिलसिला

पिछली सदी ही नहीं इस सदी में भी पुनर्जन्म की थीम पर आधारित फिल्म बनाने का सिलसिला थमा नहीं है। 2012 में आई करिश्मा कपूर की कमबैक फिल्म 'डेंजरस इश्क' की कहानी भी दो जन्मों से जुड़ी थी, जिसे विक्रम भट्ट ने निर्देशित किया। 2015 में आई फिल्म 'एक पहेली लीला' भी पिछले जन्म पर आधारित थी। हाल के वर्षों में 2017 में आई सुशांत सिंह राजपूत और कृति सेनन की 'राब्ता' भी पुनर्जन्म की कहानी थी। हालांकि दिनेश विजन की यह फिल्म अपने कमजोर कथानक के कारण मात खा गई। दरअसल, आज के दर्शक पुनर्जन्म की थीम तो पसंद करते हैं लेकिन मनगढ़ंत कहानी को स्वीकार नहीं कर पाते हैं। *